मुक्त चिन्तन

News Letter

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

॥ सरस्वती नः सुभगा मयस्करत् ॥

मुक्त चिन्तन 02 दिसम्बर, 2022

मुक्त विश्वविद्यालय में दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी प्रारम्भ

भारत में ई– गवर्नेंस और सार्वजनिक सेवाओं के वितरण पर विद्वानों ने किया मंथन

दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ करते हुए माननीय अतिथिगण

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के समाज विज्ञान विद्या शाखा के तत्वावधान में दिनांक 02 एवं 03 दिसंबर 2022 को भारतीय सामाजिक अनुसंधान परिषद नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी 'भारत में ई–गवर्नेंस और सार्वजनिक सेवाओं का वितरण: उभरते मुद्दे, चुनौतियां एवं भविष्य' का आयोजन सरस्वती परिसर स्थित लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में आयोजित किया गया।

राष्ट्रीय संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि प्रोफेसर के. एन. सिंह, कुलपति, दक्षिण बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय, गया, बिहार रहे तथा विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर ए. के. महापात्रा, स्कूल आफ इंटरनेशनल स्टडीज, जे एन यू नई दिल्ली एवं मुख्य वक्ता प्रोफेसर मनोज दीक्षित, पूर्व कुलपति, डॉ राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, अयोध्या रहे। अध्यक्षता विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी ने की।

कार्यक्रम का संचालन करते हुए डॉ0 त्रिविक्रम तिवारी एवं मंचासीन माननीय अतिथिगण

मुख्य अतिथि प्रोफेसर के. एन. सिंह को पौधा भेंट कर उनका स्वागत करते हुए आयोजन सचिव डॉ0 आनन्दा नन्द त्रिपाठी

मुख्य वक्ता प्रोफेसर मनोज दीक्षित को पौधा भेंट कर उनका स्वागत करते हुए डॉ0 संजय कुमार सिंह

विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर ए. के. महापात्रा को पौधा भेंट कर उनका स्वागत करते हुए डॉ0 सुनील कुमार

माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह को पौधा भेंट कर उनका स्वागत करते हुए डॉ0 दीप शिखा श्रीवास्तव

अतिथियों का स्वागत करते हुए सेमिनार के निदेशक प्रोफेसर एस. कुमार

वषयवस्तु के बारे में बताते हुए आयोजन सचिव डॉ आनंदानंद त्रिपाठी

अतिथि सम्मान

मुख्य अतिथि
प्रोफेसर के. एन. सिंह जी
को अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह
भेंट कर उनका सम्मान
करती हुई
माननीया कुलपति
प्रोफेसर सीमा सिंह जी

मुख्य वक्ता
प्रोफेसर मनोज दीक्षित जी
को अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह
भेंट कर उनका सम्मान
करती हुई
माननीया कुलपति
प्रोफेसर सीमा सिंह जी

विशिष्ट अतिथि
प्रोफेसर ए. के. महापात्रा जी
को अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह
भेंट कर उनका सम्मान
करती हुई
माननीया कुलपति
प्रोफेसर सीमा सिंह जी

माननीया कुलपति
प्रोफेसर सीमा सिंह जी
को
अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह
भेंट कर
उनका सम्मान
करते हुए
सेमिनार के निदेशक प्रो0 सन्तोषा कुमार
एवं
आयोजन सचिव डॉ0 आनन्दा नन्द त्रिपाठी

ई क्रांति के क्षेत्र में आया विस्तार– प्रोफेसर मनोज दीक्षित

मुख्य वक्ता राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रोफेसर मनोज दीक्षित ने कहा कि ई क्रांति से ही ई गवर्नेंस की अवधारणा आई। तकनीक ने सरकार, समाज और प्रशासन में पारदर्शिता का सूत्रपात किया। इसी के कारण आम जनमानस की छोटी से छोटी आवश्यकताओं को विस्तार मिला। प्रो. दीक्षित ने कहा कि ई गवर्नेंस की प्रासंगिकता कोरोना काल में स्पष्ट दिखाई पड़ी और वर्तमान में भी नित नए प्रयोग किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज ई क्रांति के क्षेत्र ने काफी विस्तार किया है। शिक्षा, स्वास्थ्य,विभिन्न योजनाएं, सुरक्षा, वित्तीय प्रबंधन, न्याय तथा साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में भी टेक्नोलॉजी विस्तार कर रही है।

ई गवर्नेंस के लिए स्वभाव में परिवर्तन जरुरी– प्रोफेसर ए. के. महापात्रा

विशिष्ट अतिथि जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के प्रोफेसर ए. के. महापात्रा ने कहा कि टेक्नोलॉजी राज्य और समाज के मध्य संबंध मजबूत करती है। यह नागरिकों को भी सरकार और राज्य के समीप लाती है। विश्वसनीयता स्थापित करती है। उन्होंने कहा कि स्वभाव में परिवर्तन के द्वारा ही ई गवर्नेंस को स्वीकार किया जा सकता है।

टेक्नोलॉजी में परिवर्तन पर संतुलन बनाएं समाज वैज्ञानिक– प्रोफेसर के एन सिंह

मुख्य अतिथि प्रोफेसर के. एन. सिंह, कुलपति, दक्षिण बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय, गया, बिहार ने कहा कि तेजी से बदलते युग में टेक्नोलॉजी से सामंजस्य करना बहुत महत्वपूर्ण है। भारत का भविष्य इस बात पर निर्भर करता है कि भारत का युवा टेक्नोलॉजी के साथ तालमेल करके कैसे आगे बढ़ता है। हमें इस बात पर भी ध्यान देना होगा कि टेक्नोलॉजी कहीं व्यक्ति की कमजोरी न बन जाए। मानसिक विकास को अवरुद्ध होने से बचाना भी बहुत बड़ी चुनौती है। प्रोफेसर सिंह ने कहा कि टेक्नोलॉजी के फायदे और नुकसान दोनों होते हैं। हमें इसके सकारात्मक पहलू पर ध्यान देकर आगे बढ़ना होगा। समाज वैज्ञानिकों का यह दायित्व है कि टेक्नोलॉजी में परिवर्तन होने पर संतुलन बनाए रखें।

प्रारंभ में अतिथियों का स्वागत सेमिनार के निदेशक प्रो. एस. कुमार ने किया। दो दिवसीय सेमिनार की विषयवस्तु के बारे में आयोजन सचिव डॉ आनंदानंद त्रिपाठी ने जानकारी दी। संचालन डॉ त्रिविक्रम तिवारी एवं धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव प्रोफेसर पी पी दुबे ने किया।

इस अवसर पर अतिथियों ने ई सोविनियर का विमोचन किया। राष्ट्रीय सेमिनार में उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, मध्य प्रदेश, नई दिल्ली, बिहार, छत्तीसगढ़, हरियाणा और झारखंड के 200 प्रतिभागियों ने रजिस्ट्रेशन कराया। आज 4 एकेडमिक सत्र आयोजित किए गए। जिनमें डॉ आलोक चांटिया, प्रोफेसर रिपुसूदन सिंह, डॉ विजय प्रताप सिंह, डॉ सुरेंद्र कुमार मिश्रा ने व्याख्यान दिये। चारों सत्रों में देश भर से आए प्रतिभागियों ने शोध पत्रों का वाचन किया। राष्ट्रीय सेमिनार का समापन शनिवार को 2:30 बजे होगा।

ई सोविनियर का विमोचन करते हुए माननीय अतिथिगण

टेक्नोलॉजी के सकारात्मक पक्ष को अपनाएं– प्रो0 सीमा सिंह

अध्यक्षीय उद्बोधन में मुक्त विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने कहा कि टेक्नोलॉजी में परिवर्तन को स्वीकार करना आवश्यक है। इसके लिए हमें मानसिक क्रांति के लिए तैयार रहना होगा।

प्रो0 सिंह ने कहा कि हमारे सामने कई प्रकार की चुनौतियां आती हैं। उनका सामना करना पड़ेगा। हम उपलब्ध संसाधनों का बेहतर उपयोग कर सकते हैं। टेक्नोलॉजी के सकारात्मक पक्ष को अपनाकर हम विश्व गुरु बनने की ओर अग्रसर होंगे।

धन्यवाद ज्ञापन करते हुए कुलसचिव प्रोफेसर पी. पी. दुबे

राष्ट्रगान

कार्यक्रम की अन्य झलकियां

मुक्त चिन्तन News Letter
॥ सरस्वती नः सुभगा मयस्करत् ॥
उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज
उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित
मुक्त चिन्तन 02 दिसम्बर, 2022

तीन दिवसीय योग प्रशिक्षण कार्यक्रम समापन

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केंद्र लखनऊ में आज दिनांक 2 दिसम्बर 2022 को योग प्रशिक्षण एवम पाठयक्रम जागरुकता से संबंधित शिक्षार्थियों हेतु तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम समापन हुआ। शिक्षार्थियों को योग पाठ्यक्रम को विस्तार से समझाया गया। जिसमे कर्मयोग का प्रयोगात्मक कराया गया, साथ ही हठ योग मे नेति, धौति, सूर्यनमसकार, पद्म साधना, मन्त्र योग के अभ्यास कराये गये। साथ ही विद्यार्थियो ने संकल्प लिया कि अपने प्राचीन भारतीय योग ग्यान को जन जन तक पहुंचाएंगे। अन्त मे सभी गुरुओ का आह्वान कर गुरुपूजा की ग ई। छात्रो मे सामूहिक प्रसाद वितरण कर सह भोज किया गया। तीन दिवसीय शिविर के माध्यम से छात्रो को योग के विभिन्न विधाओ से पारंगत किया गया.

छात्र–छात्राओं को योगाभ्यास कराते हुए योग प्रशिक्षक श्री अमित सिंह

पायनियर
लखनऊ, शनिवार, 3 दिसम्बर 2022
अयोध्या/अम्बेडकरनगर/प्रयागराज 7

टेक्नोलॉजी में परिवर्तन पर संतुलन बनाएं वैज्ञानिक: प्रो. केएन सिंह

योग को जन-जन तक पहुंचाने का लिया संकल्प

■ **एनबीटी, आशियाना :** उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विवि के वृंदावन कॉलोनी स्थित क्षेत्रीय केंद्र में चल रहे योग प्रशिक्षण एवं पाठ्यक्रम जागरूकता कार्यक्रम के अंतिम दिन शुक्रवार को विद्यार्थियों ने योग ज्ञान को लेकर जागरूकता रैली निकाली। इस बीच विद्यार्थियों ने संकल्प लिया है कि वह अपने प्राचीन भारतीय योग ज्ञान को जन-जन तक पहुंचाएंगे। कार्यक्रम में क्षेत्रीय समन्वयक डॉ.निरांजलि सिन्हा ने बताया कि इन तीन दिनों में शिक्षार्थियों को कर्मयोग का प्रयोगात्मक कराया गया, साथ ही हठ योग मे नेति, धौति, सूर्य नमस्कार, पद्म साधना, मंत्र योग के भी अभ्यास कराए गए। दूसरी ओर वृंदावन योजना स्थित एसकेडी डिग्री कॉलेज में शुक्रवार को तीन दिवसीय क्रिया योग और मेडिटेशन कैंप 'चैतन्य' की शुरुआत हुई।

तीन दिवसीय योग प्रशिक्षण कार्यक्रम का हुआ समापन

भास्कर ब्यूरो

लखनऊ। राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के वृन्दावनकालोनी स्थित क्षेत्रीय केंद्र में शुक्रवार को योग प्रशिक्षण एवं पाठ्क्रम जागरुकता से संबंधित शिक्षार्थियों के लिये चलाया जा रहा तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन हुआ। इस कार्यक्रम का आरंभ बुधवार को हुआ था।

इस कार्यक्रम में लगातार तीन दिनों तक शिक्षार्थियों को योग पाठ्यक्रम को विस्तार से समझाया गया। जिसमे योग के साथ साथ कर्मयोग की प्रयोगात्मक विशेषताओं से छात्रों को परिचित कराया गया साथ ही हठ योग मे नेति, धौति, सूर्यनमस्कार, पद्म साधना, मन्त्र योग के अभ्यास भी कराये गये।

● छात्रों ने प्राचीन भारतीय योग को जन-जन तक पहुंचाने का लिया संकल्प

विद्यार्थियों ने प्राचीन भारतीय योग ग्यान को जन जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के समापन के समय सभी गुरुओ का आह्वान कर गुरुपूजा की गई।छात्रो मे सामूहिक प्रसाद वितरण कर सह भोज भी किया गया

मुक्त विश्वविद्यालय में विश्व विकलांग दिवस के अवसर पर वेबिनार का आयोजन

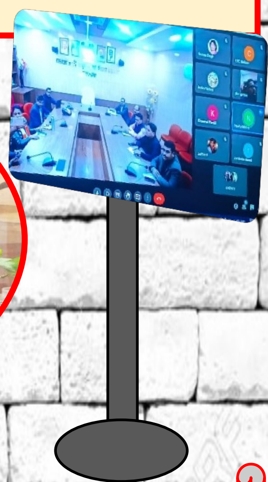

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के शिक्षा विद्याशाखा एवं सी.आर.सी., नेलौर, आन्ध्र प्रदेश के संयुक्त तत्वाधान में विश्व विकलांग दिवस दिनांक 03 दिसंबर 2022 के उपलक्ष्य में विषय **"Schemes and Benefits for Person with Disabilities"** एक दिवसीय वेबिनार का आयोजन किया गया। एक दिवसीय वेबिनार के मुख्य वक्ता श्री प्रवीन कुमार, पुनर्वास अधिकारी, सी.आर.सी., नेलौर, आन्ध्र प्रदेश रहें। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी ने की।

कार्यक्रम का संचालन करते हुए श्री के. मारुती कृष्णा गौर

कार्यक्रम में सभी का स्वागत करते हुए श्री राजमणि पाल

कार्यक्रम के संयोजक श्री राजमणि पाल ने सभी मुख्य अतिथि ,संरक्षक, आयोजन समिति ,सलाहकार समिति ,सभी सदस्यों का स्वागत किया एवं कार्यक्रम में जुड़े सभी पुनर्वास क्षेत्र में कार्यरत कर्मचारी एवं पुनर्वास क्षेत्र में अध्ययनरत विद्यार्थियों का हृदय तल से स्वागत किया और स्वागत करते हुए उन्होंने उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय का स्वागत किया और विशेष स्वागत के क्रम में यशस्वी कुलपति प्रोफ़ेसर सीमा सिंह जी एवं NIEPID के निदेशक B V रामकुमार का विशेष स्वागत किया जिनके सहयोग से यह कार्यक्रम संपन्न हुआ। कार्यक्रम का संचालन श्री के. मारुति कृष्णा गौर ने किया तथा कार्यक्रम का धन्यवाद ज्ञापन श्री परविंद कुमार वर्मा सहायक आचार्य, उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज द्वारा किया गया।

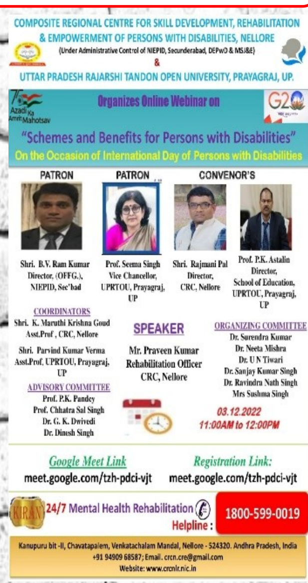

श्री बी.वी रामकुमार, निदेशक एन.आई.ई.पी.आई.डी., सिकंदराबाद, कार्यक्रम के संयोजक श्री राजमणि पाल एवं प्रोफेसर पी.के स्टलीन, कार्यक्रम के समन्वयक श्री परविंद कुमार वर्मा, सहायक आचार्य ,उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज एवं श्री के मारुती कृष्णा गौर, सहायक आचार्य सीआरसी नेल्लौर आंध्र प्रदेश, विश्वविद्यालय के शिक्षकगण एवं लगभग 100 प्रतिभागियों ने कार्यक्रम में प्रतिभाग किया।

कार्यक्रम के बारे में बताते हुए प्रो. पी. के. स्टालिन

कार्यक्रम के बारे में कार्यक्रम संयोजक प्रोफेसर पी.के स्टालिन निदेशक, शिक्षा विद्या शाखा ने संयुक्त रूप से आयोजित राष्ट्रीय दिव्यांगता दिवस के अवसर पर सरकार की योजनाएं और लाभ दिव्यांगजनों के लिए क्या है इस पर आयोजित संगोष्ठी हेतु सभी का स्वागत किया और स्वागत करते हुए दिव्यांगता दिवस की रूपरेखा, उसकी ऐतिहासिक पृष्ठभूमि एवं उसके क्रियान्वयन पर प्रकाश डाला जो निश्चित रूप से दिव्यांग जनों हेतु जागरूकता का काम करेगी ,दिव्यांग जनों की स्थिति आज समाज में है उसमें परिवर्तन का एक क्रम है कि हम विश्व दिव्यांग दिवस के अवसर सभी लोगों को जागरूक करते हुए की दिव्यांगता समाज के प्रति विषमता नहीं बल्कि दिव्यांगजन भी समाज के हिस्सा हैं हमें उनको भी समाज में उतना ही स्थान देना है जितना अन्य जनों को, केवल उनकी दिव्यांगता के कारण उन्हें समाज से अलग नहीं किया जा सकता ,उन्हें अवसर प्रदान किया जाए तो निश्चित रूप से उनकी क्षमता में विकास होगा और उनकी क्षमता ही उनके सामर्थ का परिचय देंगी, इसी क्रम में हमें निश्चित रूप से प्रत्येक वर्ष इस कार्यक्रम का आयोजन करना चाहिए और आयोजन के माध्यम से ही समाज के लोगों को जागरूक करना चाहिए।

दिव्यांगजन हेतु लाभकारी हैं योजनाएं : प्रवीण कुमार

कार्यक्रम मुख्य वक्ता श्री प्रवीण कुमार ने अपने उद्बोधन में दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम से लेकर सरकार द्वारा विभिन्न रूपों में बनाई गई योजनाओं के बारे में विस्तार पूर्वक बताया तथा दिव्यांगजनों के शिक्षा, स्वास्थ्य, सांस्कृतिक ,राजनीतिक, सभी मामलों में उन्हें सफलता प्रदान करने हेतु सरकार द्वारा जो योजनाएं चलाई जा रही हैं उसके बारे में विस्तारपूर्वक चर्चा किया तथा अन्य लोगों के जिज्ञासाओं को भी पूरा किया इस क्रम में आपने दिशा, विकास, सामर्थ, घरौंदा, निरामय, सहयोगी, ज्ञान प्रभा, प्रेरणा, संभव, बढ़ते कदम, कौशल विकास प्रशिक्षण, शिपडा, एनजीओ, किरण यूपीआईडी, तमाम ऐसी योजनाओं के बारे में विस्तार पूर्वक बताया जो दिव्यांगजन हेतु लाभकारी हैं प्रत्येक दिव्यांगजन इन योजनाओं के बारे में जानकारी रखें और योजनाओं का व्यवस्थित रूप से उपयोग करें तो सरकार के लिए एक महत्वपूर्ण कदम होगा और दिव्यांगजनों को समाज में भी एक महत्वपूर्ण स्थान प्राप्त होगा इस क्रम में उन्होंने विशेष बिंदुओं पर गहराई से अपने विचार व्यक्त किए

मैं जैसा हूं मुझे वैसा ही स्वीकार किया जाए : प्रोफेसर सीमा सिंह

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए माननीय कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि केंद्र सरकार और राज्य सरकार द्वारा संचालित योजनाएं निश्चित रूप से दिव्यांग जनों के लिए मजबूती प्रदान करेगा हम सभी को समाज में और समाज के लोगों को जागरूक करने की जरूरत है कि दिव्यांगता केवल शारीरिक है यदि उसे व्यवस्थित सहयोग दे दिया जाए तो समाज से दिव्यांगता तो दूर नहीं होगी,लेकिन दिव्यांगता के प्रति जो धारणा है वह दूर हो जाएगी उन्होंने अपनी स्मृति से एक कविता का जिक्र किया 'मैं नहीं चाहता आप मेरे लिए एक दरवाजा खोलो, बस दरवाजा इतना चौड़ा बना दीजिए कि मैं लाघ सकूं, मैं जैसा हूं मुझे वैसा ही स्वीकार किया जाए। इस तरीके की धारणा दिव्यांग जनों को सफलता प्रदान करेगी निश्चित रूप से शिक्षा जगत में आगे बढ़ेंगे और दिव्यांग जनों को रास्ता दिखाएंगे

कार्यक्रम में सभी का आभार व्यक्त करते हुए श्री परविन्द कुमार वर्मा

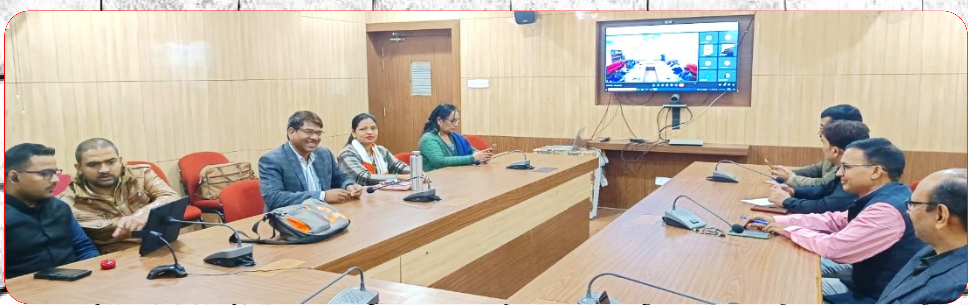

मुक्त विश्वविद्यालय में ई गवर्नेंस पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का समापन

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के समाज विज्ञान विद्या शाखा के तत्वावधान में भारतीय सामाजिक अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी 'भारत में ई–गवर्नेंस और सार्वजनिक सेवाओं का वितरणः उभरते मुद्दे, चुनौतियां एवं भविष्य' का शनिवार को समापन हो गया। समापन सत्र के मुख्य अतिथि प्रोफेसर संजीव कुमार शर्मा जी, पूर्व कुलपति, महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय, मोतिहारी तथा मुख्य वक्ता प्रोफेसर आर एस यादव जी, कुलपति, बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय, रोहतक रहे। समापन सत्र की अध्यक्षता विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी ने की।

आरंभ में अतिथियों का स्वागत सेमिनार के निदेशक प्रोफेसर एस कुमार ने किया। दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार की रिपोर्ट डॉ दीपशिखा श्रीवास्तव ने प्रस्तुत की। संचालन डॉ त्रिविक्रम तिवारी एवं धन्यवाद ज्ञापन आयोजन सचिव डॉ आनंदानंद त्रिपाठी ने किया।

मुक्त चिन्तन

कार्यक्रम का संचालन करते हुए डॉ0 त्रिविक्रम तिवारी एवं मंचासीन माननीय अतिथिगण

अतिथियों का स्वागत करते हुए सेमिनार के निदेशक प्रोफेसर एस. कुमार

दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार की रिपोर्ट प्रस्तुत करती हुई डॉ दीपशिखा श्रीवास्तव

मुख्य अतिथि प्रोफेसर संजीव कुमार शर्मा को पौधा भेंट कर उनका स्वागत करते हुए आयोजन सचिव डॉ0 आनन्दा नन्द त्रिपाठी

माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह को पौधा भेंट कर उनका स्वागत करते हुए डॉ0 संजय कुमार सिंह

मुख्य वक्ता प्रोफेसर आर. एस. यादव को पौधा भेंट कर उनका स्वागत करते हुए डॉ0 त्रिविक्रम तिवारी

प्रोफेसर सन्तोषा कुमार को पौधा भेंट कर उनका स्वागत करते हुए डॉ0 सुनील कुमार

मुख्य अतिथि प्रोफेसर संजीव कुमार शर्मा जी को अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर उनका सम्मान करती हुई माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी

मुख्य वक्ता प्रोफेसर आर. एस. यादव जी को अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर उनका सम्मान करती हुई माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी

माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी को अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर उनका सम्मान करते हुए सेमिनार के निदेशक प्रो0 सन्तोषा कुमार एवं आयोजन सचिव डॉ0 आनन्दा नन्द त्रिपाठी

सेमिनार के निदेशक प्रो0 सन्तोषा कुमार को अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर उनका सम्मान करते हुए डॉ0 त्रिविक्रम तिवारी एवं आयोजन सचिव डॉ0 आनन्दा नन्द त्रिपाठी

तकनीक ने अर्थव्यवस्था को जोड़ने का कार्य किया है : प्रोफेसर आर. एस. यादव

मुख्य वक्ता प्रोफेसर आर. एस. यादव, कुलपति, बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय, रोहतक ने संगोष्ठी की विषयवस्तु पर बात करते हुए कहा कि तकनीक ने अर्थव्यवस्था को जोड़ने का कार्य किया है। साथ ही तकनीक सूचनाओं के तीव्र आदान–प्रदान हेतु एक साधन भी है। सरकारी क्षेत्र में तकनीक प्रत्येक क्षेत्र में विकास का साधन है परंतु हमें इसके उपयोग की सीमाओं को जानना और पहचानना होगा तथा उसी के अनुरूप प्रयोग करना सीखना होगा।

लक्ष्य निर्धारण में भारतीय मूल्यों का समावेश जरूरी– प्रोफेसर संजीव शर्मा

समापन सत्र के मुख्य अतिथि प्रोफेसर संजीव कुमार शर्मा, पूर्व कुलपति, महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय, मोतिहारी ने कहा कि तकनीक साध्य नहीं साधन है। उन्होंने ई व्यवस्था की सम्यक उपयोग की बात की। समाज विज्ञानी के रूप में इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों पर अत्यधिक निर्भरता चिंता का विषय है। हमें इसके प्रयोग की सीमाओं को जानना होगा। उन्होंने भारतीय चिंतन मनीषा का वर्णन करते हुए कहा कि हमें अपने लक्ष्यों के निर्धारण में भारतीय मूल्यों का भी समावेश करना चाहिए।

प्रत्येक व्यक्ति को तकनीक के प्रति जागरूक करना होगा– प्रोफेसर सीमा सिंह

समापन सत्र की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने कहा कि गुड गवर्नेंस में ई गवर्नेंस निरंतर सहयोग दे रहा है। हम इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों के गुण और दोष को समझ कर इस क्षेत्र में आगे बढ़ सकते हैं। इसके लिए हमें प्रत्येक व्यक्ति को तकनीक के प्रति जागरूक करना होगा।

हम इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों के गुण और दोष को समझ कर इस क्षेत्र में आगे बढ़ सकते हैं।

धन्यवाद ज्ञापन करते हुए आयोजन सचिव डॉ0 आनन्दा नन्द त्रिपाठी

राष्ट्रगान

मुक्त विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केन्द्र, गोरखपुर पर तीन दिवसीय योग प्रशिक्षण एवं पाठ्यक्रम जागरूकता शिविर प्रारम्भ

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केंद्र गोरखपुर में दिनांक 05–07 दिसम्बर 2022 से योग प्रशिक्षण एवं पाठयक्रम जागरुकता से संबंधित शिक्षार्थियों हेतु तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रारम्भ किया गया। शिक्षार्थियों को योग पाठ्यक्रम को विस्तार से समझाया गया। जिसमे योग प्रशिक्षक श्री अमित कुमार सिंह द्वारा कर्मयोग का प्रयोगात्मक कराया गया, साथ ही हठ योग मे नेति, धौति, सूर्यनमसकार, पद्म साधना, मन्त्र योग के अभ्यास कराये गये। क्षेत्रीय केन्द्र, गोरखपुर द्वारा आयोजित तीन दिवसीय योग प्रशिक्षण एवं पाठ्यक्रम जागरूकता शिविर के उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि दीन दयाल उपाध्याय गोखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के प्रो0 संजीत कुमार गुप्ता रहे। साथ ही विद्यार्थियो ने संकल्प लिया कि अपने प्राचीन भारतीय योग ग्यान को जन जन तक पहुंचाएंगे। अन्त मे सभी गुरुओ का आह्वान कर गुरुपूजा की गई। छात्रो मे सामूहिक प्रसाद वितरण कर सह भोज किया गया। तीन दिवसीय शिविर के माध्यम से छात्रो को योग के विभिन्न विधाओ से पारंगत किया जायोगा।

छात्र–छात्राओं को योगाभ्यास कराते हुए योग प्रशिक्षक श्री अमित कुमार सिंह

अतिथि स्वागत

शरीर, मन एवं आत्मा को नियंत्रित करना है योग–प्रो. संजीत कुमार

योग शारीरिक व्यायाम केवल नही है बल्कि यह शरीर, मन एवं आत्मा को नियंत्रित करने में सहायता करता है। योग द्वारा शरीर और मन को शांत करने के लिए यह शारीरिक और मानसिक अनुशासन का एक संतुलन बनाता है। जिसके द्वारा शरीर की प्रतिरोधक क्षमता में वृद्धि होती है और मानसिक तनाव को भी दूर करता है। उक्त विचार प्रो0 संजीत कुमार गुप्ता ने उ0 प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के क्षेत्रीय केन्द्र, गोरखपुर द्वारा आयोजित तीन दिवसीय योग प्रशिक्षण एवं पाठ्यक्रम जागरूकता शिविर के उद्घाटन के अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में व्यक्त किया। प्रो0 गुप्त ने आगे कहा कि योग द्वारा हमें अपनी बुराइयों को दमन करना है। समाज में अच्छाई का प्रसार करना है। भारत से चलने वाली योग परम्परा को पूरे विश्व में 21 जून को मनाया जा रहा है। विश्व की समस्याओं का समाधान करने की शक्ति योग में है। इस अवसर पर क्षेत्रीय समन्वयक डॉ0 प्रवीण कुमार ने बताया कि कुलपति प्रो0 सीमा सिंह के मार्गदर्शन में उ0 प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय पूरे प्रदेश में क्षेत्रीय केन्द्रों के माध्यम से जन–जन में योग के प्रति जागरूकता उत्पन्न कराने के लिए योग प्रशिक्षण एवं पाठ्यक्रम जागरूकता शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। जिसक उद्देश्य प्रदेश में योग्य योग प्रशिक्षक तैयार करना है, जो योग के विभिन्न पद्धतियों से प्रशिक्षित हों। समाज में शारीरिक, मानसिक, सामाजिक और आध्यात्मिक उन्नति में अपना योगदान दे सकें। इन्ही को उद्देश्यों को ध्यान में रखकर प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। अमित कुमार सिंह, सहायक आचार्य, ने बताया कि तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर में छात्र–छात्राओं को योग पाठ्यक्रम के बारे में विस्तार से जानकारी दी जायेगी और योग प्रशिक्षण भी प्रदान किया जायेगा। प्रशिक्षण के प्रथम दिवस योग का इतिहास एवं उसकी परम्परा को बताते हुए, प्राचीन ऋषियों के योगदान को बताया। साथ ही योग की प्रयोगात्मक क्रियाए सूक्ष्म योग, सूर्य नमस्कार एवं मंत्र योग के अभ्यास कराये गये। इस अवसर पर क्षेत्रीय केन्द्र गोरखपुर से संबंधित विभिन्न अध्ययन केन्द्रो के प्रशिक्षार्थी ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम में सुनील चन्द्रा, अमृता उपाध्याय, रामानन्द प्रजापति, रवि कुमार, सूर्य प्रकाश, निर्भय नाराण सिंह, रामजतन की सक्रिय सहभागिता रही।

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

मुक्त चिन्तन

News Letter

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

मुक्त विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केन्द्रों पर बाबा साहेब डॉ भीमराव अम्बेडकर के परिनिर्वाण दिवस

क्षेत्रीय केन्द्र झाँसी

क्षेत्रीय केन्द्र मेरठ

क्षेत्रीय केन्द्र अयोध्या

क्षेत्रीय केन्द्र बरेली

क्षेत्रीय केन्द्र नोएडा

क्षेत्रीय केन्द्र लखनऊ

क्षेत्रीय केन्द्र गोरखपुर

AT समाचार

मुविवि में द्वितीय एवं तृतीय वर्ष में 5 दिसंबर तक प्रवेश

सप्तदश(17th) दीक्षांत समारोह
दिनांक 19 दिसम्बर 2022

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज का 17 वां दीक्षांत समारोह दिनांक **19 दिसम्बर 2022** को प्रातः 10 बजे विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर स्थित अटल प्रेक्षागृह (शान्तिपुरम , फाफामऊ , प्रयागराज) में संपन्न होना निश्चित हुआ है। इस समारोह में दिसम्बर 2021 तथा जून 2022 की परीक्षा के ...

अमर उजाला

मुक्त विवि के दीक्षांत में डिग्री लेने के लिए रजिस्ट्रेशन शुरू

अमर उजाला ब्यूरो

सभी 12 क्षेत्रीय केंद्रों पर ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन की ...

शरीर, मन एवं आत्मा को नियंत्रित करना है योग-प्रो.संजीत कुमार

तीन दिवसीय योग प्रशिक्षण कार्यक्रम का हुआ समापन

भास्कर ब्यूरो

लखनऊ। राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के वृन्दावनकालोनी स्थित क्षेत्रीय केंद्र में शुक्रवार को योग प्रशिक्षण एवं पाठ्क्रम जागरुकता से संबंधित शिक्षार्थियों के लिये चलाया जा रहा तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन हुआ। इस कार्यक्रम का आरंभ बुधवार को हुआ था।

इस कार्यक्रम में लगातार तीन दिनों तक शिक्षार्थियों को योग पाठ्यक्रम को विस्तार से समझाया गया। जिसमे योग के साथ साथ कर्मयोग की प्रयोगात्मक विशेषताओं से छात्रों को परिचित कराया गया साथ ही हठ योग मे नेति, धौति, सूर्यनमस्कार, पद्म साधना, मन्त्र योग के अभ्यास भी कराये गये।

● छात्रों ने प्राचीन भारतीय योग को जन-जन तक पहुंचाने का लिया संकल्प

विद्यार्थियों ने प्राचीन भारतीय योग ग्यान को जन जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के समापन के समय सभी गुरुओ का आह्वान कर गुरुपूजा की गई।छात्रो मे सामूहिक प्रसाद वितरण कर सह भोज भी किया गया

विद्यार्थियों को टेबलेट वितरित

जलालपुर (अम्बेडकरनगर)। इस अत्याधुनिक युग में शिक्षा के क्षेत्र में टेबलेट, लैपटॉप की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। छात्र-छात्राएं घर बैठे जहां ऑनलाइन शिक्षा ग्रहण कर रही हैं वही एक क्लिक पर सारी दुनिया की जानकारी हासिल हो रही है। उक्त बातें मुख्य अतिथि पूर्व विधायक भाजपा नेता सुभाष राय ने झाम बाबा पीजी कॉलेज सुरजूपुर में उत्तर प्रदेश राजश्री टंडन मुक्ति विश्वविद्यालय इलाहाबाद एम ए के छात्र छात्राओं को टेबलेट वितरित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि समूचा भारत कंप्यूटर लैपटॉप टेबलेट मोबाइल के माध्यम से डिजिटल इंडिया बन चुका है। सारा लेन देन का कार्य कैशलेस हो रहा है। व्यक्ति अपने मोबाइल फोन से ही हजारो की रकम ट्रांसफर कर रहा है। उन्होंने 84 छात्र छात्राओं को टेबलेट वितरण कर उनके उज्जवल भविष्य की कामना की कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय के प्रबंधक हरिहर प्रसाद सिंह संचालन डॉ जनार्दन प्रसाद तिवारी ने किया। उक्त अवसर पर पीयूष कुमार सिंह धर्मेंद्र कुमार सिंह, रामजी तिवारी, राकेश सिंह, राधेश्याम तिवारी समेत सैकड़ों की संख्या में छात्र-छात्राएं शिक्षक अभिभावक मौजूद रहे।

दैनिक भास्कर

टॉप न्यूज़ | राज्य-शहर | DB ओरिजिनल | चुनाव

इस बार मेधावियों को मिलेंगे 24 स्वर्ण पदक: राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय का दीक्षांत समारोह 19 दिसंबर को, राज्यपाल मेधावियों को देंगी पदक

प्रयागराज (इलाहाबाद) शेयर

मुक्त विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में उपाधि के लिए पंजीकरण शुरू

पायनियर समाचार सेवा। प्रयागराज

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज में 19 दिसंबर को आयोजित होने वाले 17 वें दीक्षांत समारोह में उपाधि प्राप्त करने के लिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन का कार्य विश्वविद्यालय ने प्रारंभ कर दिया है। मुख्यालय सहित प्रदेश के सभी 12 क्षेत्रीय केंद्रों पर ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन की सुविधा दी जा रही है। पंजीयन व वेबसाइट समिति के समन्वयक डॉ संजय कुमार सिंह ने बताया कि 17 वें दीक्षांत समारोह में परीक्षा सत्र दिसंबर 2021 और जून 2022 में उत्तीर्ण छात्रों को उपाधियों का वितरण किया जाएगा। दोनों सत्रों में उत्तीर्ण परीक्षार्थी

विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड किए गए नामांकन पत्र को पूरी तरह से भरकर अपना नामांकन करा सकते हैं। उन्होंने बताया कि छात्र यथाशीघ्र विश्वविद्यालय की वेबसाइट से नामांकन पत्र में अपना विस्तृत विवरण पूरित कर दें। जिससे उनकी उपाधियां समय के पूर्व तैयार कराई जा सकें। डॉ सिंह ने बताया कि उपाधि प्राप्त करने वाले छात्रों की सूची विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध है। मीडिया प्रभारी डॉ प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि कुलपति प्रो सीमा सिंह ने मंगलवार को दीक्षांत समारोह की तैयारी की समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिया कि प्रदेश के 12 क्षेत्रीय केंद्रों प्रयागराज लखनऊ बरेली वाराणसी गोरखपुर झांसी आगरा कानपुर अयोध्या मेरठ आजमगढ़ तथा नोएडा आदि केंद्रों के छात्रों को न केवल दीक्षोत्सव से जोड़ा जाए बल्कि सत्र दिसंबर 2021 और जून 2022 की परीक्षा में उत्तीर्ण छात्रों का अधिक से अधिक संख्या में नामांकन सुनिश्चित कराया जाए। जिससे वह दीक्षांत समारोह में अपने विश्वविद्यालय में आकर डिग्री प्राप्त कर सकें।

दैनिक जागरण

मुवि के दीक्षा समारोह में उपाधि के लिए पंजीकरण

जासं, प्रयागराज: उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय ने 19 दिसंबर को प्रस्तावित 17वें दीक्षांत समारोह में उपाधि प्राप्त करने के लिए आनलाइन पंजीकरण शुरू कर दिया है। मुख्यालय सहित प्रदेश के सभी 12 क्षेत्रीय केंद्रों पर आनलाइन रजिस्ट्रेशन की सुविधा दी गई है। पंजीयन व वेबसाइट समिति के समन्वयक डा. संजय कुमार सिंह ने बताया कि 17वें दीक्षा समारोह में परीक्षा सत्र दिसंबर 2021 और जनवरी 2022 में उत्तीर्ण छात्रों को उपाधियों का वितरण किया जाएगा।

संजय सिंह ने बताया कि छात्र यथाशीघ्र विश्वविद्यालय की वेबसाइट से नामांकन पत्र में अपना विस्तृत विवरण पूरित कर दें, जिससे उनकी उपाधियां समय के पूर्व तैयार कराई जा सकें। उपाधि प्राप्त करने वाले छात्रों की सूची विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध है। मीडिया प्रभारी डा. प्रभात चंद्र मिश्र ने बताया कि कुलपति प्रो. सीमा सिंह ने मंगलवार को दीक्षांत समारोह की तैयारी की समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिया कि प्रदेश के 12 क्षेत्रीय केंद्रों प्रयागराज, लखनऊ, बरेली, वाराणसी, गोरखपुर, झांसी, आगरा, कानपुर, अयोध्या, मेरठ, आजमगढ़ तथा नोएडा आदि केंद्रों के छात्रों को न केवल दीक्षोत्सव से जोड़ा जाए और उत्तीर्ण छात्रों का अधिक से अधिक संख्या में नामांकन सुनिश्चित कराया जाए।

कोरोना के कारण दूरस्थ शिक्षा का बढ़ा क्रेज

- मौजूदा सत्र में अलग-अलग कोर्सों में सर्वाधिक 66.5 हजार ने लिया प्रवेश
- मुक्त विश्वविद्यालय की स्थापना से अब तक सबसे ज्यादा हुए हैं प्रवेश

■ अनिकेत यादव

प्रयागराज। कोविड के बाद सोशल डिस्टेंसिंग बढ़ी तो शैक्षणिक तौर तरीके में बदलाव सामने आया। कोरोना के कारण दूरस्थ शिक्षा का क्रेज बढ़ गया। इसकी बानगी उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के शैक्षिक सत्र 2022-23 में हुए दाखिले में देखने को मिल रही है। पहली बार अलग-अलग पाठ्यक्रमों में 66,570 प्रवेश हुए हैं। विश्वविद्यालय के स्थापना से अब तक इतनी संख्या में प्रवेश नहीं हुए थे।

खास बात यह है कि विभिन्न पाठ्यक्रमों में तकरीबन 43 हजार विद्यार्थियों ने प्रथम वर्ष में प्रवेश लिया है। विश्वविद्यालय में कुल 123 पाठ्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। इन पाठ्यक्रमों में अब तक 66570 प्रवेश हो चुके हैं। इस बार विशिष्ट बीएड में प्रवेश नहीं हुआ है। सूबे के 12 क्षेत्रीय अध्ययन केंद्र और 1300 अध्ययन केंद्रों पर प्रवेश लिए गए। आंकड़ों पर गौर करें तो शैक्षिक सत्र 2020-21 में कुल 43 हजार प्रवेश हुए थे। शैक्षिक सत्र 2021-22 में यह प्रवेश बढ़कर तकरीबन 56500 हो गया। मौजूदा सत्र में तकरीब दस हजार छात्रों की संख्या बढ़ गई है।

प्रमुख पाठ्यक्रमों में हुए प्रवेश

बीए: 17586	2712	अर्थशास्त्र: 2059
संस्कृत: 6345	हिन्दी: 3245	एमकॉम: 1132
इतिहास: 1815	अंग्रेजी: 1690	बीएससी: 1692
राजनीति विज्ञान:	समाजशास्त्र: 2658	

"दूरस्थ शिक्षा की ओर विद्यार्थियों का रूझान बढ़ा है। स्थापना के बाद पहली बार 66500 से ज्यादा विद्यार्थियों ने प्रवेश लिए हैं। पिछले दो वर्षों से छात्रों संख्या में लगातार वृद्धि हो रही है।

प्रो. सीमा सिंह, कुलपति, मुक्त विश्वविद्यालय।

द्वितीय एवं तृतीय वर्ष में दाखिले की बढ़ी तिथि

मुक्त विश्वविद्यालय के सत्र जुलाई 2022- 23 के लिए विभिन्न कार्यक्रमों के द्वितीय एवं तृतीय वर्ष के छात्रों के लिए प्रवेश की तिथि 5 दिसंबर तक बढ़ा दी गई है। यह निर्णय कुलपति प्रो. सीमा सिंह ने लिया है। प्रवेश प्रभारी डॉ. ज्ञान प्रकाश यादव ने प्रवेश की पहले अंतिम तिथि 28 नवंबर थी।

शरीर, मन एवं आत्मा को नियंत्रित करना है योग: प्रो. संजीत

संदेश वाहक ब्यूरो

गोरखपुर। योग शारीरिक व्यायाम केवल नहीं है बल्कि यह शरीर, मन एवं आत्मा को नियंत्रित करने में सहायता करता है। योग द्वारा शरीर और मन को शांत करने के लिए यह शारीरिक और मानसिक अनुशासन का एक संतुलन बनाता है। जिसके द्वारा शरीर की प्रतिरोधक क्षमता में वृद्धि होती है और मानसिक तनाव को भी दूर करता है। उक्त विचार प्रो0 संजीत कुमार गुप्ता ने उ0 प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के क्षेत्रीय केन्द्र, गोरखपुर द्वारा आयोजित तीन दिवसीय योग प्रशिक्षण एवं पाठ्यक्रम जागरूकता शिविर के उद्घाटन के अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में व्यक्त किया।

प्रो0 गुप्त ने कहा कि योग द्वारा हमें अपनी बुराइयों को दमन करना है।

समाज में अच्छाई का प्रसार करना है। भारत से चलने वाली योग परम्परा को पूरे विश्व में 21 जून को मनाया जा रहा है। विश्व की समस्याओं का समाधान करने की शक्ति योग में है। इस अवसर पर क्षेत्रीय समन्वयक डॉ0 प्रवीण कुमार ने बताया कि कुलपति प्रो0 सीमा सिंह के मार्गदर्शन में उ0 प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय पूरे प्रदेश में क्षेत्रीय केन्द्रों के माध्यम से जन-जन में योग के प्रति जागरूकता उत्पन्न करने के लिए योग प्रशिक्षण एवं पाठ्यक्रम जागरूकता शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। जिसका उद्देश्य प्रदेश में योग्य योग प्रशिक्षक तैयार करना है, जो योग के विभिन्न पद्धतियों से प्रशिक्षित हों। समाज में शारीरिक, मानसिक, सामाजिक और आध्यात्मिक उन्नति में अपना योगदान दे सकें। इन्हीं को उद्देश्यों को ध्यान में रखकर प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जा रहा है।

अमित कुमार सिंह, सहायक आचार्य, ने बताया कि तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर में छात्र-छात्राओं को योग पाठ्यक्रम के बारे में विस्तार से जानकारी दी जायेगी और योग प्रशिक्षण भी प्रदान किया जायेगा। प्रशिक्षण के प्रथम दिवस योग का इतिहास एवं उसकी परम्परा को बताते हुए, प्राचीन ऋषियों के योगदान को बताया। साथ ही योग की प्रयोगात्मक क्रियाएं सूक्ष्म योग, सूर्य नमस्कार एवं मंत्र योग के अभ्यास कराये गये। इस अवसर पर क्षेत्रीय केन्द्र गोरखपुर से संबंधित विभिन्न अध्ययन केन्द्रों के प्रशिक्षार्थी ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम में सुनील चन्द्रा, अमृता उपाध्याय, रामानन्द प्रजापति, रवि कुमार, सूर्य प्रकाश, निर्भय नारायण सिंह, रामरतन की सक्रिय सहभागिता रही।

योग को जन-जन तक पहुंचाने का लिया संकल्प

■ **एनबीटी, आशियाना :** उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विवि के वृंदावन कॉलोनी स्थित क्षेत्रीय केंद्र में चल रहे योग प्रशिक्षण एवं पाठ्यक्रम जागरूकता कार्यक्रम के अंतिम दिन शुक्रवार को विद्यार्थियों ने योग ज्ञान को लेकर जागरूकता रैली निकाली। इस बीच विद्यार्थियों ने संकल्प लिया है कि वह अपने प्राचीन भारतीय योग ज्ञान को जन-जन तक पहुंचाएंगे। कार्यक्रम में क्षेत्रीय समन्वयक डॉ.निरांजलि सिन्हा ने बताया कि इन तीन दिनों में शिक्षार्थियों को कर्मयोग का प्रयोगात्मक कराया गया, साथ ही हठ योग मे नेति, धौति, सूर्य नमस्कार, पद्म साधना, मंत्र योग के भी अभ्यास कराए गए। दूसरी ओर वृंदावन योजना स्थित एसकेडी डिग्री कॉलेज में शुक्रवार को तीन दिवसीय क्रिया योग और मेडिटेशन कैंप 'चैतन्य' की शुरुआत हुई।

मुक्त चिन्तन
News Letter

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज
उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

मुक्त विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केन्द्र, गोरखपुर पर तीन दिवसीय योग प्रशिक्षण एवं पाठ्यक्रम जागरूकता शिविर का समापन

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केंद्र गोरखपुर में दिनांक 05–07 दिसम्बर 2022 से योग प्रशिक्षण एवं पाठ्यक्रम जागरूकता से संबंधित शिक्षार्थियों के लिए चलाये जा रहे तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन सत्र का आयोजन हुआ। समापन सत्र के मुख्य वक्ता डॉ ए0 के0 सिंह, पूर्व कुलसचिव, उ0 प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज रहे।

गोरखपुर क्षेत्रीय केन्द्र समन्वयक श्री प्रवीन कुमार ने बताया कि विश्वविद्यालय की मा0 कुलपति प्रो0 सीमा सिंह के निर्देशन में पूरे प्रदेश में इस प्रकार के योग प्रशिक्षण शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। जिसके माध्यम से योग प्रशिक्षकों की श्रृंखला तैयार किया जा सके। इस कार्यक्रम में लगातार तीन दिनों तक अमित सिंह ने शिक्षार्थियों को योग के बारे में विस्तार से बताया तथा योग से होने वाले शारीरिक, मानसिक एवं आत्मिक लाभों को बताया। जिसमें योग के साथ–साथ कर्म योग की प्रयोगात्मक विशेषताओं से छात्रों को परिचित कराया गया। साथ ही योग में नेति, धौति, सूर्यनमस्कार पद्म साधना, मंत्र योग के अभ्यास कराये गये। विद्यार्थियों ने प्राचीन भारतीय योग के ज्ञान को जन–जन तक पहुँचाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के समापन के समय सभी गुरूओं का आह्वान कर गुरूपूजा की गई। छात्रों में सामूहिक प्रसाद वितरण भी किया गया। इस अवसर पर क्षेत्रीय केन्द्र गोरखपुर से संबंधित विभिन्न अध्ययन केन्द्रो के प्रशिक्षार्थी ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम में डॉ0 विकास श्रीवास्तव, सुनील चन्द्रा, अमृता उपाध्याय, रामानन्द प्रजापति, रवि कुमार, निर्भय नाराण सिंह, रामजतन की सक्रिय सहभागिता रही।

मुख्य वक्ता डॉ ए0 के0 सिंह कु पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत करते हुए योग प्रशिक्षक श्री अमित कुमार सिंह

काय्रकम का संचालन करते हुए गोरखपुर क्षेत्रीय केन्द्र समन्वयक श्री प्रवीन कुमार

छात्र–छात्राओं को योगाभ्यास कराते हुए योग प्रशिक्षक श्री अमित कुमार सिंह

योग से जीवन की गुणवत्ता में होगी वृद्धि – डॉ0 ए0 के0 सिंह

डॉ ए0 के0 सिंह

योग स्वयं के साथ, विश्व के साथ, प्रकृति के साथ जुड़ने का एक माध्यम है। योग के माध्यम से शरीर के सामंजस्य को ठीक रखा जा सकता है। योग से शरीर और मन दोनों को सेहतमंद बनाए रखा जा सकता है। इसलिए हमें अपनी दिनचर्या में योगासनों को शामिल करना चाहिए। उक्त वक्तव्य डॉ ए0 के0 सिंह, पूर्व कुलसचिव, उ0 प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज ने क्षेत्रीय केन्द्र, गोरखपुर द्वारा विंध्यवासिनी पार्क स्थित योग केन्द्र मे बुधवार को योग प्रशिक्षण एवं पाठ्यक्रम जागरूकता से संबंधित शिक्षार्थियों के लिए चलाये जा रहे तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन अवसर पर कहा। डॉ0 सिंह ने आगे कहा कि योगासन शरीर में ऊर्जा के स्तर में वृद्धि करता है एवं मन को शांत करता है। इसके माध्यम से आपके जीवन की गुणवत्ता में वृद्धि होगी। आप अपने लक्ष्य के प्रति अधिक एकाग्र हो सकेंगे। आपका समग्र स्वास्थ्य बेहतर होगा। इस अवसर पर क्षेत्रीय समन्वयक डॉ0 प्रवीण कुमार ने कहा कि वैसे योगासन सामान्यतः सुरक्षित रहते है। फिर भी यदि इसे गलत तरह से अभ्यास करते हैं, तो इससे शारीरिक कष्ट उत्पन्न हो सकता है। इसलिए योग करते समय इसका सही तरीके से किसी गुरू के निर्देशन में अभ्यास किया जाना आवश्यक है।

आज

भारत खाने वाले तेलके लिए बाहरी देशोंपर निर्भर

मुझे सांवली और काली बिल्ली कहा गया-प्रियंका चोपड़ा

आज गोरखपुर

गोरखपुर, गुरुवार ८ दिसम्बर, २०२२

योग से जीवन की गुणवत्ता में होगी वृद्धि- डॉ.ए.के.सिंह

राष्ट्रीय सहारा

अपना शहर गोरखपुर

योग से जीवन की गुणवत्ता में होगी वृद्धि : डॉ. एके सिंह

गोरखपुर (एसएनबी)। योग स्वयं के साथ, विश्व के साथ प्रकृति से जुड़ने का एक माध्यम है। योग से शरीर एवं मन दोनों को सेहतमंद बनाए रखा जा सकता है तथा जीवन की गुणवत्ता में वृद्धि होती है। इसलिए योग को अपनी दिनचर्या में सभी को शामिल करना चाहिये। यह बातें डॉ. एके सिंह पूर्व कुलसचिव राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज ने क्षेत्रीय केंद्र गोरखपुर द्वारा विंध्यवासिनी पार्क स्थित योग केंद्र में बुधवार को योग प्रशिक्षण एवं पाठ्यक्रम जागरूकता से सम्बन्धित शिक्षार्थियों के लिए चलाये जा रहे तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन अवसर पर कहीं। इस कार्यक्रम में लगातार तीन दिनों तक अमित सिंह ने योग के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए प्रयोगात्मक क्रियाओं से अवगत कराया तथा लाभ की जानकारी दी। इस दौरान योग में नेति, धौति, सूर्यनमस्कार, पद्मसाधना, मंत्र योग के अभ्यास कराये गये। इस अवसर पर क्षेत्रीय केंद्र गोरखपुर से सम्बन्धित विभिन्न अध्ययन केंद्रों के प्रशिक्षणार्थी ने प्रतिभाग किया।

योग से जीवन की गुणवत्ता में होगी वृद्धि

गोरखपुर। योग स्वयं के साथ, विश्व के साथ, प्रकृति के साथ जुड़ने का एक माध्यम है। योग के माध्यम से शरीर के सामंजस्य को ठीक रखा जा सकता है। योग से शरीर और मन दोनों को सेहतमंद बनाए रखा जा सकता है। इसलिए हमें अपनी दिनचर्या में योगासनों को शामिल करना चाहिए। ये बातें उप्र राजर्षि टंडन मुक्त विवि के पूर्व कुलसचिव डॉ. एके सिंह ने कही। वे मुक्त विवि के गोरखपुर क्षेत्रीय केन्द्र की ओर से विंध्यवासिनी पार्क स्थित योग केन्द्र में आयोजित तीन दिवसीय योग प्रशिक्षण शिविर के समापन कार्यक्रम को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे।

दीक्षोत्सव सप्ताह

मुक्त विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केंद्र लखनऊ में काव्य लेखन, निबंध लेखन एवं चित्र कला प्रतियोगिता का आयोजन

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज द्वारा आयोजित दीक्षोत्सव सप्ताह (दिनांक 09 दिसम्बर, 2022 से दिनांक 16 दिसम्बर, 2022) के अन्तर्गत क्षेत्रीय केंद्र लखनऊ में दिनांक 09 दिसंबर, 2022 को काव्य लेखन, निबंध लेखन, व चित्र कला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। निबंध लेखन काव्य लेखन व चित्रकला का विषय– मेरे सपनो का भारत, पर्यावरण संरक्षण, उपनिषद से उपग्रह तक हमारा सफर एवं बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ। सभी प्रतिभागियो ने उत्साह के साथ प्रतिभागिता की।

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

मुक्त चिन्तन News Letter

॥ सरस्वती नः सुभगा मयस्करत् ॥

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

दैनिक जागरण की पहल पर मुक्त विश्वविद्यालय ने ली सुरक्षित यातायात की शपथ

आज़ादी का अमृत महोत्सव

दैनिक जागरण

इन दौड़ती भागती

सड़कों पर...

निर्माण, सुविधा और सुरक्षा की समीक्षा

शपथ ग्रहण कार्यक्रम

दिनांक :– 9 दिसम्बर 2022

शपथ पत्र

मैं शपथ लेता हूं/लेती हूं, कि...

- सड़क पर वाहन चलाने से पहले सभी सुरक्षा संबंधी बातों का ध्यान रखूंगा/रखूंगी...
- यातायात नियमों का हमेशा खुद और अपने परिजनों से पालन करवाऊंगा/करवाऊंगी..
- दो पहिया वाहन चलाते समय हमेशा हेल्मेट पहनूंगा/पहनूंगी...
- कार चलाते समय हमेशा सीट बेल्ट लगाऊंगा/लगाऊंगी...
- कभी भी शराब पीकर गाड़ी नहीं चलाऊंगा/चलाऊंगी...
- वाहन चलाते समय कभी भी मोबाइल फोन पर बात नहीं करूंगा/करूंगी...
- मैं हमेशा एंबुलेंस और फायर ब्रिगेड गाड़ियों को पहले जाने के लिए रास्ता दूंगा/दूंगी...
- सड़क दुर्घटना पीड़ितों की मदद करने के लिए सदैव तत्पर रहूंगा/रहूंगी..

जय हिंद–जय भारत

पढ़ते रहिए

दैनिक जागरण

दैनिक जागरण के राष्ट्रव्यापी महाअभियान के अन्तर्गत सुरक्षित यातायात के लिए दिनांक 09 दिसम्बर, 2022 को उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज में पूर्वाह्न 11:00 बजे शपथ ग्रहण का आयोजन किया गया। इस अवसर कुलसचिव प्रो0 पी0पी0 दुबे ने शपथ दिलाई। शपथ ग्रहण समारोह में विश्वविद्यालय के अधिकारी, निदेशक, शिक्षक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

मुक्त चिन्तन 09 दिसम्बर, 2022

दैनिक जागरण के राष्ट्रव्यापी महाअभियान के अन्तर्गत सुरक्षित यातायात के लिए शपथ ग्रहण करते हुए विश्वविद्यालय के अधिकारी, निदेशक, शिक्षक एवं कर्मचारी

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

मुक्त चिन्तन

News Letter

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

मुक्त चिन्तन 09 दिसम्बर, 2022

मुक्त विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केंद्र मेरठ में दीक्षोत्सव सप्ताह के अन्तर्गत विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन

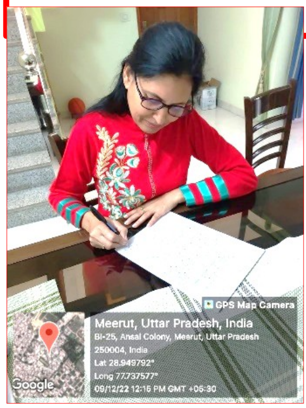

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज द्वारा आयोजित दीक्षोत्सव सप्ताह (दिनांक 09 दिसम्बर, 2022 से दिनांक 16 दिसम्बर, 2022) के अन्तर्गत क्षेत्रीय केंद्र मेरठ के दिनांक 09 दिसम्बर, 2022 को रघुनाथ पीजी कॉलेज, मेरठ में काव्य लेखन एवं काव्य पाठ प्रतियोगिता कराया गया जिसमें कुमारी तनु शर्मा, कुमारी आरती चौधरी, कुमारी शिल्पी, धर्मेंद्र, कुमारी रेनू ने प्रतिभाग किया। क्षेत्रीय केन्द्र मेरठ की क्षेत्रीय केन्द्र समन्वयक डॉ0 पूनम गर्ग ने बताया कि उक्त प्रतियोगिता में कुमारी शिल्पी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। निर्णायक मंडल में डॉ0 कुमकुम पारीक, डॉ0 नीलम सिंह, डॉ0 अनुराधा उपस्थित रही।

मुक्त विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केंद्र अयोध्या में दीक्षोत्सव सप्ताह के अन्तर्गत विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज द्वारा आयोजित दीक्षोत्सव सप्ताह (दिनांक 09 दिसम्बर, 2022 से दिनांक 16 दिसम्बर, 2022) के अन्तर्गत क्षेत्रीय केंद्र अयोध्या में दिनांक 09 दिसम्बर, 2022 को विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिता आयोजित की गयी। इस अवसर पर अयोध्या क्षेत्रीय केन्द्र के समन्वयक डॉ0 शशि भूषण राम त्रिपाठी के निर्देशन में कार्यक्रम सम्पन्न हुए।

मुक्त विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केंद्र झॉसी में दीक्षोत्सव सप्ताह के अन्तर्गत विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज द्वारा आयोजित दीक्षोत्सव सप्ताह (दिनांक 09 दिसम्बर, 2022 से दिनांक 16 दिसम्बर, 2022) के अन्तर्गत क्षेत्रीय केंद्र झॉसी में दिनांक 10 दिसम्बर, 2022 को विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिता आयोजित की गयी। इस अवसर पर झॉसी क्षेत्रीय केन्द्र की समन्वयक डॉ0 रेखा त्रिपाठी के निर्देशन में कार्यक्रम सम्पन्न हुए।

दिनांक 10 दिसम्बर, 2022 को क्षेत्रीय केंद्र झॉसी में मानवाधिकार दिवस के अवसर पर उपस्थित छात्रों को चर्चा किया एवं सभी को स्लोगल देकर संदेश दिया कि अपने अधिकारों को जानो और उसके लिए लड़ो।

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

मुक्त चिन्तन News Letter

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

मुक्त चिन्तन 10 दिसम्बर, 2022

मुक्त विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केंद्र बरेली में दीक्षोत्सव सप्ताह के अन्तर्गत विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन

क्षेत्रीय कार्यालय, बरेली पर दीक्षोत्सव सप्ताह का शुभारम्भ मां सरस्वती जी तथा भारत रत्न राजर्षि पुरूषोत्तम दास टण्डन के चित्र पर माल्यार्पण तथा दीप प्रज्वलित करके किया गया।

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज द्वारा आयोजित दीक्षोत्सव सप्ताह (दिनांक 09 दिसम्बर, 2022 से दिनांक 16 दिसम्बर, 2022) के अन्तर्गत क्षेत्रीय केंद्र बरेली में दिनांक 10 दिसम्बर, 2022 को विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिता आयोजित की गयी। इस अवसर पर बरेली क्षेत्रीय केन्द्र के समन्वयक डॉ0 आर.बी. सिंह के निर्देशन में कार्यक्रम सम्पन्न हुए।

मुक्त विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केंद्र आगरा में दीक्षोत्सव सप्ताह के अन्तर्गत विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज द्वारा आयोजित दीक्षोत्सव सप्ताह (दिनांक 09 दिसम्बर, 2022 से दिनांक 16 दिसम्बर, 2022) के अन्तर्गत क्षेत्रीय केंद्र आगरा में दिनांक 09 दिसम्बर, 2022 को कैरम, चेस एवं निबन्ध की प्रतियोगिता आयोजित की गयी। इस अवसर पर आगरा क्षेत्रीय केन्द्र की समन्वयक डॉ0 रेखा सिंह के निर्देशन में कार्यक्रम सम्पन्न हुए।

निबंध एवं चित्रकला प्रतियोगिता

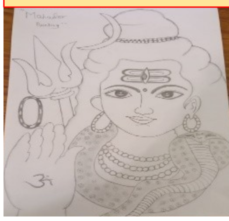

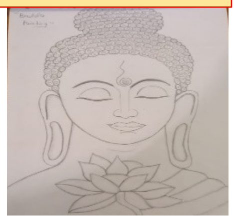

मुक्त विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केंद्र गोरखपुर में दीक्षोत्सव सप्ताह के अन्तर्गत विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज द्वारा आयोजित दीक्षोत्सव सप्ताह (दिनांक 09 दिसम्बर, 2022 से दिनांक 16 दिसम्बर, 2022) के अन्तर्गत क्षेत्रीय केंद्र गोरखपुर में दिनांक 11 दिसम्बर, 2022 को विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिता आयोजित की गयी। इस अवसर पर गोरखपुर क्षेत्रीय केन्द्र के समन्वयक श्री प्रवीन कुमार के निर्देशन में कार्यक्रम सम्पन्न हुए।

क्षेत्रीय केंद्र गोरखपुर पर काव्य निबंध लेखन प्रतियोगिता

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

स्वदेश
झांसी, रविवार, 11 दिसम्बर 2022
02

दीक्षांत समारोह में सम्मानित होंगे विजयी प्रतिभागी

झांसी। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केंद्र पर 10 से 13 दिसंबर तक दीक्षांत उत्सव का शुभारंभ किया गया। इसमें काव्य

epaper
हि हिन्दुस्तान
Share Copy url Save Font Size D'load Image Image Text Listen

राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के छात्रों को टैबलेट बांटे गए।

निशुल्क टैबलेट पाकर खिले चेहरे

बरेली। उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के क्षेत्रीय कार्यालय बरेली पर दीक्षोत्सव सप्ताह के तीसरे दिन खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। छात्रों ने कैरम बोर्ड, शतरंज, बैडमिंटन, वॉलीबॉल आदि खेलों में हिस्सा लिया। छात्र-छात्राओं को क्षेत्रीय समन्वयक डॉ. आरबी सिंह ने

टैबलेट पाकर खिले स्टूडेंट्स के चेहरे

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के क्षेत्रीय कार्यालय बरेली पर दीक्षोत्सव सप्ताह के तीसरे दिन छात्र-छात्राओं में खेल प्रतियोगिता को आयोजन किया गया जिसमें कैरम बोर्ड, शतरंज, बैडमिंटन, बालीबाल आदि खेलों का आयोजन हुआ. इसके बाद प्रथम सेमेस्टर के छात्र-छात्राओं को क्षेत्रीय समन्वयक डॉ. आरबी सिंह सरकार की तरफ निशुल्क टैबलेट बांटे गए. टैबलेट पाकर छात्र-छात्राओं के चेहरे खिल उठे. इस मौके पर जयंत सिंह, अखिलेश सिंह, राजेश तिवारी, सचिन गंगवार, दीपक सैनी आदि उपस्थित रहे.

अमर उजाला

दीक्षांत उत्सव में हुईं प्रतियोगिताएं

झांसी। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केंद्र पर दीक्षांत उत्सव का शुभारंभ हुआ। इसमें काव्य लेखन, निबंध लेखन, चित्रकला एवं भाषण प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। क्षेत्रीय समन्वयक डॉ. रेखा त्रिपाठी ने बताया कि विश्वविद्यालय की प्रतियोगिताओं में काफी संख्या में छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। विजयी प्रतिभागियों को राज्यपाल द्वारा सम्मानित किया जाएगा। इस दौरान लवकुश शुक्ला, सुधा देवी, सुरेंद्र कुमार, सचेंद्र, अब्दुल नोमान, मदीना अनस, सोनाली पटेल, नीलिमा सोनी, श्याम यादव आदि मौजूद रहे। ब्यूरो

News Letter
मुक्त चिन्तन
उ०प्र० राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज
उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित
मुक्त चिन्तन
11 दिसम्बर, 2022

मुक्त विश्वविद्यालय के छात्र–छात्राओं को टैबलेट वितरित किया किया गया

दिनांक 11 दिसम्बर, 2022 को उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के अध्ययन केन्द्र ईश्वर शरण डिग्री कालेज, प्रयागराज में परास्नातक के छात्र–छात्राओं को टैबलेट वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के मानविकी विद्याशाखा के निदेशक, प्रो. सत्यपाल तिवारी रहे। उक्त कार्यक्रम ईश्वर शरण डिग्री कालेज, प्रयागराज के प्राचार्य प्रो0 आनन्द शंकर सिंह के निर्देशन में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर अध्ययन केन्द्र समन्वयक डॉ0 मान सिंह, महाविद्यालय के शिक्षक, छात्र–छात्रायें आदि उपस्थित रहें।

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

मुक्त चिन्तन

News Letter

॥ सरस्वती नः सुभगा मयस्करत् ॥

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

मुक्त चिन्तन 12 दिसम्बर, 2022

मुक्त विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केंद्र नोएडा में दीक्षोत्सव सप्ताह के अन्तर्गत विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज द्वारा आयोजित दीक्षोत्सव सप्ताह (दिनांक 09 दिसम्बर, 2022 से दिनांक 16 दिसम्बर, 2022) के अन्तर्गत क्षेत्रीय केंद्र नोएडा में दिनांक 12 दिसम्बर, 2022 को निबंध तथा काव्य लेखन की प्रतियोगिता आयोजित की गयी। इस अवसर पर नोएडा क्षेत्रीय केन्द्र की समन्वयक डॉ0 कविता त्यागी के निर्देशन में कार्यक्रम सम्पन्न हुए।

काव्य लेखन में उमेश ठाकुर ने प्रथम, प्रतिमा यादव ने द्वितीय एवं आबिदा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। निबंध लेखन में श्वेता सिंह ने प्रथम, पंकज सिंह ने द्वितीय एवं अभिजीत पटेल ने तृतीय स्थान प्राप्त किया ।

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

मुक्त चिन्तन

News Letter

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

मुक्त चिन्तन 13 दिसम्बर, 2022

मुक्त विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केंद्रों पर दीक्षोत्सव का उल्लास

योग प्रशिक्षण से किया जा रहा जागरूक

खेलकूद में बढ़–चढ़कर प्रतिभाग कर रहे शिक्षार्थी

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के क्षेत्रीय केंद्र प्रयागराज में दिनांक 12–13 दिसम्बर, 2022 तक योग प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया। इस अवसर पर तीन दिवसीय योग प्रशिक्षण कार्यक्रम के द्वितीय दिन विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे छात्र–छात्राओं को आर्शीवचन दिया।

मॉ सरस्वती जी के चित्र पर माल्यार्पण करती हुई माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी।

छात्र–छात्राओं को षट्कर्म, सूक्ष्म योग, सूर्य नमस्कार, प्राणायाम, मंत्र योग और ध्यान के अभ्यास कराते हुए श्री अमित कुमार सिंह, सहायक आचार्य (योग)

सबका स्वास्थ्य – सबका विकास – प्रोफेसर सीमा सिंह

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के क्षेत्रीय केन्द्र द्वारा आयोजित तीन दिवसीय योग प्रशिक्षण कार्यक्रम के द्वितीय दिन विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने प्रशिक्षण प्राप्त

मुक्त चिन्तन 13 दिसम्बर, 2022

क्षेत्रीय केन्द्र प्रयागराज द्वारा परम्परागत खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन

बैडमिनटन खेल कर प्रतियोगिता का उद्घाटन करती हुई माननीया कुलपति सीमा सिंह जी

माननीया कुलपति जी को पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत करते हुए दीक्षोत्सव प्रतियोगिता के समन्वयक प्रो. जी.एस. शुक्ल एवं डॉ. अभिषेक सिंह, क्षेत्रीय समन्वयक प्रयागराज

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में दीक्षांत समारोह के पूर्व दीक्षोत्सव का उल्लास पूरे उत्तर प्रदेश में दिखाई दे रहा है। प्रदेश के सभी 12 क्षेत्रीय केंद्रों पर खेलकूद एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों की धूम मची है। प्रदेश के प्रयागराज, लखनऊ, बरेली, वाराणसी, गोरखपुर, झांसी, आगरा, कानपुर, मेरठ, नोएडा, आजमगढ़ तथा अयोध्या क्षेत्रीय केंद्रों में जोरदार प्रतिस्पर्धा दिखाई पड़ रही है। विश्वविद्यालय के शिक्षार्थी बढ़–चढ़कर इन प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग कर रहे हैं। सब की यही लालसा है कि सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के आधार पर उन्हें राज्यपाल एवं कुलाधिपति द्वारा सम्मानित किया जाए।

दीक्षोत्सव सप्ताह

विभिन्न प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग करते हुए छात्र–छात्रायें

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज द्वारा आयोजित दीक्षोत्सव सप्ताह (दिनांक 09 दिसम्बर, 2022 से दिनांक 16 दिसम्बर, 2022) के अन्तर्गत क्षेत्रीय केंद्र लखनऊ में दिनांक 13 दिसम्बर, 2022 को शतरंज, कैरम, खो खो बैडमिंटन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस अवसर पर लखनऊ क्षेत्रीय केन्द्र की समन्वयक डॉ0 निराजंली सिन्हा के निर्देशन में कार्यक्रम सम्पन्न हुए।

लखनऊ क्षेत्रीय केंद्र में रायबरेली, बाराबंकी, लखनऊ आदि जिलों के छात्रों ने प्रतिभागिता की

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

मुक्त चिन्तन

News Letter

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

मुक्त चिन्तन

13 दिसम्बर, 2022

दीक्षान्त सप्ताह के अन्तर्गत क्षेत्रीय केन्द्र प्रयागराज द्वारा भाषण प्रतियोगिता का आयोजन

दीक्षान्त सप्ताह के अन्तर्गत दीक्षोत्सव में आज दिनांक 13 दिसम्बर, 2022 को क्षेत्रीय केन्द्र वाराणसी क्षेत्र केंद्र के अंतर्गत आने वाले अध्ययन केंद्र के द्वारा निबंध लेखन काव्य लेखन चित्रकला खो–खो आदि प्रतियोगिताएं कराई गई जिसमें की काव्य लेखन में प्रथम स्थान मनमोहन कृष्ण एवं निबंध लेखन में काजल कुमारी चित्रकला में पल्लवी मिश्रा को एवं को खो खों में शत–शत कुमार सिंह को प्रथम स्थान प्राप्त हुआ। उक्त कार्यक्रम वाराणसी क्षेत्रीय केन्द्र के समन्वयक डॉ0 एस. के. सिंह के निर्देशन में सम्पन्न हुए।

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

मुक्त चिन्तन

News Letter

मुक्त चिन्तन

14 दिसम्बर, 2022

दीक्षान्त सप्ताह के अन्तर्गत क्षेत्रीय केन्द्र प्रयागराज द्वारा भाषण प्रतियोगिता का आयोजन

दीक्षान्त सप्ताह के अन्तर्गत दीक्षोत्सव में आज दिनांक 14 दिसम्बर, 2022 को क्षेत्रीय केन्द्र प्रयागराज द्वारा भाषण प्रतियोगिता का आयोजन (आन लाइन एवं ऑफ लाइन) यमुना परिसर में किया गया। उक्त कार्यक्रम प्रयागराज क्षेत्रीय केन्द्र के समन्वयक डॉ0 अभिषेक सिंह के निर्देशन में सम्पन्न हुए।

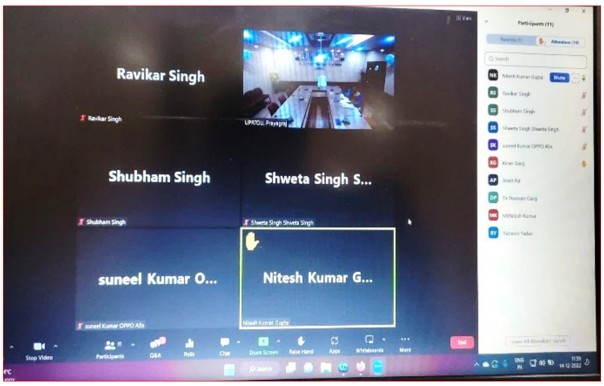

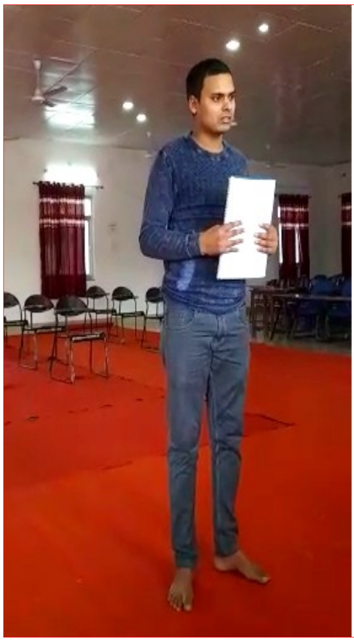

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

मुक्त चिन्तन

News Letter

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

मुक्त चिन्तन 14 दिसम्बर, 2022

foRr lfefr dh 50oha cSBd vk;ksftr

ekuuh;k dqyifr izks0 lhek flag

m0iz0 jktf"kZ V.Mu eqDr fo'ofo|ky;] iz;kxjkt }kjk foRr lfefr dh 50oha cSBd fnukad 14 fnlEcj] 2022 dks vijkg~~u 03%00 cts desVh d{k esa vkgwr dh xbZA cSBd dh v/;{krk izks0 lhek flag] ekuuh;k dqyifr] m0iz0 jktf"kZ V.Mu eqDr fo'ofo|ky;] iz;kxjkt us dhA cSBd esa dbZ egRoiw.kZ fu.kZ; fy, x;sA

foRr lfefr dh cSBd dh v/;{krk djrh gqbZ ekuuh;k dqyifr izks0 lhek flag th ,oa cSBd esa mifLFkr lnL;x.kA

cSBd esa izeq[k lfpo mPp f'k{kk] m0 iz0 'kklu dh vksj ls MkW0 ds-lh- oekZ] {ks=kh; mPp f'k{kk vf/kdkjh] iz;kxjkt] Jh ch-ds-flag] iwoZ vk;qDr] iz;kxjkt e.My] iz;kxjkt] lfpo] foRr foHkkx] m0 iz0 'kklu dks vksj ls Jh izeksn dqekj flag] vij fuuns'kd] isa'ku ,oa dks"kkxkj] iz;kxjkt] Jh 'kf'k Hkw"k.k flag rksej] foRr vf/kdkjh] m0iz0 jktf"kZ V.Mu eqDr fo'ofo|ky;] iz;kxjkt] izks0 ih0ih0 nqcs] dqylfpo] m0iz0 jktf"kZ V.Mu eqDr fo'ofo|ky;] iz;kxjkt ,oa Jh Mh-ih- flg] ijh{kk fu;a=kd] m0iz0 jktf"kZ V.Mu eqDr fo'ofo|ky;] iz;kxjkt mifLFkr jgsA

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

मुक्त चिन्तन

News Letter

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

मुक्त चिन्तन

14 दिसम्बर, 2022

दीक्षान्त सप्ताह के अन्तर्गत क्षेत्रीय केन्द्र आजमगढ़ द्वारा विभिन्न प्रतियोगिता का आयोजन

दीक्षान्त सप्ताह के अन्तर्गत दीक्षोत्सव में आज दिनांक 14 दिसम्बर, 2022 को क्षेत्रीय केन्द्र आजमगढ़ के अंतर्गत आने वाले अध्ययन केंद्र के द्वारा निबंध लेखन काव्य लेखन चित्रकला, शतरंज, कैरम, खो खो, बैडमिंटन आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। उक्त कार्यक्रम आजमगढ़ क्षेत्रीय केन्द्र के समन्वयक डॉ0 श्याम दत्त दुबे के निर्देशन में सम्पन्न हुए।

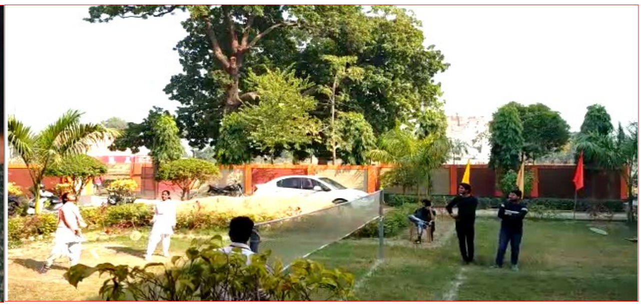

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

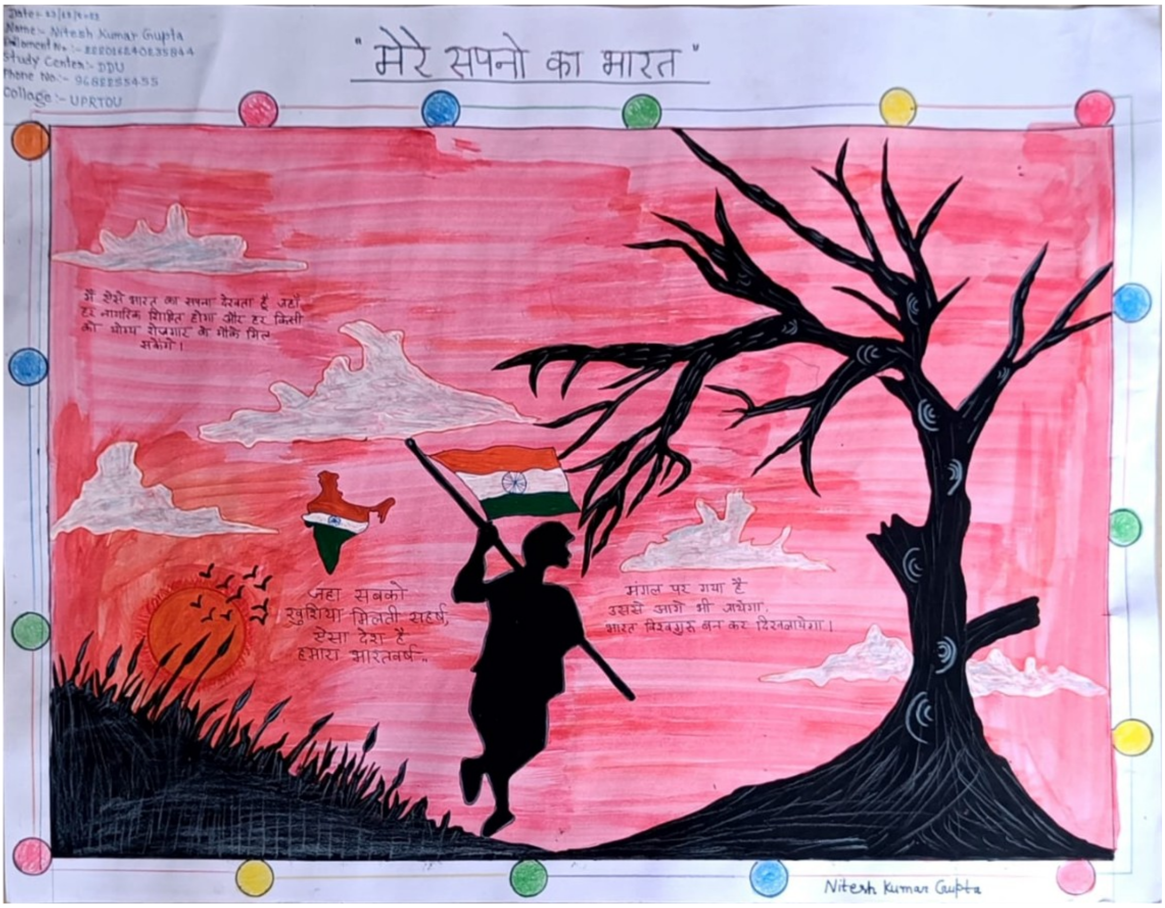

मुक्त चिन्तन
News Letter
उ०प्र० राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज
उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित
मुक्त चिन्तन
16 दिसम्बर, 2022

मुविवि के दीक्षोत्सव सांस्कृतिक कार्यक्रम में काली महिमा की मनमोहक प्रस्तुति

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में शुक्रवार दिनांक 16 दिसम्बर, 2022 को दीक्षोत्सव सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। दीक्षोत्सव सांस्कृतिक कार्यक्रम की मुख्य अतिथि किन्नर अखाड़ा की महामंडलेश्वर एवं उत्तर प्रदेश किन्नर कल्याण बोर्ड की सदस्य कौशल्या नंद गिरी टीना मां रही तथा अध्यक्षता विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी ने की।

किन्नर अखाड़ा के कलाकारों रोहित काली एवं नगमानंद गिरि ने काली नृत्य एवं देवी नंद गिरि एवं प्रतिमा नंदगिरी ने सोहर गीत प्रस्तुत किए।
प्रारंभ में मुख्य अतिथि टीना मां एवं कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने दीप प्रज्ज्वलन कर सांस्कृतिक कार्यक्रम का उद्घाटन किया। अतिथियों का स्वागत संयोजक प्रोफेसर जी एस शुक्ल ने किया। इस अवसर पर सौम्या एवं वैष्णवी ने गणेश वंदना, आयुषी

समारोह का संचालन करते हुए
डॉ त्रिविक्रम तिवारी

अतिथियों का स्वागत करते हुए
संयोजक प्रोफेसर जी एस शुक्ल

राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में शुक्रवार को दीक्षोत्सव सांस्कृतिक कार्यक्रम में दीप्ति योगेश्वर एंड टीम द्वारा योग नृत्य की प्रस्तुति।

कलाकारों की मोहक प्रस्तुती

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

मुक्त चिन्तन

प्रतिभागियों को सम्मानित करती हुई माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह एवं मुख्य अतिथि महामंडलेश्वर कौशल्या नंद गिरी टीना मां

मुक्त चिन्तन

दीक्षोत्सव सांस्कृतिक कार्यक्रम की मुख्य अतिथि किन्नर अखाड़ा की महामंडलेश्वर एवं उत्तर प्रदेश किन्नर कल्याण बोर्ड की सदस्य कौशल्या नंद गिरी टीना मां ने कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय ने जिस तरह किन्नरों की शिक्षा के लिए कदम बढ़ाया है उसके लिए किन्नर कल्याण बोर्ड विश्वविद्यालय के साथ मिलकर कार्य करेगा।

अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने कहा कि सांस्कृतिक उत्सव से रचना धर्मिता बढ़ती है। इन उत्सवों से भारतीय संस्कृति को समझने का अवसर मिलता है। उन्होंने किन्नर अखाड़ा की महामंडलेश्वर कौशल्या नंद गिरी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके सहयोग से विश्वविद्यालय में आज काली नृत्य की इतनी सुंदर प्रस्तुति संभव हो सकी।

धन्यवाद ज्ञापन करती हुई डॉ दीप्ति श्रीवास्तव

संस्करण : प्रयागराज
वर्ष : 08
अंक :282
पृष्ठ : 12
मूल्य : 5.0
शनिवार,17 दिसंबर 2022

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक www.pratahkalexpress.in

प्रातःकाल एक्सप्रेस

सच से रूबरू

प्रयागराज से प्रकाशित एवं कौशाम्बी, प्रतापगढ़, अयोध्या, लखनऊ, वाराणसी, मिर्जापुर, सोनभद्र, झांसी, बिजनौर में प्रसारित

मुविवि के दीक्षोत्सव सांस्कृतिक कार्यक्रम में काली नृत्य की धूम

प्रातःकाल एक्सप्रेस

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में शुक्रवार को दीक्षोत्सव सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। किन्नर अखाड़ा की कलाकार रोहित काली ने जब काली नृत्य का प्रदर्शन किया तो पूरा हाल काली मां के जयकारों से गूंज उठा। दीक्षोत्सव सांस्कृतिक कार्यक्रम की मुख्य अतिथि किन्नर अखाड़ा की महामंडलेश्वर एवं उत्तर प्रदेश किन्नर कल्याण बोर्ड की सदस्य कौशल्या नंद गिरी टीना मां ने कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय ने जिस तरह किन्नरों की शिक्षा के लिए कदम बढ़ाया है उसके लिए किन्नर कल्याण बोर्ड विश्वविद्यालय के साथ मिलकर कार्य करेगा। किन्नर अखाड़ा के कलाकारों रोहित काली एवं नगमानंद गिरि ने काली नृत्य एवं देवी नंद गिरि एवं प्रतिमा नंदगिरी ने सोहर गीत प्रस्तुत किए।

प्रारंभ में मुख्य अतिथि टीना मां एवं कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने दीप प्रज्ज्वलन कर सांस्कृतिक कार्यक्रम का उद्घाटन किया। अतिथियों का स्वागत संयोजक प्रोफेसर जी एस शुक्ल ने किया। इस अवसर पर सौम्या एवं वैष्णवी ने गणेश वंदना, आयुषी यादव ने एकल नृत्य, दीप्ति योगेश्वर एवं उनकी टीम ने बाल श्रम पर प्रहार करती हुई झांकी प्रस्तुत की। रुचि गुप्ता एवं आरना गुप्ता ने योगनृत्य की प्रस्तुति की। चांदनी एवं उनकी टीम द्वारा कालबेलिया राजस्थानी लोक नृत्य प्रस्तुत किया गया। आंचल अग्रवाल ने राजस्थानी लोक नृत्य प्रस्तुत किया। अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने कहा कि सांस्कृतिक उत्सव से रचना धर्मिता बढ़ती है। इन उत्सवों से भारतीय संस्कृति को समझने का अवसर मिलता है। उन्होंने किन्नर अखाड़ा की महामंडलेश्वर कौशल्या नंद गिरी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके सहयोग से विश्वविद्यालय में आज काली नृत्य की इतनी सुंदर प्रस्तुति संभव हो सकी। समारोह का संचालन डॉ त्रिविक्रम तिवारी एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ दीप्ति श्रीवास्तव ने किया। इस अवसर पर सभी प्रतिभागियों को कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह एवं मुख्य अतिथि महामंडलेश्वर कौशल्या नंद गिरी टीना मां ने सम्मानित किया।

अमर उजाला 75

अमर उजाला

महानगर
वर्ष 26 | अंक 182 | पृष्ठ : 16 | मूल्य : सात रुपये

प्रयागराज
शनिवार, 17 दिसंबर 2022

सांस्कृतिक उत्सवों से बढ़ती है रचनाधर्मिता

मुविवि के दीक्षोत्सव सांस्कृतिक कार्यक्रम में काली नृत्य की प्रस्तुति ने किया मंत्रमुग्ध

संवाद न्यूज एजेंसी

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में शुक्रवार को दीक्षोत्सव सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। किन्नर अखाड़ा की रोहित काली के नृत्य की प्रस्तुति पर सभागार मां काली के जयकारों से गूंज उठा।

मुख्य अतिथि किन्नर अखाड़ा की महामंडलेश्वर एवं यूपी किन्नर कल्याण बोर्ड की सदस्य कौशल्या नंद गिरी ने कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय ने किन्नरों की शिक्षा के लिए कदम बढ़ाया है।

किन्नर कल्याण बोर्ड विश्वविद्यालय के साथ मिलकर कार्य करेगा। किन्नर अखाड़ा के कलाकारों रोहित काली एवं नगमानंद गिरि ने काली नृत्य एवं देवी नंद गिरि व प्रतिमा नंदगिरी ने सोहर गीत प्रस्तुत किए।

इससे पूर्व मुख्य अतिथि एवं कुलपति प्रो. सीमा सिंह ने दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया।

स्वागत संयोजक प्रो. जीएस शुक्ल ने किया। इस अवसर पर सौम्या एवं वैष्णवी ने गणेश वंदना, आयुषी यादव ने एकल नृत्य, दीप्ति योगेश्वर एवं उनकी टीम ने बाल श्रम पर प्रहार करती हुई झांकी प्रस्तुत की। अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. सीमा सिंह ने कहा कि सांस्कृतिक उत्सव से रचनाधर्मिता बढ़ती है। इन उत्सवों से भारतीय संस्कृति को समझने का अवसर मिलता है।

संचालन डॉ. त्रिविक्रम तिवारी एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ. दीप्ति श्रीवास्तव ने किया। इस अवसर पर सभी प्रतिभागियों को कुलपति प्रो. सीमा सिंह एवं मुख्य अतिथि महामंडलेश्वर कौशल्या नंद गिरी ने सम्मानित किया।

हिन्दुस्तान

भरोसा नए हिन्दुस्तान का

शनिवार

दीक्षोत्सव में काली नृत्य की धूम

मुविवि के दीक्षोत्सव में शुक्रवार को काली नृत्य की प्रस्तुति। • हिन्दुस्तान

प्रयागराज, संवाददाता। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में शुक्रवार को दीक्षोत्सव सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन हुआ। किन्नर अखाड़ा की कलाकार रोहित काली ने जब काली नृत्य का प्रदर्शन किया तो पूरा हाल काली मां के जयकारों से गूंज उठा।

मुख्य अतिथि किन्नर अखाड़ा की महामंडलेश्वर एवं उत्तर प्रदेश किन्नर कल्याण बोर्ड की सदस्य कौशल्या नंद गिरी (टीना मां) ने कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय ने जिस तरह किन्नरों की शिक्षा के लिए कदम बढ़ाया है उसके लिए किन्नर कल्याण बोर्ड विश्वविद्यालय के साथ मिलकर कार्य करेगा। किन्नर अखाड़ा के कलाकार रोहित काली एवं नगमानंद गिरि ने काली नृत्य एवं देवी नंद गिरि व प्रतिमा नंदगिरी ने सोहर गीत की प्रस्तुति दी। अतिथियों

- राजर्षि टंडन मुक्त विवि में हुआ आयोजन
- बाल श्रम पर प्रहार करती हुई झांकी प्रस्तुत की

का स्वागत प्रो. जीएस शुक्ल ने किया। इस अवसर पर सौम्या एवं वैष्णवी ने गणेश वंदना, आयुषी यादव ने एकल नृत्य, दीप्ति योगेश्वर एवं उनकी टीम ने बाल श्रम पर प्रहार करती हुई झांकी प्रस्तुत की। रुचि गुप्ता एवं आरना गुप्ता ने योगनृत्य की प्रस्तुति की। चांदनी एवं उनकी टीम ने कालबेलिया राजस्थानी लोक नृत्य की प्रस्तुति दी। आंचल अग्रवाल ने राजस्थानी लोक नृत्य प्रस्तुत किया। अध्यक्षता कर रहीं कुलपति प्रो. सीमा सिंह ने कहा कि सांस्कृतिक उत्सव से रचना धर्मिता बढ़ती है।

अमर उजाला

amarujala.com

प्रयागराज | शनिवार | 17 दिसंबर 2022

SELECT

www.amarujala.com प्रयागराज CITY प्रयागराज | शनिवार

सांस्कृतिक उत्सव से बढ़ती है रचनाधर्मिता

मुविवि के दीक्षोत्सव सांस्कृतिक कार्यक्रम में काली नृत्य की प्रस्तुति ने किया मंत्रमुग्ध

राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में शुक्रवार को दीक्षोत्सव सांस्कृतिक कार्यक्रम में दीप्ति योगेश्वर एंड टीम द्वारा योग नृत्य की प्रस्तुति।

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में शुक्रवार को दीक्षोत्सव सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। किन्नर अखाड़ा की कलाकार रोहित काली के नृत्य की प्रस्तुति पर हाल काली मां के जयकारों से गूंज उठा।

मुख्य अतिथि किन्नर अखाड़ा की महामंडलेश्वर एवं यूपी किन्नर कल्याण बोर्ड की सदस्य कौशल्या नंद गिरी टीना मां ने कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय ने जिस तरह किन्नरों की शिक्षा के लिए कदम बढ़ाया है। किन्नर कल्याण बोर्ड विश्वविद्यालय के साथ मिलकर कार्य करेगा। किन्नर अखाड़ा के कलाकारों रोहित काली एवं नगमानंद गिरि ने काली नृत्य एवं देवी नंद गिरि एवं प्रतिमा नंदगिरी ने सोहर गीत प्रस्तुत किए।

इससे पूर्व मुख्य अतिथि टीना मां एवं कुलपति प्रो. सीमा सिंह ने दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया। स्वागत संयोजक प्रो. जीएस शुक्ल ने किया। इस अवसर पर सौम्या एवं वैष्णवी ने गणेश वंदना, आयुषी यादव ने एकल नृत्य, दीप्ति योगेश्वर एवं उनकी टीम ने बाल श्रम पर प्रहार करती हुई झांकी प्रस्तुत की। अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. सीमा सिंह ने कहा कि सांस्कृतिक उत्सव से रचना धर्मिता बढ़ती है। इन उत्सवों से भारतीय संस्कृति को समझने का अवसर मिलता है। संचालन डॉ. त्रिविक्रम तिवारी एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ. दीप्ति श्रीवास्तव ने किया। इस अवसर पर सभी प्रतिभागियों को कुलपति प्रो. सीमा सिंह एवं मुख्य अतिथि महामंडलेश्वर कौशल्या नंद गिरी टीना मां ने सम्मानित किया।

शिवा ने कहा कि हाल में ही उन्नाव, हाथरस, दिल्ली समेत देश के विभिन्न हिस्सों में ऐसी रूह कैंपा देने वाली घटनाएं सामने आई हैं। ये घटनाएं समाज की रुग्णता की कुछ प्रतिनिधिक घटनाएं हैं। मौजूदा व्यवस्था स्त्रियों को कोई सुरक्षा नहीं दे पा रही है। इसलिए जरूरी है कि हम स्त्री-उत्पीड़न के असली स्रोतों की पहचान करें और मुकम्मल लड़ाई के लिए आगे आएं। इस मौके पर प्राची, अर्पिता, विपिन,दिव्यांशु,धीरज कुमार आदि उपस्थित रहे।

समय से पहले 'समय' पर नजर

न्यायाधीश

प्रयागराज, शनिवार 17 दिसम्बर, 2022

मुविवि के दीक्षोत्सव सांस्कृतिक कार्यक्रम में काली महिमा की मनमोहक प्रस्तुति

प्रयागराज।उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में शुक्रवार को दीक्षोत्सव सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। किन्नर अखाड़ा की कलाकार रोहित काली ने जब काली महिमा की मनमोहक प्रस्तुति का प्रदर्शन किया तो पूरा हाल काली मां के जयकारों से गूंज उठा। दीक्षोत्सव सांस्कृतिक कार्यक्रम की मुख्य अतिथि किन्नर अखाड़ा की महामंडलेश्वर एवं उत्तर प्रदेश किन्नर कल्याण बोर्ड की सदस्य कौशल्या नंद गिरी टीना मां ने कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय ने जिस तरह किन्नरों की शिक्षा के लिए कदम बढ़ाया है उसके लिए किन्नर कल्याण बोर्ड विश्वविद्यालय के साथ मिलकर कार्य करेगा। किन्नर अखाड़ा के कलाकारों रोहित काली एवं नगमानंद गिरि ने काली नृत्य एवं देवी नंद गिरि एवं प्रतिमा नंदगिरी ने सोहर गीत प्रस्तुत किए। प्रारंभ में मुख्य अतिथि टीना मां एवं कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने दीप प्रज्ज्वलन कर सांस्कृतिक कार्यक्रम का उद्घाटन किया। अतिथियों का स्वागत संयोजक प्रोफेसर जी एस शुक्ल ने किया। इस अवसर पर सौम्या एवं वैष्णवी ने गणेश वंदना, आयुषी यादव ने एकल नृत्य, दीप्ति योगेश्वर एवं उनकी टीम ने बाल श्रम पर प्रहार करती हुई झांकी प्रस्तुत की। रुचि गुप्ता एवं आरना गुप्ता ने योगनृत्य की प्रस्तुति की। चांदनी एवं उनकी टीम द्वारा कालबेलिया राजस्थानी लोक नृत्य प्रस्तुत किया गया। आंचल अग्रवाल ने राजस्थानी लोक नृत्य प्रस्तुत किया। अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने कहा कि सांस्कृतिक उत्सव से रचना धर्मिता बढ़ती है। इन उत्सवों से भारतीय संस्कृति को समझने का अवसर मिलता है। उन्होंने किन्नर अखाड़ा की महामंडलेश्वर कौशल्या नंद गिरी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके सहयोग से विश्वविद्यालय में आज काली नृत्य की इतनी सुंदर प्रस्तुति संभव हो सकी। समारोह का संचालन डॉ त्रिविक्रम तिवारी एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ दीप्ति श्रीवास्तव ने किया। इस अवसर पर सभी प्रतिभागियों को कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह एवं मुख्य अतिथि महामंडलेश्वर कौशल्या नंद गिरी टीना मां ने सम्मानित किया।

संस्करण : प्रयागराज
वर्ष : 08
अंक :282
पृष्ठ : 12
मूल्य : 5.0

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक www.pratahkalexpress.in

प्रातःकाल एक्सप्रेस

• वर्ष : 15
• अंक : 306
• प्रातः कालीन संस्करण

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

मुक्त चिन्तन

News Letter

॥ सरस्वती नः सुभगा मयस्करत् ॥

उ०प्र० राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

मुक्त चिन्तन 17 दिसम्बर, 2022

lIrn'k nh{kkUr lekjksg & izsl

PRESS CONFERENCE PROF. SEEMA SINGH VC

U.P. RAJARSHI TANDON OPEN UNIVERSITY, PRAYAGRAJ

कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह

भूगोल की छात्रा प्रतिज्ञा मिश्रा को मिलेंगे चार स्वर्ण पदक

23 स्वर्ण पदक तथा 20 हजार छात्रों को मिलेगी उपाधि

उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज का 17वां दीक्षान्त समारोह आगामी 19 दिसम्बर 2022 को पूर्वान्ह 11:00 बजे सरस्वती परिसर स्थित अटल प्रेक्षागृह में आयोजित किया जायेगा। दीक्षान्त समारोह की अध्यक्षता राज्यपाल एवं कुलाधिपति माननीया श्रीमती आनंदीबेन पटेल करेंगी।

दीक्षान्त समारोह में राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल दीक्षान्त भाषण देंगी। 17वें दीक्षान्त समारोह में विभिन्न विद्याशाखाओं में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले शिक्षार्थियों को 23 स्वर्ण पदक प्रदान किये जायेंगें, जिनमें 8 स्वर्ण पदक छात्रों तथा 15 स्वर्णपदक छात्राओं की झोली में जायेंगे। दीक्षान्त समारोह में सत्र दिसम्बर 2021 तथा जून 2022 की परीक्षा के सापेक्ष उत्तीर्ण लगभग 20 हजार शिक्षार्थियों को उपाधि प्रदान की जायेगी, जिसमें 12000 पुरूष तथा 8000 महिला शिक्षार्थी हैं। यह जानकारी कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने शनिवार दिनांक 17 दिसम्बर, 2022 को आयोजित पत्रकार वार्ता में दी।

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

मुक्त चिन्तन

lHkkxkj esa mifLFkr fo'ofo|ky; ds funs'kd] f'k{kd] vf/kdkjh ,oa i=kdkj cU/kqA

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

मुक्त चिन्तन

izsl okrkZ djrh gqbZ ekuuh;k dqyifr izks0 lhek flag th

प्रो0 सिंह ने बताया कि सरस्वती परिसर स्थित अटल प्रेक्षागृह में दीक्षान्त समारोह के आयोजन के लिये सभी आवश्यक तैयारियां कर ली गयी हैं। दीक्षान्त समारोह में उपाधि प्राप्त करने के लिये लगभग 1500 शिक्षार्थियों ने आनलाइन पंजीकरण कराया है। जिन्हें दीक्षान्त समारोह में उपाधियां प्रदान की जायेंगी। उपाधियां डिजीलॉकर पर भी अपलोड कर दी जाएंगी। दीक्षान्त समारोह भारतीय पारम्परिक परिधान में आयोजित किया जायेगा। दीक्षान्त समारोह में शामिल होकर स्वर्ण पदक प्राप्त करने वाले छात्र–छात्राओं के लिये सफेद धोती कुर्ता या पाजामा/पीली साड़ी या सलवार सूट निर्धारित किया गया है।

प्रो0 सिंह ने बताया कि 17वें दीक्षान्त समारोह में कुलाधिपति स्वर्ण पदक विश्वविद्यालय मुख्य परिसर अध्ययन केंद्र की छात्रा प्रतिज्ञा मिश्रा को दिया जायेगा। प्रतिज्ञा मिश्रा ने एम0ए0 भूगोल विषय की परीक्षा प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण की तथा समस्त विद्याशाखाओं की स्नातक एवं स्नातकोत्तर परीक्षाओं में उत्तीर्ण समस्त स्नातक/परास्नातक शिक्षार्थियों में सर्वश्रेष्ठ रहीं।

कुलपति प्रो0 सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक इस बार स्नातकोत्तर वर्ग में विद्याशाखाओं के 06 टापर्स को दिए जा रहे हैं। जिसमें मानविकी विद्याशाखा से विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक श्री बाबा साधव राम महाविद्यालय आजमगढ़ अध्ययन केन्द्र से पंजीकृत एम0ए0 (अर्थशास्त्र) की छात्रा इन्द्रवासिनी को, समाज विज्ञान विद्याशाखा से विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक विश्वविद्यालय मुख्य परिसर अध्ययन केंद्र से पंजीकृत एम0ए0 (भूगोल) की छात्रा प्रतिज्ञा मिश्रा को,

प्रबन्धन अध्ययन विद्याशाखा से विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक, रामस्वरुप ग्राम उद्योग स्नातकोत्तर महाविद्यालय, पुखरायां, कानपुर अध्ययन केन्द्र से पंजीकृत एम. बी. ए. के छात्र रजत कुमार राय को,

शिक्षा विद्याशाखा से विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक, कृष्ण सुदामा महाविद्यालय, सादात, गाजीपुर अध्ययन केन्द्र से पंजीकृत एम0ए0 (शिक्षाशास्त्र) के छात्र जितेंद्र कुमार यादव को, विज्ञान विद्याशाखा से विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक, किसान मजदूर महाविद्यालय भीटी मऊ अध्ययन केन्द्र से पंजीकृत एमएससी (जैव रसायन) की छात्रा अमृता गुप्ता को,

स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा से विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक, श्री रतीराम महाविद्यालय, मथुरा, अध्ययन केंद्र से पंजीकृत एमएससी (खाद्य एवं पोषण) की छात्रा नेहा राठौर को दिया जायेगा।

कुलपति प्रोफेसर सिंह ने बताया कि स्नातक वर्ग में विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक इस बार विद्याशाखाओं के 06 टापर्स को दिये जायेंगे। जिसमें मानविकी विद्याशाखा से विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक, रामधन दामोदर महाविद्यालय, मऊ अध्ययन केन्द्र से पंजीकृत स्नातक (बी0ए0) के छात्र हरिकेश चौहान को,

समाज विज्ञान विद्याशाखा से विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक, बी बी एस पब्लिक डिग्री कॉलेज, बरना, प्रतापगढ़ अध्ययन केन्द्र से पंजीकृत स्नातक (बी0ए0) के छात्र संदीप कुमार को,

प्रबन्धन अध्ययन विद्याशाखा से विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक, बी बी एस पब्लिक डिग्री कॉलेज, बरना, प्रतापगढ़ अध्ययन केन्द्र से

इसी प्रकार समस्त स्नातकोत्तर कार्यक्रम में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाली विश्वविद्यालय मुख्य परिसर अध्ययन केंद्र प्रयागराज से पंजीकृत एम ए भूगोल की छात्रा प्रतिज्ञा मिश्रा को श्री संतोष कुमार दीक्षित स्मृति स्वर्ण पदक प्रदान किया जाएगा।

इसके साथ ही शिक्षा विद्याशाखा के पूर्व निदेशक प्रो0 सुशील प्रकाश गुप्ता की स्मृति में स्व0 सुशील प्रकाश गुप्ता स्मृति स्वर्ण पदक देव इंद्रावती महाविद्यालय कटेहरी अंबेडकर नगर से पंजीकृत बी एड की छात्रा अंजली सिंह को,

बाबू ओमप्रकाश गुप्त स्मृति स्वर्ण पदक, देव इन्द्रावती महाविद्यालय, कटेहरी, अम्बेडकरनगर अध्ययन केन्द्र से पंजीकृत बी0एड0 की छात्रा अंजली सिंह को,

श्री कैलाशपत नेवेटिया स्मृति स्वर्ण पदक विश्वविद्यालय मुख्य परिसर अध्ययन केन्द्र, प्रयागराज से पंजीकृत एम0बी0ए0 की छात्रा स्मिता दीक्षित को,

स्व0 अनिल मीना चक्रवर्ती स्मृति स्वर्ण पदक स्नातक वर्ग में बी बी एस पब्लिक डिग्री कॉलेज, बरना, प्रतापगढ़ अध्ययन केन्द्र से पंजीकृत स्नातक (बी0ए0) के छात्र संदीप कुमार को,

स्व0 अनिल मीना चक्रवर्ती स्मृति स्वर्ण पदक स्नातकोत्तर वर्ग में विश्वविद्यालय मुख्य परिसर, प्रयागराज अध्ययन केंद्र से पंजी कृत एम0ए0 (भूगोल) की छात्रा प्रतिज्ञा मिश्रा को,

प्रो0 एम0पी0 दुबे पर्यावरण/गांधी चिन्तन एवं शान्ति अध्ययन उत्कृष्टता स्वर्ण पदक, झाम बाबा महाविद्यालय जलालपुर अंबेडकर नगर अध्ययन केन्द्र से पंजीकृत बी0ए0 के छात्र सुधांशु गुप्ता को,

प्रो0 एम0पी0 दुबे दिव्यांग मेधा स्वर्णपदक टीडी कॉलेज जौनपुर अध्ययन केन्द्र से पंजीकृत बीएड की छात्रा भव्या सिंह को,

महान राष्ट्रकवि श्रद्धेय पं0 सोहन लाल द्विवेदी स्मृति स्वर्णपदक श्री बाबा साधव राम महाविद्यालय, कोइनहां, आजमगढ़ अध्ययन केंद्र से पंजीकृत एम0ए0 (हिन्दी) की छात्रा रुचि यादव को दिया जायेगा।

कुलपति प्रोफेसर सिंह ने बताया कि इस बार राज्यपाल के निर्देश पर विश्वविद्यालय के सभी 12 क्षेत्रीय केंद्रों पर दीक्षांत सप्ताह के अंतर्गत दीक्षोत्सव के कार्यक्रम आयोजित किए गए। जिसमें विभिन्न खेलकूद प्रतियोगिताएं एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय स्तर पर निर्णायक मंडल द्वारा चयनित किए गए सर्वश्रेष्ठ प्रतिभागियों को दीक्षांत समारोह के अवसर पर सम्मानित किया जाएगा। इसके साथ ही विश्वविद्यालय के उत्कृष्ट शिक्षकों एवं सर्वश्रेष्ठ क्षेत्रीय केंद्र को भी पुरस्कृत किया जायेगा।

प्रोफेसर सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय के इतिहास में पहली बार किसी दीक्षांत समारोह में एक छात्रा को 4 स्वर्ण पदक प्रदान किए जा रहे हैं। विश्वविद्यालय के रजत जयंती वर्ष में आयोजित होने वाला यह दीक्षांत समारोह यादगार समारोह के रूप में याद किया जाएगा। इसके साथ ही एक अन्य छात्रा अंजली सिंह को तीन स्वर्ण पदक एक साथ दिए जाएंगे। निश्चय ही इससे बालिकाओं का शिक्षा के प्रति रुझान बढ़ेगा। विश्वविद्यालय ने महिलाओं की शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए अधिकांश दानदाता स्वर्ण पदक छात्राओं के लिए निर्धारित किये हैं।

प्रोफेसर सिंह ने बताया कि कोरोना काल के बाद राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल के विश्वविद्यालय में आगमन को लेकर पूरा विश्व विद्यालय परिवार उत्साहित है। राजभवन के निर्देश पर किन्नर समुदाय को उच्च शिक्षा प्रदान करने के लिए विश्वविद्यालय ने किन्नर कल्याण बोर्ड से टाईअप किया है। जिसके अंतर्गत दीक्षोत्सव में किन्नर कल्याण बोर्ड के सहयोग से शानदार सांस्कृतिक समारोह आयोजित किया गया।

मुक्त चिन्तन

News Letter

उ०प्र० राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

॥ सरस्वती नः सुभगा मयस्करत् ॥

मुक्त चिन्तन 17 दिसम्बर, 2022

dqyifr us fd;k 'kks?k Nk=kkvksa dks lEekfur

विश्वविद्यालय के रजत जयंती समारोह दिनांक 02 नवंबर, 2022 में शोध छात्र–छात्राओं ने व्यवस्था में अपना अमूल्य योगदान दिया था, जिस हेतु दिनांक 17 दिसंबर, 2022 को विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी ने शोध छात्रा कुमारी श्वेता सिंह, प्रबंधन अध्ययन विद्या शाखा, कुमारी सौम्या तिवारी, प्रबंधन अध्ययन विद्या शाखा एवं कुमारी वंदना विश्वकर्मा, स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा को मेडल एवं प्रमाण–पत्र देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर निदेशक प्रबन्धन अध्ययन विद्या शाखा, प्रो0 ओमजी गुप्ता, कुलसचिव प्रो0 पी0पी0 दुबे, निदेशक, शिक्षा विद्या शाखा, प्रो0 प्री0 के0 स्टालिन एवं प्रो0 जे0पी0 यादव उपस्थित रहे।

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

News Letter

मुक्त चिन्तन

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

मुक्त चिन्तन

17 दिसम्बर, 2022

काकोरी स्तंभ पर शहीदों की स्मृति में माल्यार्पण व श्रद्धा सुमन अर्पित

क्षेत्रीय कार्यालय लखनऊ में आज दिनांक 17 दिसंबर 2022 को लखनऊ हजरत गंज के जी पी ओ पार्क में स्थित काकोरी स्तंभ पर शहीदों की स्मृति में माल्यार्पण व श्रद्धा सुमन अर्पित किए ।कैंडल मार्च कर काकोरी के शहीदों, राजेंद्र लाहिड़ी, मन्मथ नाथ गुप्त,शचींद्र नाथ सान्याल, चंद्र शेखर आजाद, राम प्रसाद बिस्मिल, अशफाक उल्ला खान सहित सभी को श्रद्धांजलि दी गई।

सरफरोशी की तमन्ना अब हमारे दिल में है,
देखना है जोर कितना बाजुएं कातिल में है

उपर्युक्त देश भक्ति से ओतप्रोत पंक्तियों के साथ लखनऊ के श्री उदय खत्री जी ने काकोरी के शहीदों पर और घटना पर विस्तार से चर्चा की।इकलाब जिंदाबाद, भारत माता की जय के नारों से जी पो ओ पार्क काकोरी स्तंभ गूंज उठा।
क्षेत्रीय केंद्र लखनऊ के स्टाफ सहित अन्य जन मानस भी उपस्थित थे।

काकोरी स्तम्भ
क्षेत्रीय कार्यालय लखनऊ
काकोरी शहीद दिवस

मुक्त चिन्तन

News Letter

उ०प्र० राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

मुक्त चिन्तन — 19 दिसम्बर, 2022

प्रतिज्ञा मिश्रा को चार अंजलि को मिले तीन स्वर्ण पदक

23 स्वर्ण पदक तथा 20 हजार छात्रों को मिली उपाधि

मुविवि के 16वें दीक्षान्त समारोह का आयोजन

उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज का 17वां दीक्षान्त समारोह 19 दिसम्बर 2022 को सरस्वती परिसर स्थित अटल

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

मुक्त चिन्तन

ekuuh;k dqykf/kifr egksn;k ,oa dqyifr th ds lkFk xzqi QksVksxzkQh esa

la;qDr #i ls nh{kkUr lekjksg dk lapkyu djrs gq,

'kksHkk ;k=kk dk lHkkxkj esa

सर स्थित अ
एवं कुलाधिप
विश्वविद्याल
गत किया त
ने शिक्षार्थियों
त्र दिसम्बर 20
पुरूष तथा 79
ज्ज्वल भविष्य
कुलाधिपति श्रीम

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

मुक्त चिन्तन

lHkkxkj esa mifLFkr lHkh dk vfHkoknu Lohdkj djrh gqbZ ekuuh;k

मुक्त चिन्तन

oUnsekrje~~ ,oa dqyxhr izLrqr djrh gqbZ Nk=kk;sa

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

मुक्त चिन्तन

दीप प्रज्ज्वलन एवं जल भरो अभियान का शुभारम्भ करती हुई माननीया श्री राज्यपाल, उत्तर प्रदेश एवं कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी तथा साथ में कुलपति प्रो0 सीमा सिंह

माननीया श्री राज्यपाल, उत्तर प्रदेश एवं कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी को प्रसून पंखुड़ियों से स्वागत करती हुई कुलपति प्रो0 सीमा सिंह

मुक्त चिन्तन

दीक्षान्त समारोह के शुभारम्भ की घोषणा करती हुई माननीया श्री राज्यपाल, उत्तर प्रदेश एवं कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी

स्वागत एवं विश्वविद्यालय की प्रगति आख्या

कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने स्वागत भाषण एवं प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय अपनी शैक्षिक उपलब्धियों के साथ ही अपनी संरचना के विकास की ओर भी तीव्रता से गतिमान है। विश्वविद्यालय के बहुआयामी विकास एवं समाज के उपेक्षित वर्ग को मुख्यधारा से जोड़ने के लिए विश्वविद्यालय सदैव तत्पर रहता है।

स्वागत भाषण एवं प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करती हुई कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह

कुलपति प्रो0 सीमा सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय का महिला अध्ययन केंद्र गांव में जागरूकता शिविर लगाकर ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में प्रयत्नशील है। सामाजिक सरोकार से संबंधित कार्यों तथा अपने दायित्व को भी विश्वविद्यालय पूर्ण मनोयोग से पूर्ण कर रहा है।

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

मुक्त चिन्तन

nh{kkUr lekjksg esa mikf/k izkIr djus okys f'k{kkfFkZ;ksa dks vuq'kklukns'k iznku djrh gqbZ

मुक्त चिन्तन

nh{kkUr lekjksg esa Nk=k&Nk=kvksa dks mikf/k iznku djus gsrq vuqjks/k djrs gq,

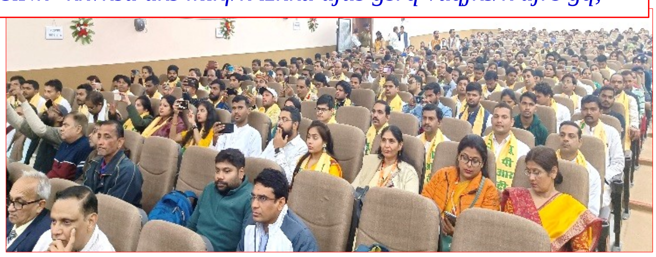

प्रतिज्ञा मिश्रा एवं अंजलि स्वर्ण पदक प्रदान करती हुई माननीया श्री राज्यपाल, उत्तर प्रदेश एवं कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल

माननीया श्री राज्यपाल, उत्तर प्रदेश एवं कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी के साथ ग्रुप फोटोग्राफी कराते पदक प्राप्त करने वाले छात्र–छात्रायें

मुक्त चिन्तन

17वें दीक्षान्त समारोह में विभिन्न विद्याशाखाओं में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले शिक्षार्थियों को 23 स्वर्ण पदक प्रदान किये गये, जिनमें 8 स्वर्ण पदक छात्रों तथा 15 स्वर्णपदक छात्राओं को मिले। दीक्षान्त समारोह में सत्र दिसम्बर 2021 तथा जून 2022 की परीक्षा के सापेक्ष उत्तीर्ण लगभग 20 हजार शिक्षार्थियों को उपाधि प्रदान की गयी। अटल प्रेक्षागृह में दीक्षान्त समारोह के भव्य आयोजन के उपरान्त उपाधियां डिजीलॉकर पर अपलोड कर दी गयीं। दीक्षान्त समारोह भारतीय पारम्परिक परिधान में आयोजित किया गया। दीक्षांत समारोह की अध्यक्ष राज्यपाल एवं कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल ने 17वें दीक्षान्त समारोह में कुलाधिपति स्वर्ण पदक विश्वविद्यालय मुख्य परिसर अध्ययन केंद्र की छात्रा प्रतिज्ञा मिश्रा को प्रदान किया। प्रतिज्ञा मिश्रा ने एम0ए0 भूगोल विषय की परीक्षा प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण की तथा समस्त विद्याशाखाओं की स्नातक एवं स्नातकोत्तर परीक्षाओं में उत्तीर्ण समस्त स्नातक/परास्नातक शिक्षार्थियों में सर्वश्रेष्ठ रहीं।

राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन ने विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक इस बार स्नातकोत्तर वर्ग में विद्याशाखाओं के 06 टापर्स को दिए। जिसमें मानविकी विद्याशाखा से विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक श्री बाबा साधव राम महाविद्यालय आजमगढ़ अध्ययन केन्द्र से पंजीकृत एम0ए0 (अर्थशास्त्र) की छात्रा इन्द्रवासिनी को, समाज विज्ञान विद्याशाखा से विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक विश्वविद्यालय मुख्य परिसर अध्ययन केंद्र से पंजीकृत एम0ए0 (भूगोल) की छात्रा प्रतिज्ञा मिश्रा को, प्रबन्धन अध्ययन विद्याशाखा से विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक, रामस्वरुप ग्राम उद्योग स्नातकोत्तर महाविद्यालय, पुखरायां, कानपुर अध्ययन केन्द्र से पंजीकृत एम. बी. ए. के छात्र रजत कुमार राय को, शिक्षा विद्याशाखा से विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक, कृष्ण सुदामा महाविद्यालय, सादात, गाजीपुर अध्ययन केन्द्र से पंजीकृत एम0ए0 (शिक्षाशास्त्र) के छात्र जितेंद्र कुमार यादव को, विज्ञान विद्याशाखा से विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक, किसान मजदूर महाविद्यालय भीटी मऊ अध्ययन केन्द्र से पंजीकृत एमएससी (जैव रसायन) की छात्रा अमृता गुप्ता को, स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा से विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक, श्री रतीराम महाविद्यालय, मथुरा, अध्ययन केंद्र से पंजीकृत एमएससी (खाद्य एवं पोषण) की छात्रा नेहा राठौर को दिया गया। राज्यपाल श्रीमती पटेल ने स्नातक वर्ग में भी विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक 06 मेधावी छात्रों को दिए। जिसमें मानविकी विद्याशाखा से विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक, रामधन दामोदर महाविद्यालय, मऊ अध्ययन केन्द्र से पंजीकृत स्नातक (बी0ए0) के छात्र हरिकेश चौहान को, समाज विज्ञान विद्याशाखा से विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक, बी बी एस पब्लिक डिग्री कॉलेज, बरना, प्रतापगढ़ अध्ययन केन्द्र से पंजीकृत स्नातक (बी0ए0) के छात्र संदीप कुमार को, प्रबन्धन अध्ययन विद्याशाखा से विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक, बी बी एस पब्लिक डिग्री कॉलेज, बरना, प्रतापगढ़ अध्ययन केन्द्र से पंजीकृत स्नातक (बी0कॉम0) के छात्र शुभम श्रीवास्तव को, कम्प्यूटर एवं सूचना विज्ञान विद्याशाखा से विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक कमला नेहरू भौतिक एवं सामाजिक विज्ञान संस्थान, सुल्तानपुर अध्ययन केन्द्र से पंजीकृत स्नातक (बी0सी0ए0) की छात्रा शालिनी मिश्रा को, शिक्षा विद्याशाखा से विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक देव इंद्रावती महाविद्यालय, कटेहरी, अंबेडकर नगर अध्ययन केन्द्र से पंजीकृत स्नातक (बी0एड0) की छात्रा अंजली सिंह को विज्ञान विद्याशाखा से विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक, झाम बाबा महाविद्यालय, जलालपुर, अंबेडकर नगर अध्ययन केन्द्र से पंजीकृत स्नातक (बी0एस0सी0) के छात्र विकास कुमार चौरसिया को प्रदान किया गया। इस बार 10 मेधावी शिक्षार्थियों को दानदाता स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया। इनमें दो नए दानदाता स्वर्ण पदक को जोड़ा गया। जो छात्राओं को दिए गये।

जिनमें स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा के अंतर्गत संचालित स्नातकोत्तर गृह विज्ञान कार्यक्रम में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाली रामधन दामोदर महाविद्यालय, मऊ अध्ययन केंद्र से पंजीकृत छात्रा अंजली राय को श्रीमती शिवपति द्विवेदी स्मृति स्वर्ण पदक प्रदान किया गया। इसी प्रकार समस्त स्नातकोत्तर कार्यक्रम में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाली विश्वविद्यालय मुख्य परिसर अध्ययन केंद्र प्रयागराज से पंजीकृत एम ए भूगोल की छात्रा प्रतिज्ञा मिश्रा को श्री संतोष कुमार दीक्षित स्मृति स्वर्ण पदक प्रदान किया गया। इसके साथ ही शिक्षा विद्याशाखा के पूर्व निदेशक प्रो0 सुशील प्रकाश गुप्ता की स्मृति में स्व0 सुशील प्रकाश गुप्ता स्मृति स्वर्ण पदक तथा बाबू ओमप्रकाश गुप्त स्मृति स्वर्ण पदक देव इंद्रावती महाविद्यालय कटेहरी अंबेडकर नगर से पंजीकृत बी एड की छात्रा अंजली सिंह को प्रदान किया गया। श्री कैलाशपत नेवेटिया स्मृति स्वर्ण पदक विश्वविद्यालय मुख्य परिसर अध्ययन केन्द्र, प्रयागराज से पंजीकृत एम0बी0ए0 की छात्रा स्मिता दीक्षित को स्व0 अनिल मीना चक्रवर्ती स्मृति स्वर्ण पदक स्नातक वर्ग में बी बी एस पब्लिक डिग्री कॉलेज, बरना, प्रतापगढ़ अध्ययन केन्द्र से पंजीकृत स्नातक (बी0ए0) के छात्र संदीप कुमार को तथा स्नातकोत्तर वर्ग में विश्वविद्यालय मुख्य परिसर, प्रयागराज अध्ययन केंद्र से पंजीकृत एम0ए0 (भूगोल) की छात्रा प्रतिज्ञा मिश्रा को प्रदान किया गया। प्रो0 एम0पी0 दुबे

मुक्त चिन्तन

विश्वविद्यालय के सभी 12 क्षेत्रीय केंद्रों पर दीक्षांत सप्ताह के अंतर्गत दीक्षोत्सव के कार्यक्रम आयोजित किए गए। जिसमें विभिन्न खेलकूद प्रतियोगिताएं एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय स्तर पर निर्णायक मंडल द्वारा चयनित किए गए सर्वश्रेष्ठ प्रतिभागियों में परम्परागत खेल प्रतियोगिता में आदित्य कुमार, काव्य लेखन में आशीष शर्मा, निबंध लेखन में सुरेंद्र यादव, चित्रकला में प्रांजली यादव, देशभक्ति गीत में प्रमोद कुमार द्विवेदी, लोक नृत्य में आंचल अग्रवाल तथा भाषण प्रतियोगिता में जगवीर सिंह चौधरी को पुरस्कृत किया गया। इसके साथ ही राज्यपाल श्रीमती पटेल ने प्रोफेसर ओमजी गुप्ता तथा प्रोफेसर जी एस शुक्ल को उत्कृष्ट शिक्षक पुरस्कार प्रदान किया। इस अवसर पर उन्होंने विश्वविद्यालय के सर्वश्रेष्ठ क्षेत्रीय केंद्र के रूप में चयनित प्रयागराज क्षेत्रीय केंद्र के समन्वयक डॉ अभिषेक सिंह को सम्मानित किया। राज्यपाल श्रीमती पटेल ने इस अवसर पर राज अंध विद्यालय के दृष्टिबाधित छात्र–छात्राओं एवं भारत स्काउट एंड गाइड के स्वयंसेवक बच्चों को उपहार स्वरूप बैग वितरित किए।

विश्वविद्यालय के इतिहास में पहली बार इस दीक्षांत समारोह में प्रतिज्ञा मिश्रा को 4 स्वर्ण पदक प्रदान किए गये। विश्वविद्यालय के रजत जयंती वर्ष में आयोजित होने वाला यह दीक्षांत समारोह प्रतिज्ञा मिश्रा की इस उपलब्धि के रूप में याद किया जाएगा। इसके साथ ही एक अन्य छात्रा अंजली सिंह को तीन स्वर्ण पदक एक साथ दिए गये। निश्चय ही इससे बालिकाओं का शिक्षा के प्रति रुझान बढ़ेगा।

प्रारंभ में समारोह की अध्यक्ष माननीया श्री राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल एवं कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने दीप प्रज्ज्वलन कर एवं जल संरक्षण के लिए जल भरो अभियान से दीक्षांत समारोह की शुरुआत की। इससे पूर्व शोभायात्रा निकाली गई। शोभा यात्रा का स्वागत भारत स्काउट एंड गाइड के स्वयं सेवकों ने घोष के साथ किया।

दीक्षांत समारोह का संचालन प्रो0 पी0 के0 पाण्डेय एवं डॉ श्रुति ने किया।

राज अंध विद्यालय के दृष्टिबाधित छात्र–छात्राओं एवं भारत स्काउट एंड गाइड के स्वयंसेवक बच्चों को उपहार देती हुई माननीया श्री राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी।

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

मुक्त चिन्तन

प्रोफेसर ओमजी गुप्ता तथा प्रोफेसर जी एस शुक्ल को उत्कृष्ट शिक्षक पुरस्कार देती हुई माननीया श्री राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी।

सर्वश्रेष्ठ क्षेत्रीय केंद्र के रूप में चयनित प्रयागराज क्षेत्रीय केंद्र के समन्वयक डॉ अभिषेक सिंह को सम्मानित करती हुई माननीया श्री राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी।

भारत के नेतृत्व को स्वीकार कर रहा विश्व–राज्यपाल

दीक्षान्त समारोह में माननीया श्री राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने दीक्षान्त भाषण देते हुए कहा कि भारत के नेतृत्व को विश्व स्वीकार कर रहा है। विश्वविद्यालय ऐसे छात्रों को तैयार करे जो भारतीय विशेषता को जी–20 में सहभाग कर रहे देश के प्रतिनिधियों को बताएं। उन्होंने कहा कि 2030 तक उच्च शिक्षा में युवाओं की हिस्सेदारी को बढ़ाकर 30: से 50: करने का लक्ष्य रखा जाए। राज्यपाल श्रीमती पटेल ने कहा कि युवाओं को संवेदनशीलता, देशभक्ति, पर्यावरण संरक्षण, जल संरक्षण के साथ ही अपने दायित्वों का निर्वाह करना चाहिए। कहा कि शिक्षा का क्षेत्र अत्यन्त व्यापक है। अतरू इसकी समग्रता को समझते हुए

श्रीमती आनंदीबेन पटेल
मानननीया श्री राज्यपाल एवं कुलाधिपति

मुक्त चिन्तन

श्रीमती आनंदीबेन पटेल
माननीया श्री राज्यपाल एवं कुलाधिपति

उन्होंने दिव्यांगों एवं किन्नरों की उच्च शिक्षा के लिए भी समाज में जागरूकता फैलाने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि कस्तूरबा विद्यालयों में 12वीं तक की शिक्षा सुनिश्चित की जाएगी। इसके लिए राज्य सरकार प्रयास कर रही है।

मुक्त चिन्तन

श्रीमती पटेल ने रजत जयंती वर्ष में दीक्षांत समारोह आयोजित करने एवं उच्च शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने पर विश्वविद्यालय परिवार को हार्दिक बधाई दी। उन्होंने उपाधि प्राप्त करने वाले छात्रों को संदेश दिया कि भारत की युवा पीढ़ी को हमारी भव्य आध्यात्मिक एवं बौद्धिक विरासत का मनोयोग पूर्वक अध्ययन करना चाहिए।

श्रीमती आनंदीबेन पटेल
माननीया श्री राज्यपाल एवं कुलाधिपति

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

मुक्त चिन्तन

माननीया श्री राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी को अंगवस्त्र, श्रीफल, हरित फल एवं पुस्तकें भेट

मुक्त चिन्तन

दीक्षान्त समारोह के समापन की घोषणा करती हुई माननीया श्री राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी

jk"V"xku

मुक्त चिन्तन

दीक्षान्त समारोह की कुछ अन्य झलकियां

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

मुक्त चिन्तन

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

सच कहने का साहस और सलीका

राज एक्सप्रेस

इंदौर
मंगलवार, 20 दिसंबर 2022

■ इंदौर ■ भोपाल ■ जबलपुर ■ ग्वालियर ■ रतलाम ■ रीवा ■ सतना ■ छिंदवाड़ा ■ उज्जैन ■ सागर

भारत के नेतृत्व को स्वीकार कर रहा विश्वः राज्यपाल आनंदीबेन

- उप्र राजर्षि टंडन मुक्त विवि के 17वें दीक्षान्त समारोह का राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने दीप प्रज्ज्वलन कर किया शुभारम्भ
- प्रतिज्ञा मिश्रा को चार, अंजलि को मिले तीन स्वर्ण पदक

प्रयागराज ■ कुन्दन श्रीवास्तव

उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय का 17वां दीक्षान्त समारोह सोमवार को सरस्वती परिसर स्थित अटल प्रेक्षागृह में आयोजित किया गया। दीक्षांत समारोह की अध्यक्षता राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने की। दीक्षान्त समारोह में राज्यपाल श्रीमती पटेल ने दीक्षान्त भाषण देते हुए कहा कि भारत के नेतृत्व को विश्व स्वीकार कर रहा है।

विवि ऐसे छात्रों को तैयार करे जो भारतीय विशेषता को जी-20 में सहभाग कर रहे देश के प्रतिनिधियों को बताएं। उन्होंने कहा कि 2030 तक उच्च शिक्षा में युवाओं की हिस्सेदारी को बढ़ाकर 30 प्रतिशत से 50 प्रतिशत करने का लक्ष्य रखा जाए। राज्यपाल श्रीमती पटेल ने कहा कि युवाओं को संवेदनशीलता, देशभक्ति, पर्यावरण संरक्षण, जल संरक्षण के साथ ही अपने दायित्वों का निर्वाह करना चाहिए।

17वें दीक्षान्त समारोह में विभिन्न विद्याशाखाओं में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले शिक्षार्थियों को 23 स्वर्ण पदक प्रदान किये गये, जिनमें 8 स्वर्ण पदक छात्रों तथा 15 स्वर्णपदक छात्राओं को मिले। दीक्षान्त समारोह में सत्र दिसम्बर 2021 तथा जून 2022 की परीक्षा के सापेक्ष उत्तीर्ण लगभग 20 हजार शिक्षार्थियों को उपाधि प्रदान की गई। समारोह मे प्रतिज्ञा मिश्रा को चार, अंजलि को मिले तीन स्वर्ण पदक प्रदान किए गए।

पायनियर

लखनऊ, मंगलवार, 20 दिसंबर, 2022

समाज के वंचित वर्ग के अनुरूप कार्यक्रम चलाएं उच्च शिक्षण संस्थानः राज्यपाल

● राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज का 17वां दीक्षांत समारोह संपन्न

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश की राज्यपाल एवं कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल उच्च शिक्षण संस्थाओं से समाज के वंचित वर्ग के अनुरूप कार्यक्रम चलाने की अपील करते हुए कहा कि ग्रामीण महिलाओं और दिव्यांगों को समाज की मुख्य धारा में लाने के लिए शिक्षा और प्रशिक्षण की व्यवस्था की जानी चाहिए।

राज्यपाल सोमवार को राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के 17वें दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रही थीं। राज्यपाल ने उपाधि प्राप्त करने वाले सभी छात्र-छात्राओं को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं और पदक विजेताओं को बधाई दी। विश्वविद्यालय को रजत जयंती वर्ष पर बधाई देते हुए राज्यपाल ने कहा कि दूरस्थ व मुक्त शिक्षा प्रणाली एक लचीली और लागत प्रभावी शैक्षिक प्रणाली होने की वजह से शिक्षा की मुख्य धारा से वंचित रह जाने वाले जन समुदाय को शिक्षा के अवसर प्रदान करती है। उन्होंने विश्वविद्यालय द्वारा ट्रांसजेंडर और जेल के कैदियों को निशुल्क शिक्षा तथा गोद लिए गांवों की महिलाओं को पचास प्रतिशत शुल्क पर प्रवेश देने के निर्णय की सराहना की। राज्यपाल ने विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के क्रियान्वयन में सक्रिय होने, विद्यार्थियों के लिए रोजगारपरक पाठ्यक्रमों को बहुतायत से संचालित करने, नैक से ग्रेडिंग प्राप्त होने, अपनी शैक्षिक गुणवत्ता बढ़ाने के लिए विविध शैक्षिक संस्थानों और विश्वविद्यालयों से एमओयू करने की सराहना करते हुए प्रसन्नता व्यक्त की।

उन्होंने जानकारी दी कि उत्तर प्रदेश के चार शहरों आगरा, वाराणसी, लखनऊ और ग्रेटर नोएडा में जी-20 देशों की बैठकें पहली दिसंबर 2022 से 30 नवंबर 2022 तक आयोजित की जा रही हैं। उन्होंने विश्वविद्यालय को इस इवेंट में उत्साह के साथ प्रतिभागिता के लिए प्रोत्साहित करते हुए कहा कि विदेशी भाषा के जानकार छात्र इसमें प्रतिनिधियों से संवाद करके जानकारियों के प्रचार-प्रसार, विश्वविद्यालय के नवाचारों, स्टार्ट अप तथा अन्य गतिविधियों के डिजिटल प्रचार तथा प्रदर्शनी के आयोजन द्वारा हिस्सेदारी कर सकते हैं। दीक्षान्त कार्यक्रम का उद्घाटन राज्यपाल ने जलभरो कार्यक्रम से किया। मटकी में जलधारा डालकर जल संरक्षण का संदेश देते हुए राज्यपाल ने कहा कि विश्वविद्यालय जितना जल वर्ष भर में उपयोग में लाते हैं, उतने जल संरक्षण हेतु प्रभावी प्रयास करें।

6 | लखनऊ, मंगलवार, 20 दिसम्बर 2022

प्रयागराज

तिजारत

भारत के नेतृत्व को स्वीकार कर रहा विश्व : राज्यपाल

तिजारत संवाददाता

प्रयागराज। उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज का 17वां दीक्षान्त समारोह सोमवार को सरस्वती परिसर स्थित अटल प्रेक्षागृह में आयोजित किया गया। दीक्षान्त समारोह की अध्यक्षता राज्यपाल एवं कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल ने की।

दीक्षान्त समारोह में राज्यपाल एवं कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल ने दीक्षान्त भाषण देते हुए कहा कि भारत के नेतृत्व को विश्व स्वीकार कर रहा है। विश्वविद्यालय ऐसे छात्रों को तैयार करे जो भारतीय विशेषता को जी-20 में सहभाग कर रहे देश के प्रतिनिधियों को बताएं। उन्होंने कहा कि 2030 तक उच्च शिक्षा में युवाओं की हिस्सेदारी को बढ़ाकर 30% से 50% करने का लक्ष्य रखा जाए। राज्यपाल श्रीमती पटेल ने कहा कि युवाओं को संवेदनशीलता, देशभक्ति, पर्यावरण संरक्षण, जल संरक्षण के साथ ही अपने दायित्वों का निर्वाह करना चाहिए। कहा कि शिक्षा का क्षेत्र अत्यन्त व्यापक है। अतः इसकी समग्रता को समझते हुए प्राथमिक व माध्यमिक स्तर के विद्यालयों के प्रधानाचार्य को विश्वविद्यालय में बुलाकर उच्च शिक्षा

▸ प्रतिज्ञा मिश्रा को चार अंजलि को मिले तीन स्वर्ण पदक

को बढ़ावा देने के उद्देश्य से चर्चा की जाए जिससे गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा की व्यवस्था सुनिश्चित हो सके। उन्होंने दिव्यांगों एवं किन्नरों की उच्च शिक्षा के लिए भी समाज में जागरूकता फैलाने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि कस्तूरबा विद्यालयों में 12वीं तक की शिक्षा सुनिश्चित की जाएगी। इसके लिए राज्य सरकार प्रयास कर रही है। श्रीमती पटेल ने रजत जयंती वर्ष में दीक्षांत समारोह आयोजित करने एवं उच्च शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने पर विश्वविद्यालय परिवार को हार्दिक बधाई दी। उन्होंने उपाधि प्राप्त करने वाले छात्रों को संदेश दिया कि भारत की युवा पीढ़ी को हमारी भव्य आध्यात्मिक एवं बौद्धिक विरासत का मनोयोग पूर्वक अध्ययन करना चाहिए।

कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने स्वागत भाषण एवं प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय अपनी शैक्षिक उपलब्धियों के साथ ही अपनी संरचना के विकास की ओर भी तीव्रता से गतिमान है।

विश्वविद्यालय के बहुआयामी विकास एवं समाज के उपेक्षित वर्ग को मुख्यधारा से जोड़ने के लिए विश्वविद्यालय सदैव तत्पर रहता है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय का महिला अध्ययन केंद्र गांव में जागरूकता शिविर लगाकर ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में प्रयत्नशील है। सामाजिक सरोकार से संबंधित कार्यों तथा अपने दायित्व को भी विश्वविद्यालय पूर्ण मनोयोग से पूर्ण कर रहा है। 17वें दीक्षान्त समारोह में विभिन्न विद्याशाखाओं में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले शिक्षार्थियों को 23 स्वर्ण पदक प्रदान किये गये, जिनमें 8 स्वर्ण पदक छात्रों तथा 15 स्वर्णपदक छात्राओं को मिले। दीक्षान्त समारोह में सत्र दिसम्बर 2021 तथा जून 2022 की परीक्षा के सापेक्ष उत्तीर्ण लगभग 20 हजार शिक्षार्थियों को उपाधि प्रदान की गयी। अटल प्रेक्षागृह में दीक्षान्त समारोह के भव्य आयोजन के उपरान्त उपाधियां डिजीलॉकर पर अपलोड कर दी गयीं। दीक्षान्त समारोह भारतीय पारम्परिक परिधान में आयोजित किया गया। दीक्षांत समारोह की अध्यक्ष राज्यपाल एवं कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल ने 17वें दीक्षान्त समारोह में कुलाधिपति स्वर्ण पदक विश्वविद्यालय मुख्य परिसर अध्ययन केंद्र की छात्रा प्रतिज्ञा मिश्रा को प्रदान किया। प्रतिज्ञा मिश्रा ने एम0ए0 भूगोल विषय की परीक्षा प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण की तथा समस्त विद्याशाखाओं की स्नातक एवं स्नातकोत्तर परीक्षाओं में उत्तीर्ण समस्त स्नातक/परास्नातक शिक्षार्थियों में सर्वश्रेष्ठ रहीं। राज्यपाल आनंदीबेन ने विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक इस बार स्नातकोत्तर वर्ग में विद्याशाखाओं के 06 टॉपर्स को दिए। जिसमें मानविकी विद्याशाखा से विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक श्री बाबा राघव राम महाविद्यालय आजमगढ़ अध्ययन केन्द्र से पंजीकृत एम0ए0 (अर्थशास्त्र) की छात्रा इन्द्रवासिनी को, समाज विज्ञान विद्याशाखा से विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक विश्वविद्यालय मुख्य परिसर अध्ययन केंद्र से पंजीकृत एम0ए0 (भूगोल) की छात्रा प्रतिज्ञा मिश्रा को, प्रबन्धन अध्ययन विद्याशाखा से विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक, रामस्वरूप ग्राम उद्योग स्नातकोत्तर महाविद्यालय, पुखरायां, कानपुर अध्ययन केन्द्र से पंजीकृत एम. बी. ए. के छात्र रजत कुमार राय को, शिक्षा विद्याशाखा से विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक, कृष्ण सुदामा महाविद्यालय, सादात, गाजीपुर अध्ययन केन्द्र से पंजीकृत एम0ए0 (शिक्षाशास्त्र) के छात्र जितेंद्र कुमार यादव को, विज्ञान विद्याशाखा से विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक, किसान मजदूर महाविद्यालय भीटी मऊ अध्ययन केन्द्र से पंजीकृत एमएससी (जैव रसायन) की छात्रा अमृता गुप्ता को, स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा से विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक, श्री तीरथ महाविद्यालय, मथुरा, अध्ययन केंद्र से पंजीकृत एमएससी (खाद्य एवं पोषण) की छात्रा नेहा राठौर को दिया गया। राज्यपाल श्रीमती पटेल ने स्नातक वर्ग में भी विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक 06 मेधावी छात्रों को दिए। प्रारंभ में समारोह की अध्यक्ष राज्यपाल आनंदीबेन पटेल एवं कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने दीप प्रज्ज्वलन कर एवं जल संरक्षण के लिए जल भरो अभियान से दीक्षांत समारोह की शुरुआत की। इससे पूर्व शोभायात्रा निकाली गई। शोभा यात्रा का स्वागत भारत स्काउट एंड गाइड के स्वयं सेवकों ने घोष के साथ किया। दीक्षांत समारोह का संचालन प्रोफेसर पीके पांडेय एवं डॉ श्रुति ने किया।

इलाहाबाद एक्सप्रेस

प्रयागराज

state 05

'World accepting India's leadership'

PIONEER NEWS SERVICE ■ PRAYAGRAJ

UPRTOU CONVOCATION

World is accepting India's leadership, so prepare students from the university, who should cooperate in G-20 with Indian specialties, said the Uttar Pradesh Governor, Anandiben Patel while addressing the 17th Convocation of UP Rajarshi Tandon Open University here on Monday.

The convocation was delayed owing to bad weather conditions which did not allow the Governor to fly from

प्रयागराज मंगलवार, 20 दिसम्बर 2022 पृष्ठ- 4

राज्यपाल ने 17वें दीक्षान्त समारोह का दीप प्रज्ज्वलन कर किया शुभारम्भ

प्रयागराज।। प्रयाग प्रभात न्यूज

प्रयागराज उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय का 17वां दीक्षान्त समारोह सोमवार को सरस्वती परिसर स्थित अटल प्रेक्षागृह मे आयोजित किया गया। दीक्षान्त समारोह की अध्यक्षता राज्यपाल एवं कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल ने की। कुलाधिपति ने कहा कि भारत के नेतृत्व को विश्व स्वीकार कर रहा है। विश्वविद्यालय ऐसे छात्रों को तैयार करे जो भारतीय विशेषता को जी–20 मे सहभाग कर रहे देश के प्रतिनिधियो को बताएं। उन्होंने कहा कि 2030 तक उच्च शिक्षा मे युवाओ की हिस्सेदारी को बढ़ाकर 30 प्रतिशत से 50 प्रतिशत करने का लक्ष्य रखा जाए। युवाओ को संवेदनशीलता, देशभक्ति, पर्यावरण संरक्षण, जल संरक्षण के साथ ही अपने दायित्वो का निर्वाह करना चाहिए।राज्यपाल ने रजत जयंती वर्ष मे दीक्षांत समारोह आयोजित करने एवं उच्च शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने पर विश्वविद्यालय परिवार को हार्दिक बधाई दी। उन्होने उपाधि प्राप्त करने वाले छात्रों को संदेश दिया कि भारत की युवा पीढ़ी को हमारी भव्य आध्यात्मिक एवं बौद्धिक विरासत का मनोयोग पूर्वक अध्ययन करना चाहिए। कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने स्वागत भाषण एवं प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय अपनी शैक्षिक उपलब्धियो के साथ ही अपनी संरचना के विकास की ओर भी तीव्रता से गतिमान है। विश्वविद्यालय के बहुआयामी विकास एवं समाज के उपेक्षित वर्ग को मुख्यधारा से जोड़ने के लिए विश्वविद्यालय सदैव तत्पर रहता है। उन्होंने कहा कि विश्व विद्यालय का महिला अध्ययन केंद्र गांव में जागरूकता शिविर लगाकर ग्रामीण महिलाओ को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में प्रयत्नशील है। सामाजिक सरोकार से संबंधित कार्यों तथा अपने दायित्व को भी विश्वविद्यालय पूर्ण मनोयोग से पूर्ण कर रहा है। 17वें दीक्षान्त समारोह मे विभिन्न विद्याशाखाओं में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले शिक्षार्थियों को 23 स्वर्ण पदक प्रदान किये गये, जिनमें 8 स्वर्ण पदक छात्रों तथा 15 स्वर्णपदक छात्राओं को मिले। दीक्षान्त

समारोह में सत्र दिसम्बर 2021 तथा जून 2022 की परीक्षा के सापेक्ष उत्तीर्ण लगभग 20 हजार शिक्षार्थियो को उपाधि प्रदान की गयी। अटल प्रेक्षागृह में दीक्षान्त समारोह के भव्य आयोजन के उपरान्त उपाधियां डिजीलॉकर पर अपलोड कर दी गयी। दीक्षान्त समारोह भारतीय पारम्परिक परिधान मे आयोजित किया गया। कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल ने 17वें दीक्षान्त समारोह में कुलाधिपति स्वर्ण पदक विश्वविद्यालय मुख्य परिसर अध्ययन केंद्र की छात्रा प्रतिज्ञा मिश्रा को प्रदान किया। प्रतिज्ञा मिश्रा ने एम0ए0 भूगोल विषय की परीक्षा प्रथम श्रेणी मे उत्तीर्ण की तथा समस्त विद्याशाखाओं की स्नातक एवं स्नातकोत्तर परीक्षाओं मे उत्तीर्ण समस्त स्नातक₹परास्नातक शिक्षार्थियो मे सर्वश्रेष्ठ रही। राज्यपाल ने विश्व विद्यालय स्वर्ण पदक इस बार स्नातकोत्तर वर्ग मे विद्याशाखाओ के 06 टापर्स को दिए। इस बार राज्यपाल के निर्देश पर विश्वविद्यालय के सभी 12 क्षेत्रीय केंद्रों पर दीक्षांत सप्ताह के अंतर्गत दीक्षोत्सव के कार्यक्रम आयोजित किए गए। जिसमें विभिन्न खेलकूद प्रतियोगिताएं एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमो का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय स्तर पर निर्णायक मंडल द्वारा चयनित किए गए सर्वश्रेष्ठ प्रतिभागियो मे परम्परागत खेल प्रतियोगिता में आदित्य कुमार,काव्य लेखन मे आशीष शर्मा,निबंध लेखन में सुरेंद्र यादव,चित्रकला मे प्रांजली यादव,देशभक्ति गीत में प्रमोद कुमार द्विवेदी,लोक नृत्य में आंचल अग्रवाल तथा भाषण प्रतियोगिता में जगवीर सिंह चौधरी को पुरस्कृत किया गया। इसके साथ ही राज्यपाल ने प्रोफेसर ओम जी गुप्ता तथा प्रोफेसर जी एस शुक्ल को उत्कृष्ट शिक्षक पुरस्कार प्रदान किया। इस अवसर पर उन्होंने विश्वविद्यालय के सर्वश्रेष्ठ क्षेत्रीय केंद्र के रूप में चयनित प्रयागराज क्षेत्रीय केंद्र के समन्वयक डॉ अभिषेक सिंह को सम्मानित किया। राज्यपाल ने इस अवसर पर राज अंध विद्यालय के दृष्टिबाधित छात्र–छात्राओ एवं भारत स्काउट एंड गाइड के स्वयंसेवक बच्चो को उपहार स्वरूप बैग वितरित किए। विश्वविद्यालय के इतिहास मे पहली बार इस दीक्षांत समारोह मे प्रतिज्ञा मिश्रा को 4 स्वर्ण पदक प्रदान किए गये। विश्वविद्यालय के रजत जयंती वर्ष में आयोजित होने वाला यह दीक्षांत समारोह प्रतिज्ञा मिश्रा की इस उपलब्धि के रूप मे याद किया जाएगा। इसके साथ ही एक अन्य छात्रा अंजली सिंह को तीन स्वर्ण पदक एक साथ दिए३

{ UPRTOU CONVOCATION }

Entire world looking to India to resolve major issues: Guv

HT Correspondent
allahabad.htdesk@hindustantimes.com

PRAYAGRAJ: Uttar Pradesh governor Anandiben Patel on Monday said the world looked towards India when it came to resolving major issues, including global warming and environmental challenges.

Speaking at the 17th Convocation Function of Uttar Pradesh Rajarshi Tandon Open University (UPRTOU), she said a target should be set to increase the share of youths in higher education from 30% to 50% by 2030.

"Youths should fulfil their responsibilities with sensitivity and patriotism while working in the fields of environmental protection and water conservation," she said while addressing the gathering as the chancellor of the lone state open university of Uttar Pradesh.

She also stressed on the need for spreading awareness in society for higher education of differently abled members of the transgender community.

Highlighting the Dr Shakuntala Misra National Rehabilitation University (DSMRU) for differently abled in Lucknow, the governor said it pained her to see that only around 30% of differently abled students took

Governor Anandiben Patel speaking at the function in Prayagraj on Monday HT PHOTO

admission in this university set up especially for them.

"I appeal to all teachers, principals and faculty members of the higher education institution to spread awareness about this university (DSMRU) so that needy students continue their education," she said. The governor said that as the world faced issues, global leaders were looking towards India to resolve them and lead the world.

Talking of G20 nations and India heading the group, the governor said these 20 nations of the group controlled 80% of the world resources and as such these nations should function like mentors for the rest of the world. The governor also talked

Medal winners pose for the camera HT PHOTO

of promoting the literacy among the fairer sex and the jail inmates.

UPRTOU vice-chancellor prof Seema Singh delivered the welcome address and presented the progress report of the university. She said the university is rapidly moving towards the development of its infrastructure along with its academic achievements.

"The university is always ready for its multi-faceted development and to connect the neglected sections of the society with the mainstream," she added. During the convocation, 23 gold medals were awarded to the students who scored the highest marks in various streams. Of them, eight gold medals were awarded to male students while 15 gold medals went to girl students. Moreover, degrees were awarded to around 20,000 students who passed the exams of sessions December 2021 and June 2022.

The Chancellor's Gold Medal was awarded to Kushinagar's Pratigya Mishra, a student of the university's main campus study centre. This time 10 meritorious students were honoured with the Donor Gold Medals. Shri Kailashpat Nevetia Memorial Gold medal was awarded to Smita Dikshit for standing first in MBA course. Dikshit, who has recently done her PhD from Allahabad University, is presently working as an assistant professor at United University.

For the first time in the history of the university, Pratigya Mishra was awarded four gold medals. Another student Anjali Singh was awarded three gold medals.

World looking up to India for solution to green issues: Guv

Rajeev.Mani@timesgroup.com

Prayagraj: The entire world is looking towards India when it comes to finding the solution of major issues like global warming and environmental challenges, said Governor Anandiben Patel during the convocation of Uttar Pradesh Rajarshi Tandon Open University (UPRTOU) on Monday.

Speaking about Dr Shakuntala Misra National Rehabilitation University (DSMRU) for differently-abled at Lucknow, the Governor said that it pains her to see that only around 30% of differently abled students are taking admission in the University which is especially made for them. "I appeal to all the teachers, principals and faculty members of the higher education institution to spread awareness about this university so that needy students should continue

Anuj Khanna

Governor Anandiben Patel inaugurating the convocation ceremony of UPRTOU on Monday

their education," she said.

She added that as the world is facing issues like global warming, global leaders are looking towards India. Talking of G20 nations and India heading the group, the Governor said these 20 nations of the group control 80% of the world's resources and as such, these nations should function like mentors for the rest of the world.

The governor also spoke about promoting literacy among the fairer sex and jail inmates. She said the university should prepare such students who will tell the representatives of the country participating in the G-20 about the rich legacy and traditions of the country. She said that a target should be set to increase the share of youth in higher education from 30% to 50% by 2030.

The Governor said that the youth should fulfil their responsibilities with sensitivity and patriotism. She said that the field of education is very broad and therefore, students should understand it in totality.

The Governor said that meetings of G-20 countries would be organised in Agra, Varanasi, Lucknow and Greater Noida and the university should participate enthusiastically in the event. She said students who foreign languages could interact with the representatives.

भारत के नेतृत्व को स्वीकार कर रहा विश्वः राज्यपाल

प्रतिज्ञा मिश्रा को चार अंजलि को मिले तीन स्वर्ण पदक

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, **प्रयागराज।** उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय का 17वां दीक्षान्त समारोह सोमवार को सरस्वती परिसर स्थित अटल प्रेक्षागृह में आयोजित किया गया। दीक्षान्त समारोह की अध्यक्षता राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने की। दीक्षान्त समारोह में राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने दीक्षान्त भाषण देते हुए कहा कि भारत के नेतृत्व को विश्व स्वीकार कर रहा है। विश्वविद्यालय ऐसे छात्रों को तैयार करे जो भारतीय विशेषता को जी-20 में सहभाग कर रहे देश के प्रतिनिधियों को बताएं। उन्होंने कहा कि 2030 तक उच्च शिक्षा में युवाओं की हिस्सेदारी को बढ़ाकर 30: से 50: करने का लक्ष्य रखा जाए। राज्यपाल श्रीमती पटेल ने कहा कि युवाओं को संवेदनशीलता, देशभक्ति, पर्यावरण

संरक्षण, जल संरक्षण के साथ ही अपने दायित्वों का निर्वाह करना चाहिए। कहा कि शिक्षा का क्षेत्र अत्यन्त व्यापक है। कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने स्वागत भाषण एवं प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय अपनी शैक्षिक उपलब्धियों के साथ ही अपनी संरचना के विकास की ओर भी तीव्रता से गतिमान है। 17वें दीक्षान्त समारोह में विभिन्न विद्याशाखाओं में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले शिक्षाथियों को 23 स्वर्ण पदक प्रदान किये गये, जिनमें 8 स्वर्ण पदक छात्रों तथा 15 स्वर्णपदक छात्राओं को मिले। दीक्षान्त समारोह में सत्र दिसम्बर 2021 तथा जून 2022 की परीक्षा के सापेक्ष उत्तीर्ण लगभग 20 हजार शिक्षाथियों को उपाधि प्रदान की गयी।

हिन्दुस्तान
भरोसा नए हिन्दुस्तान का
मंगलवार
20 दिसंबर 2022, पौष कृष्ण पक्ष, द्वादशी, विक्रम संवत् 2079, प्रयागराज
नगर संस्करण • पांच प्रदेश • 21 संस्करण

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में राज्यपाल ने बेटियों की प्रतिभा को सराहा

20 हजार शिक्षार्थियों को प्रदान की गई उपाधि

प्रयागराज, संवाददाता। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के 17वें दीक्षांत समारोह में लगभग 20 हजार शिक्षार्थियों को उपाधि प्रदान की गई। सबसे ज्यादा स्वर्ण पदक हासिल करने वाली बेटियों की राज्यपाल ने सराहना की।

सोमवार को सरस्वती परिसर स्थित अटल प्रेक्षागृह में आयोजित समारोह

हिन्दुस्तान
भरोसा नए हिन्दुस्तान का

जी-20 के लिए विश्वविद्यालय तैयार करें मेधावी : राज्यपाल

- यूपी राजर्षि टंडन मुक्त विवि का 17वां दीक्षांत समारोह
- 17 विद्यार्थियों को दिए गए कुल 23 गोल्ड मेडल

प्रयागराज, संवाददाता। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय का 17वां दीक्षांत समारोह सोमवार को सरस्वती परिसर स्थित अटल प्रेक्षागृह में आयोजित किया गया। समारोह की अध्यक्षता राज्यपाल व कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल ने की। समारोह में कुशीनगर की प्रतिज्ञा मिश्रा को कुलाधिपति समेत सर्वाधिक चार गोल्ड मेडल प्रदान किए गए। विभिन्न विद्याशाखाओं में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले शिक्षार्थियों को 23 स्वर्ण पदक प्रदान किए गए। जिनमें 8 स्वर्ण पदक छात्रों तथा 15 स्वर्ण पदक छात्राओं को मिले। लगभग 20 हजार शिक्षार्थियों को उपाधि प्रदान की गई। समारोह में राज्यपाल ने कहा कि भारत के नेतृत्व को विश्व स्वीकार कर रहा है। जी-20 सम्मेलन में युवाओं के पास बेहतर मौके हैं। अपने को ऐसा विकसित करें कि वे अगुवाई कर सकें। विश्वविद्यालय ऐसे छात्रों को तैयार करें, जो भारतीय विशेषता को जी-20 में सहभाग कर रहे देश के प्रतिनिधियों को बता सकें।

उन्होंने कहा कि वर्ष 2030 तक उच्च शिक्षा में युवाओं की हिस्सेदारी को बढ़ाकर 30 प्रतिशत से 50 प्रतिशत करने का लक्ष्य रखा जाए। युवाओं को संवेदनशीलता, देशभक्ति, पर्यावरण संरक्षण, जल संरक्षण के साथ ही अपने दायित्वों का निर्वाह करना चाहिए।

महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने में विवि प्रयत्नशील

कुलपति प्रो. सीमा सिंह ने स्वागत भाषण और प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय अपनी शैक्षिक उपलब्धियों के साथ ही अपनी संरचना के विकास की ओर भी तेजी से गतिमान है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय का महिला अध्ययन केंद्र गांव में जागरूकता शिविर लगाकर ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में प्रयत्नशील है।

शिक्षा का क्षेत्र अत्यन्त व्यापक है। अतः इसकी समग्रता को समझते हुए प्राथमिक व माध्यमिक स्तर के विद्यालयों के प्रधानाचार्य को विवि में बुलाकर उच्च शिक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से चर्चा की जाए।

मेधावियों को मिले 23 स्वर्ण पदक, बंटीं 20 हजार उपाधियां

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में सोमवार को आयोजित 17वें दीक्षांत समारोह में 17 मेधावियों को 23 स्वर्ण पदक प्रदान किए गए। इनमें आठ पदक छात्रों और 15 पदक छात्राओं को प्रदान किए गए। मुख्य अतिथि राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने मेधावियों को अपने हाथों से मेडल प्रदान करते हुए बेटियों की अधिक हिस्सेदारी पर अपनी खुशी जाहिर की।

राज्यपाल के हाथों से मेडल पाकर मेधावियों के चेहरे खिल उठे। कुलाधिपति मेडल प्रतिज्ञा मिश्रा को दिया गया। प्रतिज्ञा को कुल चार मेडल मिले। विश्वविद्यालय के इतिहास में पहली बार किसी छात्रा को इतने मेडल मिले हैं। प्रतिज्ञा ने एमए भूगोल विषय की परीक्षा प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण की और समस्त विद्याशाखाओं की स्नातक एवं स्नातकोत्तर परीक्षाओं में उत्तीर्ण समस्त शिक्षार्थियों में सर्वश्रेष्ठ रहीं। इसके साथ ही सत्र दिसंबर 2021 और जून 2022 की परीक्षा में उत्तीर्ण तकरीबन 20 हजार शिक्षार्थियों को उपाधियां प्रदान की गईं।

विश्वविद्यालय के अटल प्रेक्षागृह में आयोजित दीक्षांत समारोह में वितरित की गईं उपाधियां डिजी लॉकर पर भी अपलोड कर दी गई हैं। कुलपति प्रो. सीमा सिंह ने स्वागत भाषण एवं प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय का महिला अध्ययन केंद्र गांवों में जागरूकता शिविर लगाकर ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में प्रयत्नशील है। दीक्षांत समारोह का संचालन प्रो. पीके पांडेय एवं डॉ. श्रुति ने किया।

विजेता प्रतिभागी एवं शिक्षक पुरस्कृत: राज्यपाल के निर्देश पर विश्वविद्यालय के सभी 12 क्षेत्रीय केंद्रों में दीक्षांत सप्ताह के तहत दीक्षोत्सव के

राज्य विवि का दीक्षांत समारोह आज

प्रयागराज। प्रो. राजेंद्र सिंह (रज्जू भइया) राज्य विश्वविद्यालय का दीक्षांत समारोह 20 दिसंबर को सुबह 10.30 बजे नैनी स्थित विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित किया जाएगा। इस दौरान 42 पाठ्यक्रमों में 145 मेधावियों को कुल 150 पदक प्रदान किए जाएंगे। इनमें 57 पदक छात्रों और 93 पदक छात्राओं को दिए जाएंगे। युनाइटेड इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट के बीसीए के छात्र अनुराग राय को कुलाधिपति सहित तीन स्वर्ण पदक दिए जाएंगे। इसरो के पूर्व चेयरमैन डॉ. कृष्णस्वामी कस्तूरीरंगन मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहेंगे। अध्यक्षता राज्यपाल आनंदीबेन पटेल करेंगी। वहीं, विशिष्ट अतिथि के रूप में उच्च शिक्षा राज्यमंत्री रजनी तिवारी मौजूद रहेंगी।

दृष्टिबाधित विद्यार्थियों को मिले उपहार : राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने राज अंध विद्यालय के दृष्टिबाधित छात्र-छात्राओं एवं भारत स्काउट एंड गाइड के स्वयंसेवक बच्चों को उपहार स्वरूप बैग वितरित किए। राज्यपाल के हाथों उपहार पाकर बच्चों के चेहरे खिल उठे।

तीन घंटे विलंब से शुरू हुआ समारोह : मुक्त विश्वविद्यालय का 17वां दीक्षांत समारोह सोमवार सुबह 11 बजे से शुरू होना था, लेकिन राज्यपाल आनंदीबेन पटेल तीन घंटे विलंब से पहुंचीं और समारोह अपराह्न दो बजे शुरू हो सका। खराब मौसम के कारण हेलीकॉप्टर अपने निर्धारित समय पर उड़ान नहीं भर सका। ऐसे में राज्यपाल को सड़क मार्ग से प्रयागराज के लिए रवाना होना पड़ा।

दैनिक जागरण
उत्तरप्रदेश, दिल्ली, मध्यप्रदेश, हरियाणा, उत्तराखंड, बिहार, झारखंड, पंजाब, जम्मू कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और प. बंगाल से प्रकाशित

जी-20 देशों को ऐसे बताएं भारत की पहचान, पूरे विश्व में हो जाए हमारा नाम

कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल का आह्वान जी-20 सम्मेलन में भारतीय संस्कृति व विज्ञान को दिखाने में जुटें विश्वविद्यालय

सोमवार को उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के 17वें दीक्षा समारोह में गोल्ड मेडल प्राप्त मेधावियों के साथ राज्यपाल आनंदी बेन पटेल साथ में कुलपति प्रो. सीमा सिंह ● जागरण

जागरण संवाददाता, प्रयागराज: उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय का 17वां दीक्षा समारोह सोमवार को हुआ। अपने दीक्षा भाषण में राज्यपाल एवं कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल ने कहा कि भारत के नेतृत्व को विश्व स्वीकार कर रहा है। अगले वर्ष जी-20 देशों के सम्मेलन की अध्यक्षता व मेजबानी भारत करेगा। उत्तर प्रदेश सहित देश भर में बैठकों का आयोजन होगा। इसमें विश्व के प्रमुख देशों के राष्ट्राध्यक्ष, राजनयिक और नागरिक शामिल होंगे। विश्वविद्यालय इन बैठकों के उद्देश्य को समझें और ऐसे प्रतिभाशाली छात्रों को तैयार करें जो विदेशी भाषाओं में दक्ष और भारतीय परंपराओं व संस्कृतियों के जानकार हों, ताकि जी-20 में सहभाग कर रहे देश के प्रतिनिधियों को भारतीय विशेषताएं, संस्कृतियों और हमारी प्राचीन परंपराओं से परिचित करा सकें और उनसे सीख सकें।

अपने 35 मिनट के दीक्षा भाषण में कुलाधिपति ने कहा कि इन जी-20 देशों की उत्तर प्रदेश में हो रही बैठकों में विश्वविद्यालय के शिक्षक नवाचार और स्टार्टअप की प्रदर्शनी लगाएं। इसके लिए अभी से प्रयास शुरू कर दें। कुलाधिपति ने उच्च शिक्षा में कम पंजीकरण पर चिंता जताई। कहा कि अभी शिक्षा में युवाओं की हिस्सेदारी 30 प्रतिशत है। 2030 तक इसको बढ़ाकर 50 प्रतिशत करने का लक्ष्य रखा जाए। उन्होंने दिव्यांगों एवं किन्नरों की उच्च शिक्षा के लिए भी समाज में जागरूकता फैलाने की आवश्यकता पर बल दिया। कहा कि ट्रांसजेंडर को प्रकृति ने बनाया है। ऐसे में उनसे भेदभाव उचित नहीं है। कुलाधिपति ने कहा कि कस्तूरबा विद्यालयों में 12वीं तक की शिक्षा सुनिश्चित की जाएगी। इससे पूर्व कुलाधिपति आनंदी बेन पटेल, कुलपति प्रो. सीमा सिंह और कुलसचिव प्रो. पीपी दुबे ने दीप प्रज्वलन कर एवं जल संरक्षण के लिए जल भरो अभियान से दीक्षा समारोह की शुरुआत की। इसके बाद कुलाधिपति ने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले 17 विद्यार्थियों को 23 स्वर्णपदक और 20 हजार को उपाधि प्रदान की।

यूपीएससी में सफलता है लक्ष्य : प्रतिज्ञा मिश्रा

साक्षात्कार

जासं, प्रयागराज: राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के दीक्षा समारोह में कुलाधिपति स्वर्ण पदक विश्वविद्यालय मुख्य परिसर केंद्र की छात्रा प्रतिज्ञा मिश्रा को मिला। प्रतिज्ञा मिश्रा ने एमए भूगोल विषय की परीक्षा प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण की तथा समस्त विद्याशाखाओं की स्नातक एवं स्नातकोत्तर परीक्षाओं में सर्वश्रेष्ठ रहीं। कुशीनगर के कसिया स्थित गांव माधोपुर की निवासी प्रतिज्ञा ने कुलाधिपति, अपने विषय में सर्वश्रेष्ठ सहित दो अन्य पदक भी हासिल किए। दिल्ली विश्वविद्यालय के भास्कराचार्य कालेज आफ अप्लाइड साइंस से स्नातक प्रतिज्ञा मिश्रा ने कहा कि वे प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रही हैं। दूरस्थ शिक्षा बहुत लाभदायक है। इस माध्यम से हम तैयारी के साथ साथ उच्च शिक्षा भी प्राप्त कर सकते हैं। सफलता का श्रेय अपने पिता विनोद कांत मिश्र और मां कस्तूरबा गांधी विद्यालय की शिक्षक कुसुम मिश्र को दिया है।

अंजलि सिंह की सास को कुलाधिपति ने दी बधाई: अपना संबोधन शुरू करने के बाद कुलाधिपति ने कहा कि एक छात्रा (अंजलि सिंह) ने तीन स्वर्ण पदक हासिल किया। मैंने पूछा तो छात्रा ने बताया कि उन्होंने अपनी ससुराल में रहकर नौकरी और पढ़ाई दोनों की। इसके लिए छात्रा की सास को मैं बधाई देती हूं। ससुराल में रहकर पढ़ाई करने वाली इस छात्रा ने तीन स्वर्णपदक पाए। यह दूसरे लोगों के लिए सीख लेने वाली घटना है।

प्रयागराज युवा Youth
amarujala.com
प्रयागराज | मंगलवार, 20 दिसंबर 2022
6

मेधावियों को मिले 23 स्वर्ण पदक, बंटीं 20 हजार उपाधियां

मुक्त विवि के दीक्षांत समारोह में राज्यपाल ने वितरित किए मेडल, सभी शिक्षार्थियों की उपाधियां डिजी लॉकर में की गईं अपलोड

अमर उजाला ब्यूरो

सोमवार को राजर्षि टंडन मुक्त विवि के दीक्षांत समारोह में राज्यपाल आनंदी बेन पटेल के हाथों गोल्ड मेडल प्राप्त करने वाले मेधावी अमर उजाला

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में सोमवार को आयोजित 17वें दीक्षांत समारोह में 17 मेधावियों को 23 स्वर्ण पदक प्रदान किए गए। इनमें आठ पदक छात्रों और 15 पदक छात्राओं को प्रदान किए गए। मुख्य अतिथि राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने मेधावियों को अपने हाथों से मेडल प्रदान करते हुए बेटियों की अधिक हिस्सेदारी पर अपनी खुशी जाहिर की।

कुलाधिपति मेडल प्रतिज्ञा मिश्रा को दिया गया। प्रतिज्ञा को कुल चार मेडल मिले। विश्वविद्यालय के इतिहास में पहली बार किसी छात्रा को इतने मेडल मिले हैं। प्रतिज्ञा ने एमए भूगोल विषय की परीक्षा प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण की और समस्त विद्याशाखाओं की स्नातक एवं स्नातकोत्तर परीक्षाओं में उत्तीर्ण समस्त शिक्षार्थियों में सर्वश्रेष्ठ रहीं। सत्र दिसंबर 2021 और जून 2022 की परीक्षा में उत्तीर्ण तकरीबन 20 हजार शिक्षार्थियों को उपाधियां प्रदान की गईं।

विश्वविद्यालय के अटल प्रेक्षागृह में आयोजित दीक्षांत समारोह में वितरित की गई उपाधियां डिजी लॉकर पर भी अपलोड कर दी गई हैं। कुलपति प्रो. सीमा सिंह ने कहा कि विवि का महिला अध्ययन केंद्र गांवों में जागरूकता शिविर लगाकर ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में प्रयत्नशील है। दीक्षांत समारोह का संचालन प्रो. पीके पांडेय एवं डॉ. श्रुति ने किया।

विजेता प्रतिभागी एवं शिक्षक पुरस्कृत: राज्यपाल के निर्देश पर विश्वविद्यालय के सभी 12 क्षेत्रीय केंद्रों में दीक्षांत सप्ताह के तहत दीक्षोत्सव के कार्यक्रम आयोजित किए गए। परंपरागत खेल प्रतियोगिता में आदित्य कुमार, काव्य लेखन में आशीष शर्मा, निबंध लेखन में सुरेंद्र यादव, चित्रकला में प्रांजली यादव, देशभक्ति गीत में प्रमोद कुमार द्विवेदी, लोक नृत्य में आंचल अग्रवाल एवं भाषण प्रतियोगिता में जगवीर सिंह चौधरी को पुरस्कृत किया गया।

राज्यपाल ने प्रो. ओम जी गुप्ता एवं प्रोफेसर जीएस शुक्ल को उत्कृष्ट शिक्षक पुरस्कार प्रदान किया। उन्होंने सर्वश्रेष्ठ क्षेत्रीय केंद्र के रूप में चयनित प्रयागराज केंद्र के समन्वयक डॉ. अभिषेक सिंह को सम्मानित किया।

दृष्टिबाधित विद्यार्थियों को मिले उपहार: राज्यपाल ने राज अंध विद्यालय के दृष्टिबाधित छात्र-छात्राओं एवं भारत स्काउट एंड गाइड के स्वयंसेवक बच्चों को उपहार स्वरूप बैग वितरित किए।

तीन घंटे की देरी: राज्यपाल को लखनऊ से हेलिकॉप्टर से आना था। खराब मौसम के कारण हेलिकॉप्टर नहीं उड़ सका। ऐसे में राज्यपाल को सड़क मार्ग से रवाना होना पड़ा। इससे कार्यक्रम में तीन घंटे की देरी हुई।

इन्हें मिले पदक: परास्नातक वर्ग में विवि स्वर्ण पदक मानविकी विद्याशाखा में इंद्रवासिनी, समाज विज्ञान विद्याशाखा में प्रतिज्ञा मिश्रा, प्रबंधन अध्ययन विद्याशाखा में रजत कुमार राय, शिक्षा विद्याशाखा में जितेंद्र कुमार यादव, विज्ञान विद्याशाखा में अमृता गुप्ता, स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा में नेहा राठौर।

स्नातक वर्ग में विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक: मानविकी विद्याशाखा में हरिकेश चौहान, समाज विज्ञान विद्याशाखा में संदीप कुमार, प्रबंधन अध्ययन विद्याशाखा में शुभम श्रीवास्तव, कंप्यूटर एवं सूचना विज्ञान विद्याशाखा में शालिनी मिश्रा, शिक्षा विद्याशाखा में अंजली सिंह, विज्ञान विद्याशाखा विकास कुमार चौरसिया।

दानदाता स्वर्ण पदक: छात्रा अंजली राय, छात्रा प्रतिज्ञा मिश्र, अंजली सिंह, स्मिता दीक्षित, संदीप कुमार, सुधांशु गुप्ता, भव्या सिंह, रुचि यादव।

आईएएस बनना चाहती हैं प्रतिज्ञा

मुक्त विवि के दीक्षांत समारोह में कुलाधिपति सहित चार स्वर्ण पदक पाने वाली एमए भूगोल प्रतिज्ञा मिश्रा

आईएएस बनना चाहती हैं। इसके लिए वह सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी कर रही हैं और दो बार इस परीक्षा में शामिल हो चुकी हैं। मूलतः कुशीनगर की रहने वाली प्रतिज्ञा के पिता विनोद कांत मिश्रा जिला कोऑपरेटिव बैंक देवरिया से मैनेजर के पद से रिटायर हो चुके हैं और मां कुसुम मिश्रा कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में शिक्षक हैं। प्रतिज्ञा ने हाईस्कूल एवं इंटर की पढ़ाई महर्षि अरविंद विद्या मंदिर, कसिया, कुशीनगर से की। स्नातक की पढ़ाई भास्कराचार्य कॉलेज ऑफ एप्लाइड साइंसेज यूनिवर्सिटी ऑफ दिल्ली से की।

शिक्षा के क्षेत्र में ही आगे बढ़ना चाहती हैं अंजली

मुक्त विवि के दीक्षांत समारोह में तीन स्वर्ण पदक पाने वाली बीएड की छात्रा अंजली सिंह शिक्षा के क्षेत्र में ही आगे बढ़ना चाहती हैं। अंजली के पिता दिनपेश सिंह माध्यमिक शिक्षा विभाग में क्लर्क और मां अनीता सिंह गृहणी हैं। अंजली शादीशुदा है और उनकी तीन माह की बेटी है। अंजली प्राथमिक विद्यालय हरैया, अंबेडकरनगर में सहायक अध्यापिका हैं। उनके पति आलोक कुमार सिंह भी प्राथमिक विद्यालय में सहायक अध्यापक हैं। अंजली का कहना है कि मुक्त विवि से बीएड करने में उन्हें ससुराल से काफी सहयोग मिला। अंजली ने बीएड इसलिए किया, ताकि डायट प्रवक्ता और खंड शिक्षा अधिकारी (बीईओ) भर्ती परीक्षा में शामिल हो सकें।

राज्यपाल आनंदी बेन पटेल से उपहार प्राप्त करते दिव्यांग। अमर उजाला

मेधावियों को मिले 23 स्वर्ण पदक, बंटीं 20 हजार उपाधियां

मुक्त विवि के दीक्षांत समारोह में राज्यपाल ने वितरित किए मेडल, सभी शिक्षार्थियों की उपाधियां डिजी लॉकर में की गईं अपलोड

अमर उजाला ब्यूरो

सोमवार को राजर्षि टंडन मुक्त विवि के दीक्षांत समारोह में राज्यपाल आनंदी बेन पटेल के हाथों गोल्ड मेडल प्राप्त करने वाले मेधावी अमर उजाला

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में सोमवार को आयोजित 17वें दीक्षांत समारोह में 17 मेधावियों को 23 स्वर्ण पदक प्रदान किए गए। इनमें आठ पदक छात्रों और 15 पदक छात्राओं को प्रदान किए गए। मुख्य अतिथि राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने मेधावियों को अपने हाथों से मेडल प्रदान करते हुए बेटियों की अधिक हिस्सेदारी पर अपनी खुशी जाहिर की।

कुलाधिपति मेडल प्रतिज्ञा मिश्रा को दिया गया। प्रतिज्ञा को कुल चार मेडल मिले। विश्वविद्यालय के इतिहास में पहली बार किसी छात्रा को इतने मेडल मिले हैं। प्रतिज्ञा ने एमए भूगोल विषय की परीक्षा प्रथम

आईएएस बनना चाहती हैं प्रतिज्ञा

मुक्त विवि के दीक्षांत समारोह में कुलाधिपति सहित चार स्वर्ण पदक पाने वाली एमए भूगोल प्रतिज्ञा मिश्रा आईएएस

बनना चाहती हैं। इसके लिए वह सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी कर रही हैं और दो बार

शिक्षा के क्षेत्र में ही आगे बढ़ना चाहती हैं अंजली

मुक्त विवि के दीक्षांत समारोह में तीन स्वर्ण पदक पाने वाली बीएड की छात्रा अंजली सिंह शिक्षा के क्षेत्र में ही आगे

राज्य विवि का दीक्षांत समारोह आज

प्रयागराज। प्रो. राजेंद्र सिंह राज्य विश्वविद्यालय का दीक्षांत समारोह 20 दिसंबर को नैनी स्थित विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित किया जाएगा। इस

होना पड़ा। इससे कार्यक्रम में तीन घंटे की देरी हुई।

इन्हें मिले पदक: परास्नातक वर्ग में विवि स्वर्ण पदक मानविकी विद्याशाखा में इंद्रवासिनी, समाज विज्ञान विद्याशाखा में प्रतिज्ञा मिश्रा,

भारत के नेतृत्व को स्वीकार कर रहा विश्व- राज्यपाल

उ. प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय का 17वां दीक्षान्त समारोह संपन्न
प्रतिज्ञा मिश्रा को चार अंजलि को मिले तीन स्वर्ण पदक

राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू ने पूर्व राष्ट्रपति प्रतिभा पाटिल को उनके जन्मदिन पर बधाई दी

प्रातःकाल एक्सप्रेस प्रयागराज

भारत के नेतृत्व को स्वीकार कर रहा विश्व- राज्यपाल

प्रतिज्ञा मिश्रा को चार अंजलि को मिले तीन स्वर्ण पदक

वार, 20 दिसंबर 2022 प्रयागराज

भारत के नेतृत्व को स्वीकार कर रहा विश्व- राज्यपाल

प्रतिज्ञा मिश्रा को चार अंजलि को मिले तीन स्वर्ण पदक

हनुमान प्रसाद शुक्ल
मुख्य संवाददाता
पूर्वांचल स्वर

प्रयागराज । उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज का 17वां दीक्षान्त समारोह सोमवार को सरस्वती परिसर स्थित अटल प्रेक्षागृह में आयोजित किया गया । दीक्षान्त समारोह की अध्यक्षता राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने की।

दीक्षान्त समारोह में राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने दीक्षान्त भाषण देते हुए कहा कि भारत के नेतृत्व को विश्व स्वीकार कर रहा है। विश्वविद्यालय ऐसे छात्रों को तैयार करे जो भारतीय विशेषता को जी-20 में सहभाग कर रहे देश के प्रतिनिधियों को बताएं। उन्होंने कहा कि 2030 तक उच्च शिक्षा में युवाओं की हिस्सेदारी को बढ़ाकर 30% से 50% करने का लक्ष्य रखा जाए। राज्यपाल श्रीमती पटेल ने कहा कि युवाओं को संवेदनशीलता, देशभक्ति, पर्यावरण संरक्षण, जल संरक्षण के साथ ही अपने दायित्वों का निर्वाह करना चाहिए। कहा कि शिक्षा का क्षेत्र अत्यन्त व्यापक है। अतः इसकी समग्रता को समझते हुए प्राथमिक व माध्यमिक स्तर के विद्यालयों के प्रधानाचार्य को विश्वविद्यालय में बुलाकर

भाषण एवं प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय अपनी शैक्षिक उपलब्धियों के साथ ही अपनी संरचना के विकास की ओर भी तीव्रता से गतिमान है। विश्वविद्यालय के बहुआयामी विकास एवं समाज के उपेक्षित वर्ग को मुख्यधारा से जोड़ने के लिए विश्वविद्यालय सदैव तत्पर रहता है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय का महिला अध्ययन केंद्र गांव में जागरूकता शिविर लगाकर ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में प्रयत्नशील है। सामाजिक सरोकार से संबंधित कार्यों तथा अपने दायित्व को भी विश्वविद्यालय पूर्ण मनोयोग से पूर्ण कर रहा है।

17वें दीक्षान्त समारोह में विभिन्न विद्याशाखाओं में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने

स्नातक एवं स्नातकोत्तर परीक्षाओं में उत्तीर्ण समस्त स्नातक/परास्नातक शिक्षार्थियों में सर्वश्रेष्ठ रही।

राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन ने विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक इस बार स्नातकोत्तर वर्ग में विद्याशाखाओं के 06 टापर्स को दिए । जिसमें मानविकी विद्याशाखा से विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक श्री बाबा साधव राम महाविद्यालय आजमगढ़ अध्ययन केन्द्र से पंजीकृत एम0ए0 (अर्थशास्त्र) की छात्रा इन्द्रवासिनी को, समाज विज्ञान विद्याशाखा से विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक विश्वविद्यालय मुख्य परिसर अध्ययन केंद्र से पंजीकृत एम0ए0 (भूगोल) की छात्रा प्रतिज्ञा मिश्रा को, प्रबन्धन अध्ययन विद्याशाखा से विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक,

छात्रों को दिए ।

जिसमें मानविकी विद्याशाखा से विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक, रामधन दामोदर महाविद्यालय, मऊ अध्ययन केन्द्र से पंजीकृत स्नातक (बी0ए0) के छात्र हरिकेश चौहान को, समाज विज्ञान विद्याशाखा से विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक, बी बी एस पब्लिक डिग्री कॉलेज, बरना, प्रतापगढ़ अध्ययन केन्द्र से पंजीकृत स्नातक (बी0ए0) के छात्र संदीप कुमार को, प्रबन्धन अध्ययन विद्याशाखा से विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक, बी बी एस पब्लिक डिग्री कॉलेज, बरना, प्रतापगढ़ अध्ययन केन्द्र से पंजीकृत स्नातक (बी0कॉम0) के छात्र शुभम श्रीवास्तव को, कम्प्यूटर एवं सूचना विज्ञान विद्याशाखा से विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक कमला नेहरू भौतिक एवं सामाजिक विज्ञान संस्थान, सुल्तानपुर अध्ययन केन्द्र से पंजीकृत स्नातक (बी0सी0ए0) की छात्रा शालिनी मिश्रा को,

शिक्षा विद्याशाखा से विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक देव इंद्रावती महाविद्यालय, कटेहरी, अंबेडकर नगर अध्ययन केन्द्र से पंजीकृत स्नातक (बी0एड0) की छात्रा अंजली सिंह को

विज्ञान विद्याशाखा से विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक, झाम बाबा महाविद्यालय, जलालपुर,

भारतस्य नेतृत्वं विश्वं स्वीकरोति-आनंदी बेन पटेलः

विश्वविद्यालयस्य इतिहासे प्रथमवारं प्रतिज्ञा मिश्रायाः अस्मिन् दीक्षांत समारोहे 4 स्वर्णपदकानि प्रदत्तानि

लोकमित्र प्रयागराज समाचार

भारत के नेतृत्व को स्वीकार कर रहा विश्वः राज्यपाल

राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज का 17 वां दीक्षांत समारोह भव्यता के साथ आयोजित

प्रयागराज। उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज का 17वां दीक्षान्त समारोह सोमवार को सरस्वती परिसर स्थित अटल प्रेक्षागृह में आयोजित किया गया। दीक्षान्त समारोह की अध्यक्षता राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने की।दीक्षान्त समारोह में राज्यपाल

प्रतिज्ञा मिश्रा को मिले 4 तो अंजली सिंह को तीन स्वर्ण पदक

प्रयागराज। विश्वविद्यालय के इतिहास में पहली बार इस दीक्षांत समारोह में प्रतिज्ञा मिश्रा को 4 स्वर्ण पदक

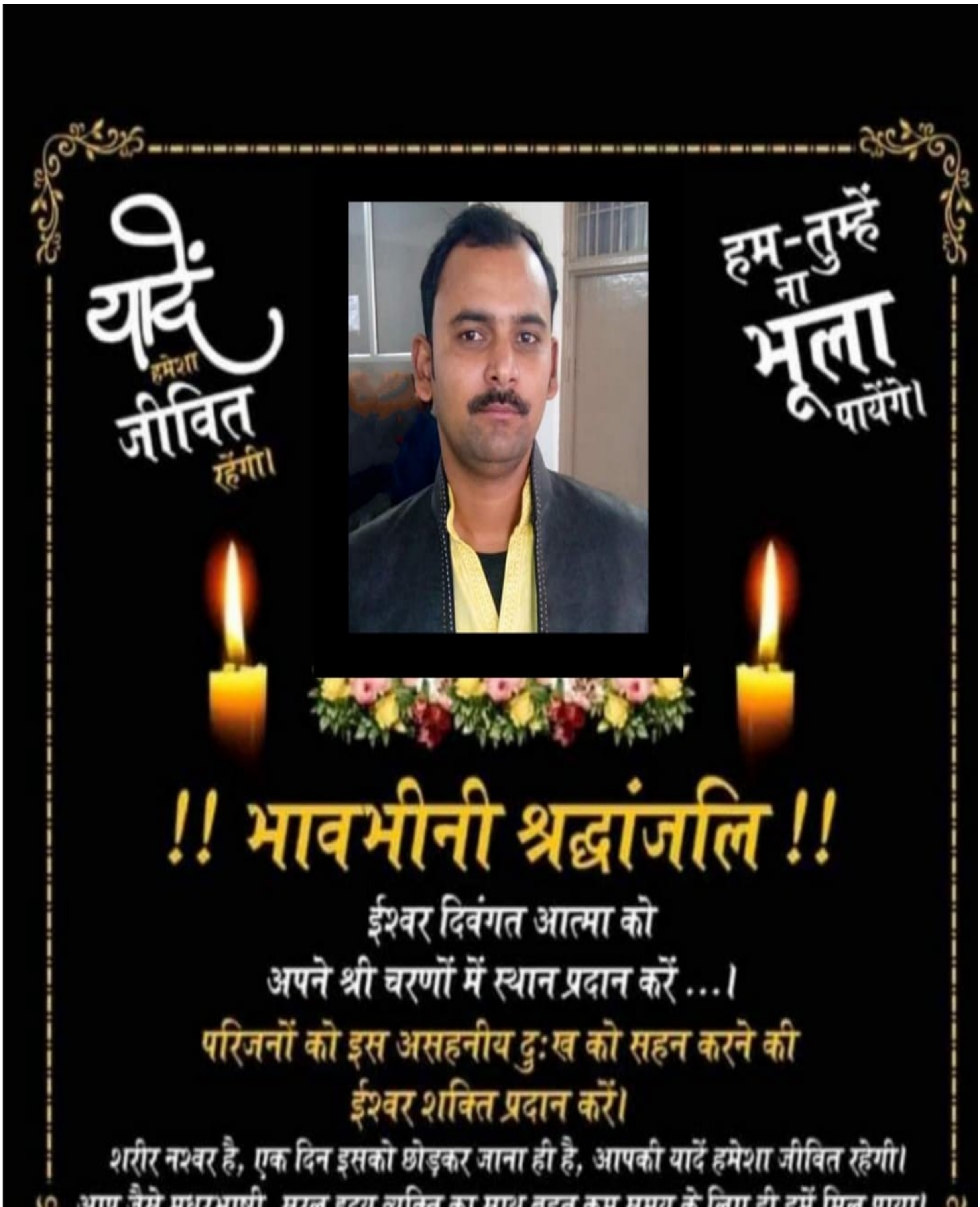
यादें हमेशा जीवित रहेंगी।
हम-तुम्हें ना भूला पायेंगे।
!! भावभीनी श्रद्धांजलि !!
ईश्वर दिवंगत आत्मा को
अपने श्री चरणों में स्थान प्रदान करें ...।
परिजनों को इस असहनीय दुःख को सहन करने की
ईश्वर शक्ति प्रदान करें।
शरीर नश्वर है, एक दिन इसको छोड़कर जाना ही है, आपकी यादें हमेशा जीवित रहेगी।

मुक्त चिन्तन

News Letter

॥ सरस्वती नः सुभगा मयस्करत् ॥

उ०प्र० राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

मुक्त चिन्तन

22 दिसम्बर, 2022

मुक्त विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय में योग प्रशिक्षण शिविर का आयोजन

योग प्रशिक्षण से किया जा रहा जागरूक

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के क्षेत्रीय केंद्र बरेली में दिनांक 22 दिसम्बर, 2022 को योग प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया।

क्षेत्रीय केन्द्र, बरेली के समन्वयक डॉ. आर.बी. सिंह ने सभी का स्वागत किया। श्री अमित कुमार सिंह, सहायक आचार्य (योग) ने छात्र–छात्राओं को षट्कर्म, सूक्ष्म योग, सूर्य नमस्कार, प्राणायाम, मंत्र योग और ध्यान के अभ्यास कराये।

छात्र–छात्राओं को षट्कर्म, सूक्ष्म योग, सूर्य नमस्कार, प्राणायाम, मंत्र योग और ध्यान के अभ्यास कराते हुए श्री अमित कुमार सिंह, सहायक आचार्य (योग)

मुक्त चिन्तन

24 दिसम्बर, 2022

अटल जी के जन्म दिवस की पूर्व संध्या पर मुक्त विश्वविद्यालय में व्याख्यान का आयोजन

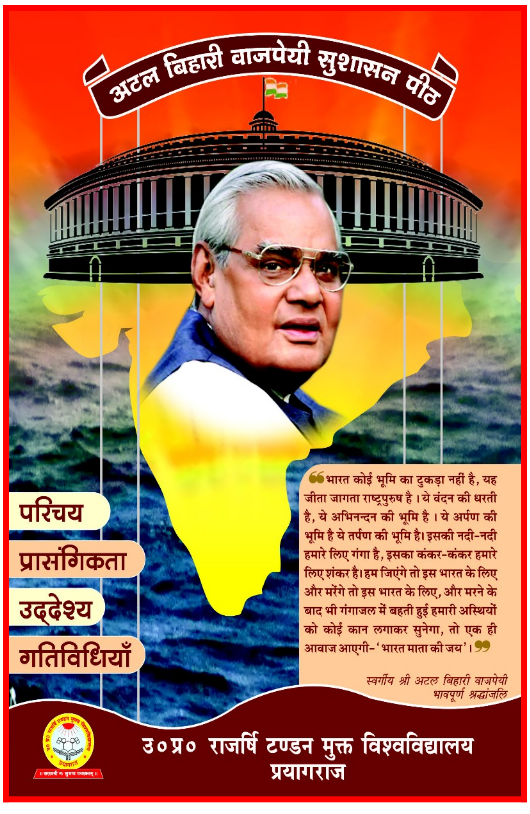

भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेई के चित्र पर पुष्प अर्पण करती हुई माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी

पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न श्री अटल बिहारी बाजपेई के जन्मदिवस की पूर्व संध्या के अवसर पर शनिवार को उ प्र राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान और परिचर्चा का विषय अटल व्यक्तित्व एवं उनका सुशासन दृष्टिकोण था। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता स्वास्थ्य विज्ञान विद्या के निदेशक प्रो. जी. एस. शुक्ल रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह जी ने की।

अतिथियों का स्वागत एवं परिचय अटल बिहारी बाजपेई सुशासन पीठ के निदेशक प्रो. पी. के. पाण्डेय ने किया। संचालन डॉ आनंदानंद त्रिपाठी ने एवं धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव प्रो. पी. पी. दुबे ने किया। इस अवसर पर लघु परिचर्चा आयोजित की गई। जिसमें डॉ सुरेंद्र कुमार, डॉ साधना श्रीवास्तव, डॉ दीपशिखा, रिसर्च स्कॉलर प्रीति, अम्बुज पांडेय, मुकेश दुबे एवम् योग विद्यार्थी अनुराग शुक्ला ने कविता पाठ भी किया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के निदेशक, शिक्षकगण आदि उपस्थित रहे। प्रारंभ माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी, निदेशकगण एवं शिक्षकों ने भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेई के चित्र पर पुष्प अर्पण किया।

मुक्त चिन्तन

भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेई के चित्र पर पुष्प अर्पण करते हुए विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण।

कार्यक्रम का करते हुए संचालन करते हुए डॉ0 आनन्दा नन्द त्रिपाठी

माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत करते हुए अटल सुशासन पीठ के निदेशक प्रो. पी. के. पाण्डेय

निदेशक स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा, प्रो. जी.एस. शुक्ल एवं कुलसचिव, प्रो. पी.पी. दुबे को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत करते हुए अटल सुशासन पीठ के निदेशक प्रो. पी. के. पाण्डेय

मुक्त चिन्तन

अतिथियों का स्वागत एवं परिचय देते हुए अटल सुशासन पीठ के निदेशक प्रो. पी.के. पाण्डेय

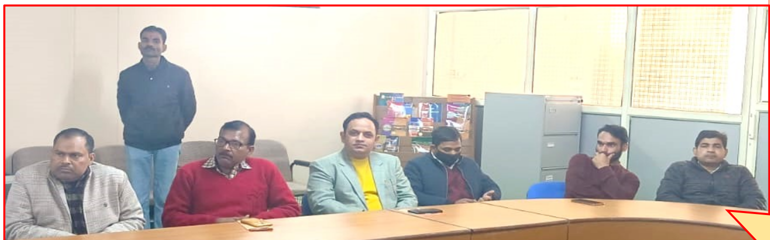

कार्यक्रम में उपस्थित विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण

कविता पाठ करते हुए विश्वविद्यालय के शोध छात्र–छात्रायें एवं विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण।

अटल जी का व्यतित्व हम लोगों के लिए अनुकरणीय है : प्रो. जी.एस. शुक्ला

व्याख्यान के मुख्य वक्ता स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा के निदेशक प्रोफेसर जी एस शुक्ल ने कहा कि अटल जी का व्यक्तित्व इतना विराट था कि उनके दोस्त और प्रतिद्वंदी दोनों ही उनका सम्मान करते थे। अटल जी ने हमेशा राष्ट्र को सर्वोपरि माना। उनके लिए आपसे मतभेद गौण होते थे। उन्होंने 24 पार्टियों को साथ लेकर पूरे 5 वर्ष तक

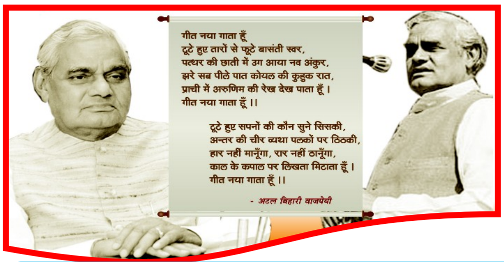

समाज एवं राष्ट्र को सशक्त बनाने में अटल जी का प्रयास अनुकरणीय–प्रोफेसर सीमा सिंह

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने कहा कि अटल जी के विचार को हर एक को अपने जीवन में उतारना चाहिए। अटल जी का राष्ट्र एवं समाज के प्रति हमेशा व्यवहारिक दृष्टिकोण रहा। वह पूरे समाज की चिंता करते थे। आदर्श राजनीति के वाहक थे। समाज एवं राष्ट्र को सशक्त बनाने के लिए उनके द्वारा किये गये प्रयास अतुलनीय एवं अनुकरणीय हैं। प्रोफेसर सिंह ने कहा कि हम उनके आदर्शों को अपने जीवन में उतार लें तो राष्ट्र की सच्ची सेवा में अपना योगदान कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि अटल बिहारी जैसे महापुरुष का जन्म दिवस सही मायने में मनाया जाना तभी सार्थक होगा जब हम उनके एक विचार को अपना लें। इसके लिए हम को एक संकल्प लेने की आवश्यकता है। कुलपति प्रोफेसर सिंह ने अध्यक्षीय उद्बोधन देते हुए दो कविताओं का पाठ किया।

बाधाएं आती हैं आएं, घिरे प्रलय की घोर घटाएं, पांव के नीचे अंगारे ...।।
जीवित हिंदुस्तान हमारा, जग के मस्तक पर रोली सा, शोभित हिंदुस्तान हमारा....।।

प्रोफेसर सीमा सिंह

अपना उद्बोधन देते हुए
एवं
धन्यवाद ज्ञापन करते हुए
कुलसचिव
प्रो. पी. पी. दुबे

मुक्त चिन्तन

कार्यक्रम की अन्य झलकियां

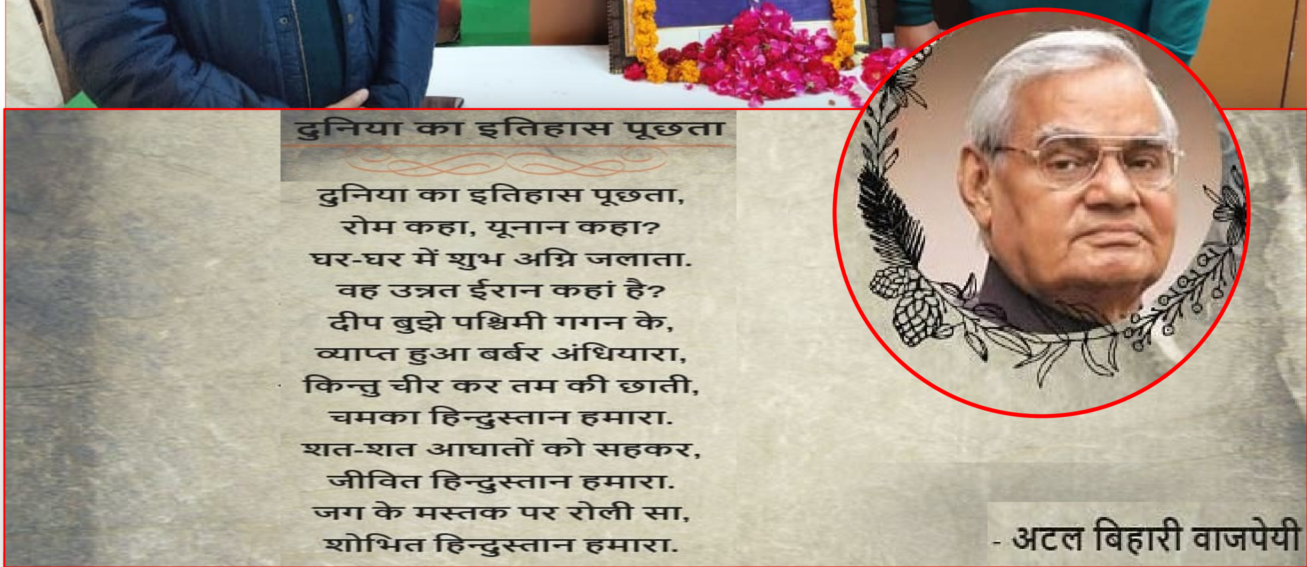

News Letter
मुक्त चिन्तन
उ०प्र० राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज
उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित
॥ सरस्वती नः सुभगा मयस्करत् ॥

मुक्त चिन्तन
24 दिसम्बर, 2022

मुक्त विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय में योग प्रशिक्षण शिविर का समापन
योग प्रशिक्षण से किया गया जागरूक

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केंद्र बरेली पर दिनांक 22, 23 और 24 दिसंबर 2022 को माननीय कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी के मार्गदर्शन में योग प्रशिक्षण एवं पाठ्यक्रम जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया इस कार्यक्रम में लगातार तीन दिनों तक अमित सिंह (सहायक आचार्य योग) उत्तर प्रदेश राजश्री टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज ने शिक्षार्थियों को योग के बारे में विस्तार से बताया तथा योग से होने वाली शारीरिक मानसिक एवं आत्मिक लाभों को बताया जिसमें योग के साथ–साथ कर्म योग के प्रयोगात्मक विशेषताओं से छात्रों को परिचित कराया गया साथ ही योग में नेति, धौति, सूर्यनमस्कार, पदम् साधना, मंत्र योग का अभ्यास कराया।

इस अवसर पर क्षेत्रीय केंद्र बरेली के समन्वयक डॉ0 आर0बी0 सिंह द्वारा योग के महत्व पर प्रकाश डाला गया और यह बताया कि इस समय योग पूरे विश्व में किया जा रहा है। योग की क्रियाएं एक कुशल प्रशिक्षक के निर्देशन में ही की जानी चाहिए अन्यथा गलत तरीके से करने पर फायदे की जगह शरीर को नुकसान भी हो सकता है विद्यार्थियों ने प्राचीन भारत योग के ज्ञान को जन–जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया कार्यक्रम के समापन में सभी गुरुओं का आवाहन कर गुरु पूजा की गई। छात्रों ने सामूहिक प्रसाद वितरण किया गया। इस कार्यक्रम में क्षेत्रीय केंद्र बरेली से संबंध विभिन्न अध्ययन केंद्रों के परीक्षार्थियों ने प्रतिभाग किया। इस अवसर पर क्षेत्रीय केंद्र के सभी कर्मचारी गण भी ना केवल उपस्थित रहे बल्कि पूर्ण सहयोग प्रदान किया

छात्र–छात्राओं को षट्कर्म, सूक्ष्म योग, सूर्य नमस्कार, प्राणायाम, मंत्र योग और ध्यान के अभ्यास कराते हुए श्री अमित कुमार सिंह, सहायक आचार्य (योग)

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

मुक्त चिन्तन

24 दिसम्बर, 2022

छात्र–छात्राओं को षट्कर्म, सूक्ष्म योग, सूर्य नमस्कार, प्राणायाम, मंत्र योग और ध्यान के अभ्यास कराते हुए श्री अमित कुमार सिंह, सहायक आचार्य (योग)

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के क्षेत्रीय केन्द्र, बरेली पर आज दिनांक 24 दिसम्बर 2022 को भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी जी का जन्मदिवस पूर्व संध्या पर हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। क्षेत्रीय समन्वयक डॉ० आर० बी० सिंह तथा अमित सिंह (योग सहायक आचार्य) उ0 प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज ने अटल बिहारी वाजपेई जी के फोटो पर माल्यार्पण किया। इस अवसर पर कार्यालय के छात्र तथा कर्मचारियों ने पुष्प अर्पित किया

क्षेत्रीय केन्द्र, लखनऊ

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के क्षेत्रीय केन्द्र, लखनऊ पर आज दिनांक 24 दिसम्बर 2022 को भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी जी का जन्मदिवस पूर्व संध्या पर हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। क्षेत्रीय समन्वयक डॉ० निराजंली सिन्हा एवं कर्मचारियों ने अटल बिहारी वाजपेई जी के फोटो पर माल्यार्पण किया।

क्षेत्रीय केन्द्र, गोरखपुर

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के क्षेत्रीय केन्द्र, गोरखपुर पर आज दिनांक 24 दिसम्बर 2022 को भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी जी का जन्मदिवस पूर्व संध्या पर हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। क्षेत्रीय समन्वयक श्री प्रवीन कुमार एवं कर्मचारियों ने अटल बिहारी वाजपेई जी के फोटो पर माल्यार्पण किया।

इन्क़िलाबी नज़र
आवाज़ ... आम आदमी की
लखनऊ, रविवार, 25 दिसम्बर 2022

समाज और राष्ट्र को सशक्त बनाने में अटल जी का प्रयास अनुकरणीय : प्रोफेसर सीमा

प्रयागराज। पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी बाजपेई के जन्मदिवस की पूर्व संध्या के अवसर पर शनिवार को उप्र राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में व्याख्यान का आयोजन किया गया।

व्याख्यान और परिचर्चा का विषय अटल व्यक्तित्व एवं उनका सुशासन दृष्टिकोण था। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने कहा कि अटल जी के विचार को हर एक को अपने जीवन में उतारना चाहिए। अटल जी का राष्ट्र एवं समाज के प्रति हमेशा व्यवहारिक दृष्टिकोण रहा। वह पूरे समाज की चिंता करते थे। आदर्श राजनीति के वाहक थे। समाज एवं राष्ट्र को सशक्त बनाने के लिए उनके द्वारा किये गये प्रयास अतुलनीय एवं अनुकरणीय हैं। प्रोफेसर सिंह ने कहा कि हम उनके आदर्शों को अपने जीवन में उतार लें तो राष्ट्र की सच्ची सेवा में अपना योगदान कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि अटल बिहारी जैसे महापुरुष का जन्म दिवस सही मायने में मनाया जाना तभी सार्थक होगा जब हम उनके एक विचार को अपना लें। इसके लिए हम को एक संकल्प लेने की आवश्यकता है। कुलपति प्रोफेसर सिंह ने अध्यक्षीय उद्बोधन देते हुए दो कविताओं का पाठ किया।व्याख्यान के मुख्य वक्ता स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा के निदेशक प्रोफेसर जी एस शुक्ल ने कहा कि अटल जी का व्यक्तित्व इतना विराट था कि उनके दोस्त और प्रतिद्वंदी दोनों ही उनका सम्मान करते थे। अटल जी ने हमेंशा राष्ट्र को सर्वोपरि माना।

उनके लिए आपसे मतभेद गौण होते थे। उन्होंने 24 पार्टियों को साथ लेकर पूरे 5 वर्ष तक सरकार चलायी। सबको साथ लेकर चले। अटल जी ने राष्ट्रधर्म पालन का सुझाव दिया। उनका व्यक्तित्व हम लोगों के लिए अनुकरणीय है।

रीडर्स मैसेंजर
मुद्दों की बात राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
प्रातःकालीन हिन्दी दैनिक समाचार पत्र (प्रयागराज संस्करण)
मूल्य ₹1/-
नए साल से मुआवजा कानून लागू होने की उम्मीद पेज-2 | वर्ष 01 अंक 25
प्रयागराज, रविवार, 25 दिसम्बर 2022 पेज-8

समाज एवं राष्ट्र को सशक्त बनाने में अटल जी का प्रयास अनुकरणीय : प्रोफेसर सीमा सिंह

रीडर्स मैसेंजर नेटवर्क

प्रयागराज। पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी बाजपेई के जन्मदिवस की पूर्व संध्या के अवसर पर शनिवार को उ प्र राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान और परिचर्चा का विषय अटल व्यक्तित्व एवं उनका सुशासन दृष्टिकोण था। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने कहा कि अटल जी के विचार को हर एक को अपने जीवन में उतारना चाहिए। अटल जी का राष्ट्र एवं समाज के प्रति हमेशा व्यवहारिक दृष्टिकोण रहा। वह पूरे समाज की चिंता करते थे। आदर्श राजनीति के वाहक थे। समाज एवं राष्ट्र को सशक्त बनाने के लिए उनके द्वारा किये गये प्रयास अतुलनीय एवं अनुकरणीय हैं। प्रोफेसर सिंह ने कहा कि हम उनके आदर्शों को अपने जीवन में उतार लें तो राष्ट्र की सच्ची सेवा में अपना योगदान कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि अटल बिहारी जैसे महापुरुष का जन्म दिवस सही मायने में मनाया जाना तभी सार्थक होगा जब हम उनके एक विचार को अपना लें। इसके लिए हम को एक संकल्प लेने की आवश्यकता है। कुलपति प्रोफेसर सिंह ने अध्यक्षीय उद्बोधन देते हुए दो कविताओं का पाठ किया। व्याख्यान के मुख्य वक्ता स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा के निदेशक प्रोफेसर जी एस शुक्ल ने कहा कि अटल जी का व्यक्तित्व इतना विराट था कि उनके दोस्त और प्रतिद्वंदी दोनों ही उनका सम्मान करते थे। अटल जी ने हमेंशा राष्ट्र को सर्वोपरि माना। उनके लिए आपसे मतभेद गौण होते थे। उन्होंने 24 पार्टियों को साथ लेकर पूरे 5 वर्ष तक सरकार चलायी। सबको साथ लेकर चले। अटल जी ने राष्ट्रधर्म पालन का सुझाव दिया। उनका व्यक्तित्व हम लोगों के लिए अनुकरणीय है।

हिन्दी दैनिक
हरबात
प्रयागराज, फतेहपुर एवं ग्वालियर से एक साथ प्रकाशित
प्रयागराज, रविवार 25 दिसम्बर, 2022 पृष्ठ 4
प्रयागराज, रविवार 25 दिसम्बर, 2022 4

समाज एवं राष्ट्र को सशक्त बनाने में अटल जी का प्रयास अनुकरणीय-प्रो0 सीमा सिंह

अटल जी के जन्म दिवस की पूर्व संध्या पर मुक्त विश्वविद्यालय में व्याख्यान का आयोजन

हरबात संवाददाता

प्रयागराज। पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी बाजपेई के जन्मदिवस की पूर्व संध्या के अवसर पर शनिवार को उ प्र राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में व्याख्यान का आयोजन किया गया।

व्याख्यान और परिचर्चा का विषय अटल व्यक्तित्व एवं उनका सुशासन दृष्टिकोण था। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने कहा कि अटल जी के विचार को हर एक को अपने जीवन में उतारना चाहिए। अटल जी का राष्ट्र एवं समाज के प्रति हमेशा व्यवहारिक दृष्टिकोण रहा। वह पूरे समाज की चिंता करते थे। आदर्श राजनीति के वाहक थे। समाज एवं राष्ट्र को सशक्त बनाने के लिए उनके द्वारा किये गये प्रयास अतुलनीय एवं अनुकरणीय हैं। प्रोफेसर सिंह ने कहा कि हम उनके आदर्शों को अपने जीवन में उतार लें तो राष्ट्र की सच्ची सेवा में अपना योगदान कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि अटल बिहारी जैसे महापुरुष का जन्म दिवस सही मायने में मनाया जाना तभी सार्थक होगा जब हम उनके एक विचार को अपना लें। इसके लिए हम को एक संकल्प लेने की आवश्यकता है। कुलपति प्रोफेसर सिंह ने अध्यक्षीय उदबोधन देते हुए दो कविताओं का पाठ किया।

व्याख्यान के मुख्य वक्ता स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा के निदेशक प्रोफेसर जी एस शुक्ल ने कहा कि अटल जी का व्यक्तित्व इतना विराट था कि उनके दोस्त और प्रतिद्वंदी दोनों ही उनका सम्मान करते थे। अटल जी ने हमेंशा राष्ट्र को सर्वोपरि माना।

उनके लिए आपसे मतभेद गौण होते थे। उन्होंने 24 पार्टियों को साथ लेकर पूरे 5 वर्ष तक सरकार चलायी। सबको साथ लेकर चले। अटल जी ने राष्ट्रधर्म पालन का सुझाव दिया। उनका व्यक्तित्व हम लोगों के लिए अनुकरणीय है।

अतिथियों का स्वागत एवं परिचय अटल बिहारी बाजपेई सुशासन पीठ के निदेशक प्रोफेसर पी के पाण्डेय ने किया। संचालन डॉ आनंदानंद त्रिपाठी ने एवं धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव प्रोफेसर पी पी दुबे ने किया। इस अवसर पर लघु परिचर्चा आयोजित की गई। जिसमें डॉ सुरेंद्र कुमार, डॉ साधना श्रीवास्तव, डॉ0दीपशिखा, रिसर्च स्कॉलर प्रीति,अम्बुज पांडेय, मुकेश दुबे एवम् योग विद्यार्थी अनुराग शुक्ला ने कविता पाठ भी किया।

स्वतंत्र भारत
लखनऊ, रविवार 25 दिसम्बर 2022

राष्ट्र को सशक्त बनाने में अटलजी का प्रयास अनुकरणीयः प्रो. सीमा

स्वतंत्र भारत ब्यूरो प्रयागराज। पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी बाजपेई के जन्मदिवस की पूर्व संध्या के अवसर पर शनिवार को उ प्र राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय में व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान और परिचर्चा का विषय अटल व्यक्तित्व एवं उनका सुशासन दृष्टिकोण था। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने कहा कि अटल जी के विचार को हर एक को अपने जीवन में उतारना चाहिए। अटल जी का राष्ट्र एवं समाज के प्रति हमेशा व्यवहारिक दृष्टिकोण रहा। वह पूरे समाज की चिंता करते थे।

समय से पहले 'समय' पर नजर
न्यायाधीश
प्रयागराज, रविवार 25 दिसम्बर, 2022

समाज एवं राष्ट्र को सशक्त बनाने में अटल जी का प्रयास अनुकरणीय-प्रोफेसर सीमा सिंह

अटल जी के जन्म दिवस की पूर्व संध्या पर मुक्त विश्वविद्यालय में व्याख्यान का आयोजन

प्रयागराज।पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न श्री अटल बिहारी बाजपेई के जन्मदिवस की पूर्व संध्या के अवसर पर शनिवार को उ प्र राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में व्याख्यान का आयोजन किया गया।

व्याख्यान और परिचर्चा का विषय अटल व्यक्तित्व एवं उनका सुशासन दृष्टिकोण था। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने कहा कि अटल जी के विचार को हर एक को अपने जीवन में उतारना चाहिए। अटल जी का राष्ट्र एवं समाज के प्रति हमेशा व्यवहारिक दृष्टिकोण रहा। वह पूरे समाज की चिंता करते थे। आदर्श राजनीति के वाहक थे। समाज एवं राष्ट्र को सशक्त बनाने के लिए उनके द्वारा किये गये प्रयास अतुलनीय एवं अनुकरणीय हैं। प्रोफेसर सिंह ने कहा कि हम उनके आदर्शों को अपने जीवन में उतार लें तो राष्ट्र की सच्ची सेवा में अपना योगदान कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि अटल बिहारी जैसे महापुरुष का जन्म दिवस सही मायने में मनाया जाना तभी सार्थक होगा जब हम उनके एक विचार को अपना लें। इसके लिए हम को एक संकल्प लेने की आवश्यकता है। कुलपति प्रोफेसर सिंह ने अध्यक्षीय उद्बोधन देते हुए दो कविताओं का पाठ किया।व्याख्यान के मुख्य वक्ता स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा के निदेशक प्रोफेसर जी एस शुक्ल ने कहा कि अटल जी का व्यक्तित्व इतना विराट था कि उनके दोस्त और प्रतिद्वंदी दोनों ही उनका सम्मान करते थे। अटल जी ने हमेंशा राष्ट्र को सर्वोपरि माना। उनके लिए आपसे मतभेद गौण होते थे। उन्होंने 24 पार्टियों को साथ लेकर पूरे 5 वर्ष तक सरकार चलायी। सबको साथ लेकर चले। अटल जी ने राष्ट्रधर्म पालन का सुझाव दिया। उनका व्यक्तित्व हम लोगों के लिए अनुकरणीय है।अतिथियों का स्वागत एवं परिचय अटल बिहारी बाजपेई सुशासन पीठ के निदेशक प्रोफेसर पी के पाण्डेय ने किया। संचालन डॉ आनंदानंद त्रिपाठी ने एवं धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव प्रोफेसर पी पी दुबे ने किया। इस अवसर पर लघु परिचर्चा आयोजित की गई। जिसमें डॉ सुरेंद्र कुमार, डॉ साधना श्रीवास्तव, डॉ0दीपशिखा, रिसर्च स्कॉलर प्रीति,अम्बुज पांडेय, मुकेश दुबे एवम् योग विद्यार्थी अनुराग शुक्ला ने कविता पाठ भी किया।

https://twitter.com/nyayadheeshald https://twitter.com/nya

प्रयाग प्रभात
वर्ष : 12 अंक 200 आर.एन.आई.नं.- UPHIN/2009/42612 प्रयागराज, रविवार, 25 दिसम्बर, 2022 पृष्ठ : 4 मूल्य : 2 रुपये

अटल जी के जन्म दिवस की पूर्व संध्या पर मुक्त विश्वविद्यालय में व्याख्यान का आयोजन

प्रयागराज।। प्रयाग प्रभात न्यूज

प्रयागराज पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी बाजपेई के जन्मदिवस की पूर्व संध्या के अवसर पर शनिवार को उ प्र राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज में व्याख्यान का आयोजन किया गया। विषय अटल व्यक्तित्व एवं उनका सुशासन दृष्टिकोण था। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने कहा कि अटल जी के विचार को हर एक को अपने जीवन में उतारना चाहिए। अटल जी का राष्ट्र एवं समाज के प्रति हमेशा व्यवहारिक दृष्टिकोण रहा। वह पूरे समाज की चिंता करते थे। आदर्श राजनीति के वाहक थे। समाज एवं राष्ट्र को सशक्त बनाने के लिए उनके द्वारा किये गये प्रयास अतुलनीय एवं अनुकरणीय हैं। प्रोफेसर सिंह ने कहा कि हम उनके आदर्शों को अपने जीवन में उतार लें तो राष्ट्र की सच्ची सेवा में अपना योगदान कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि अटल बिहारी जैसे महापुरुष का जन्म दिवस सही मायने में मनाया जाना तभी सार्थक होगा जब हम उनके एक विचार को अपना लें।

इसके लिए हम को एक संकल्प लेने की आवश्यकता है। कुलपति प्रोफेसर सिंह ने अध्यक्षीय उदबोधन देते हुए दो कविताओं का पाठ किया। व्याख्यान के मुख्य वक्ता स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा के निदेशक प्रोफेसर जी एस शुक्ल ने कहा कि अटल जी का व्यक्तित्व इतना विराट था कि उनके दोस्त और प्रतिद्वंदी दोनों ही उनका सम्मान करते थे। अटल जी ने हमेंशा राष्ट्र को सर्वोपरि माना। उनके लिए आपसे मतभेद गौण होते थे। उन्होंने 24 पार्टियों को साथ लेकर पूरे 5 वर्ष तक सरकार चलायी। सबको साथ लेकर चले। अटल जी ने राष्टधर्म पालन का सुझाव दिया। उनका व्यक्तित्व हम लोगों के लिए अनुकरणीय है। अतिथियों का स्वागत एवं परिचय अटल बिहारी बाजपेई सुशासन पीठ के निदेशक प्रोफेसर पी के पाण्डेय ने किया। संचालन डॉ आनंदानंद त्रिपाठी ने एवं धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव प्रोफेसर पी पी दुबे ने किया। इस अवसर पर लघु परिचर्चा आयोजित की गई। जिसमें डॉ सुरेंद्र कुमार, डॉ साधना श्रीवास्तव, डॉ0दीपशिखा, रिसर्च स्कॉलर प्रीति, अम्बुज पांडेय, मुकेश दुबे एवम् योग विद्यार्थी अनुराग शुक्ला ने कविता पात भी किया।

दैनिक लोकमित्र सच्चाई की जंग
वर्ष : 29 | अंक :55
प्रतापगढ़ | रविवार , 25 दिसम्बर-2022
पृष्ठ : 8 | मूल्य : 3 रुपये
संस्थापक : श्रद्धेय स्व. रामनिरंजन भगवन
प्रतिदिन की खबरों के लिए देखें www.dailylokmitra.com

समाज एवं राष्ट्र को सशक्त बनाने में अटल जी का प्रयास अनुकरणीयः प्रोफेसर सीमा सिंह

प्रयागराज। पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी बाजपेई के जन्मदिवस की पूर्व संध्या के अवसर पर शनिवार को उ प्र राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में व्याख्यान का आयोजन किया गया।व्याख्यान और परिचर्चा का विषय अटल व्यक्तित्व एवं उनका सुशासन दृष्टिकोण था। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने कहा कि अटल जी के विचार को हर एक को अपने जीवन में उतारना चाहिए। अटल जी का राष्ट्र एवं समाज के प्रति हमेशा व्यवहारिक दृष्टिकोण रहा। वह पूरे समाज की चिंता करते थे। आदर्श राजनीति के वाहक थे। समाज एवं राष्ट्र को सशक्त बनाने के लिए उनके द्वारा किये गये प्रयास अतुलनीय एवं अनुकरणीय हैं। प्रोफेसर सिंह ने कहा कि हम उनके आदर्शों को अपने जीवन में उतार लें तो राष्ट्र की सच्ची सेवा में अपना योगदान कर सकेंगे। कुलपति प्रोफेसर सिंह ने अध्यक्षीय उद्बोधन देते हुए दो कविताओं का पाठ किया।

व्याख्यान के मुख्य वक्ता स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा के निदेशक प्रोफेसर जी एस शुक्ल ने कहा कि अटल जी का व्यक्तित्व इतना विराट था कि उनके दोस्त और प्रतिद्वंदी दोनों ही उनका सम्मान करते थे। अटल जी ने हमेंशा राष्ट्र को सर्वोपरि माना।अतिथियों का स्वागत एवं परिचय अटल बिहारी बाजपेई सुशासन पीठ के निदेशक प्रोफेसर पी के पाण्डेय ने किया। संचालन डॉ आनंदानंद त्रिपाठी ने एवं धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव प्रोफेसर पी पी दुबे ने किया।

इस अवसर पर लघु परिचर्चा आयोजित की गई। जिसमें डॉ सुरेंद्र कुमार, डॉ साधना श्रीवास्तव, डॉ0दीपशिखा, रिसर्च स्कॉलर प्रीति, अम्बुज पांडेय, मुकेश दुबे एवम् योग विद्यार्थी अनुराग शुक्ला ने कविता पाठ भी किया।

News Letter

मुक्त चिन्तन

उ०प्र० राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

मुक्त चिन्तन 25 दिसम्बर, 2022

अंतर विश्वविद्यालय अध्यापक शिक्षा केंद्र का स्थापना दिवस एवं महामना जयंती समारोह के अवसर पर संगोष्ठी का आयोजन

अंतर विश्वविद्यालय अध्यापक शिक्षा केंद्र (आई. यू. सी. टी. ई.) काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार) के अंतर्गत एक स्वायत्त संस्थान है। उच्च शिक्षा में शिक्षक एवं शिक्षण की गुणवत्ता संवर्धन व अध्यापकों के सतत व्यावसायिक विकास व क्षमता निर्माण को ध्यान में रखते हुए भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री आदरणीय श्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा इस संस्थान की स्थापना की गई तथा संस्थान के नवनिर्मित भवन का लोकार्पण आदरणीय प्रधानमंत्री द्वारा ही संपन्न किया गया।

इस अवसर पर दिनांक 25 दिसंबर 2022 को संस्थान का नवम् स्थापना दिवस एवं महामना जयंती समारोह के अवसर पर **"सतत् विकास लक्ष्य (SDG4-NEP 2020) की प्राप्ति में उच्च शिक्षण संस्थाओं की भूमिका"** विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री रविन्द्र जायसवाल जी, माननीय मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) तथा विशिष्ट अतिथि उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज कि माननीया कुलपति, प्रोफेसर सीमा सिंह जी रही।

मंचासीन माननीय अतिथिगण

माननीया कुलपति, प्रोफेसर सीमा सिंह जी को अंगवस्त्र एवं स्मृतिचिन्ह भेंट करते हुए प्रो0 प्रेम नारायण सिंह

अपना उद्बोधन देती हुई माननीया कुलपति, प्रोफेसर सीमा सिंह जी

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

News Letter

मुक्त चिन्तन

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

मुक्त चिन्तन 25 दिसम्बर, 2022

सूरसरि के तट पर महामना की मानस संततियों का किया गया सम्मान

अस्सी घाट स्थित सुबह– ए– बनारस मंच की ओर से मालवीय जयंती पर माननीय कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह को किया गया सम्मानित

अस्सी घाट स्थित सुबह– ए– बनारस मंच की ओर से मालवीय जयंती पर सम्मानित किए गए अतिथिगण

आश्रय सेवा संस्थान व सुबह–ए–बनारस के तत्वाधान में अस्सी घाट पर सम्मान समारोह का आयोजन

पवित्र विचारों से ओतप्रोत महा मना अपने समकालीन अधिवक्ताओं पत्रकारों मैं आदि में सर्वश्रेष्ठ रहे उनका राजनीतिक जीवन रचनात्मक और सृजनात्मक था। उन्होंने भिक्षापात्र से ही शिक्षापात्र की स्थापना जिसने देश को विविध क्षेत्रों में अनेक रत्न दिए। यह कहना है उत्तर प्रदेश तकनीकी विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रोफेसर दुर्ग सिंह चौहान का। वह रविवार दिनांक 26 दिसंबर 2022 को आश्रय सेवा संस्थान व सुबह–ए–बनारस के तत्वाधान में अस्सी घाट पर आयोजित सम्मान समारोह में बोल रहे थे। आयोजन में विश्वविद्यालय से शिक्षा प्राप्त महामना की 34 मानस संततियों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर मालवीय स्मृति चित्र प्रदर्शनी का उद्घाटन इंडियन आयल कारपोरेशन के डिविजनल मैनेजर शेखर श्रीवास्तव ने किया। विशिष्ट अतिथि पूर्व राज्य मंत्री नीलकंठ तिवारी ने कहा कि विश्वविद्यालय की स्थापना कर महामना ने भारतीय सांस्कृतिक पुनर्जागरण का ही कार्य किया था। अध्यक्षता कर रहे पदम्श्री डॉ0 राजेश्वर आचार्य ने कहा कि महामना की बगिया से शिक्षा प्राप्त प्रत्येक समर्पित व्यक्तित्व महामना की दिव्यमना मनोकामना का प्रतिफल है । इस अवसर पर आईआईटी पटना के निदेशक प्रोफेसर टी.एन. सिंह, भारतीय गुणवत्ता परिषद के निदेशक डॉ. आर.पी. सिंह, पदमश्री प्रोफ़ेसर सरोज चूड़ामणि गोपाल, अलका दुबे भी उपस्थिति थी। इन सब को भी सम्मानित किया गया। शुभारंभ पंडित दुर्गा प्रसन्ना ने मंगल के रूप में शहनाई वादन से किया। बी.एच.यू. की छात्रों ने कुल गीत प्रस्तुत किया। संयोजक आश्रय सेवा संस्थान के सचिव डॉ वीरेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि यह आयोजन महामना के यश को नमन करने का कृतज्ञ प्रयास है। सुबह–ए–बनारस के सचिव डॉ रत्नेश वर्मा ने आयोजन को भावी पीढ़ी के लिए प्रेरणा स्रोत बताया। बी.एच.यू. की दो मेधावी छात्राओं भद्रप्रिया व श्रेया गुप्ता को पुरस्कार प्रदान किया गया। संचालन पंडित प्रमोद मिश्र व सहयोगी सीमा केसरी ने किया।

इन विभूतियों का हुआ सम्मान

राधेश्याम चौबे, प्रोफेसर ए. एन. राय, प्रोफेसर पी.के. मिश्रा, प्रोफेसर सीमा सिंह, कुलपति उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, संतोष कुमार सिंह, जगद्गुरु रामानुजाचार्य, डॉ. पुंडरीक शास्त्री, राधेश्याम सिंह, डॉ. केसरी कुमार सिंह, प्रोफेसर आर.एन. मिश्रा, प्रोफेसर बी.एन. राय, प्रोफेसर एस.के. दुबे, प्रोफेसर मधु लीला, मधुलिका अग्रवाल, प्रोफेसर रोहिना सिंह, प्रोफेसर कौशलेंद्र कुमार सिंह, प्रोफेसर के. शशि कुमार, प्रोफेसर के. के. गुप्ता. छेदी राम, डॉ. व्यास जी त्रिपाठी, प्रोफेसर अमित रस्तोगी, प्रोफेसर गोपाल दास तापड़िया, प्रोफेसर शंकर मिश्र, डॉ. सुरेश चंद्र शुक्ला, डॉ. कमला शंकर, सुप्रिया शाह मधुमिता भट्टाचार्य, अश्वनी सिंह, राधेश्याम केसरी, पंकज सिंह, संजय सिंह, भूपेंद्र सिंह चौहान, अनिरुद्ध नारायण सिंह, रजत शर्मा, देवेंद्र सिंह।

प्रोफेसर सीमा सिंह, कुलपति उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज को सम्मानित करते हुए मुख्य अतिथि प्रो0 दुर्ग सिंह चौहान

सुबह-ए-बनारस

आश्रय सेवा संस्था

अभिनन्दन-पत्र

प्रो. सीमा सिंह

शिक्षा क्षेत्र

"मधुर मनोहर अतीव सुंदर" भाव को संजोये हुए महामना मालवीय जी के संकल्प को साकार करने में आपकी शिक्षा एवं संस्कार ने राष्ट्र निर्माण में महती भूमिका का निर्वहन किया है।

सत्य और सुधर्म पथ में अग्रणी रहते हुए आपकी प्रगतिशील दृष्टि ने सदैव सर्जना के नए आयाम स्थापित किये हैं।

आप महामना की बगिया के ऐसे पुष्प है जिसने अदम्य साहस और शक्ति के साथ पुष्पित हो सदैव सुगंध और सर्वपुष्टि को संवर्धित किया है।

बाबा विश्वनाथ की अविनाशी काशी में माँ गंगा के पावन तट पर आपको सम्मानित करते हुए हम गौरवान्वित हैं।

डॉ. वीरेंद्र प्रताप सिंह	प्रमोद मिश्रा	डॉ. रत्नेश वर्मा	जयेन्द्र प्रताप सिंह राठौर
सचिव / संयोजक	कार्यक्रम समन्वयक	सचिव	अध्यक्ष
आश्रय सेवा संस्था		सुबह-ए-बनारस	आश्रय सेवा संस्था

उ0 प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज
॥ सरस्वती नः सुभगा मयस्करत् ॥
मुक्त चिन्तन News Letter

मुक्त विश्वविद्यालय में वीर बाल दिवस के अवसर पर व्याख्यान का आयोजन

दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ करती हुई माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह एवं मुख्य वक्ता प्रोफेसर एस.पी. सिंह तथा साथ में निदेशक, मानविकी विद्याशाखा प्रोफेसर सत्य पाल तिवारी

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में सोमवार दिनांक 26 दिसम्बर, 2022 को मानविकी विद्या शाखा के तत्वावधान में **वीर बाल दिवस** के अवसर पर साहिबजादा जोरावर सिंह एवं साहिबजादा फतेह सिंह का व्यक्तित्व विषय पर व्याख्यान एवं निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। व्याख्यान के मुख्य वक्ता डॉ एस पी सिंह सह अचार्य, संस्कृत, सीएमपी डिग्री कॉलेज, प्रयागराज रहे। कार्यक्रम की अध्य क्षता माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी ने की।

अतिथियों का स्वागत तथा कार्यक्रम के बारे में मानविकी विद्या शाखा के निदेशक प्रोफेसर सत्यपाल तिवारी ने जानकारी दी। कार्यक्रम का संचालन डॉ साधना श्रीवास्तव तथा धन्यवाद ज्ञापन प्रोफेसर विनोद कुमार गुप्त ने किया।

इस अवसर पर **संस्कृति की रक्षा में सिखों का योगदान** विषय पर निबंध प्रतियोगिता आयोजित की गई। जिसमें शोध छात्र दिग्विजय सिंह ने प्रथम, विशाल भारतीय ने द्वितीय तथा संजय सिंह ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। विजयी प्रतिभागियों को कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह एवं मुख्य वक्ता डॉ एस पी सिंह ने प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया।

कार्यक्रम का संचालन करती हुई डॉ0 असि. प्रोफेसर डॉ0 साधना श्रीवास्तव एवं मंचासीन माननीय अतिथिगण

मुख्य वक्ता प्रोफेसर एस.पी. सिंह को पुष्पगुच्छ, अंगवस्त्र भेंट करती हुई माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी

माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी को पुष्पगुच्छ, अंगवस्त्र भेंट कर उनका सम्मान करते हुए प्रो0 सत्य पाल तिवारी

प्रो0 सत्य पाल तिवारी को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत करते हुए डॉ0 शिवेन्द्र सिंह

मुक्त चिन्तन

अतिथियों का स्वागत तथा कार्यक्रम के बारे में बताते हुए मानविकी विद्या शाखा के निदेशक प्रोफेसर सत्यपाल तिवारी

मुक्त चिन्तन

बच्चों में डाले जाएं जोरावर और फतेह सिंह जैसे संस्कार –डॉ सिंह

डॉ. एस. पी. सिंह

मुख्य वक्ता डॉ. एस. पी. सिंह सह अचार्य, संस्कृत, सीएमपी डिग्री कॉलेज, प्रयागराज ने कहा कि गुरु गोविंद सिंह के दो छोटे साहिबजादा जोरावर सिंह फतेह सिंह का बलिदान वय में छोटे होने से अधिक अनुकरणीय एवं महत्व रखता है। शिक्षा के माध्यम से बच्चों में जोरावर और फतेह सिंह जैसे संस्कार डाले जाने चाहिए।

उन्होंने कहा कि सिखों के संस्कार उदात्त होते हैं। मुगल शासक जब भय के कारण धर्म परिवर्तन करा रहे थे तब भी दोनों बालक अपने धर्म से डिगे नहीं और उन्होंने शहादत स्वीकार की।

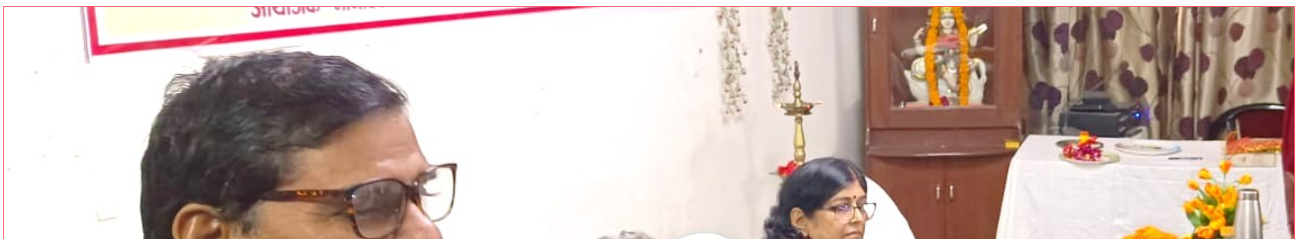

मुक्त चिन्तन

बालकों में ऐसे संस्कार भरें जो देशभक्ति से ओतप्रोत हों —कुलपति

प्रोफेसर सीमा सिंह

कुलपति

अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने कहा कि आज हम सभी को यह कोशिश करनी चाहिए कि बालकों में ऐसे संस्कार भरें जो देशभक्ति से ओतप्रोत हों। ऐसे वातावरण का सृजन करें जिससे हमारे नौजवान देश के लिए समर्पित रहें। वीर बाल दिवस पर जोरावर सिंह और फतेह सिंह की शहादत का स्मरण कराने के लिए उन्होंने प्रधानमंत्री के प्रति आभार व्यक्त किया।

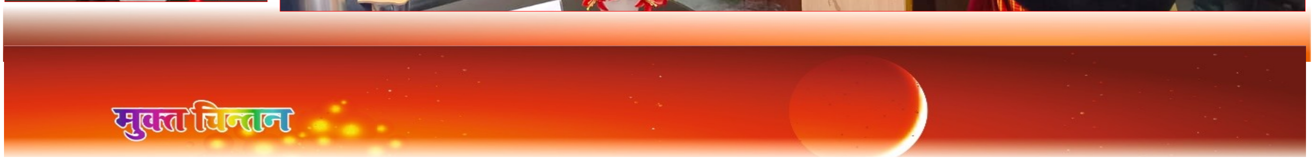

धन्यवाद ज्ञापन करते हुए प्रोफेसर विनोद कुमार गुप्त

राष्ट्रगान